THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 255 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.7 2082 गुरुवार, 11 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीजेआई को सीईसी के चयन पैनल से हटाने पर कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में बुधवार को चुनाव सुधारों पर उस समय जोरदार बहस छिड़ गई जब कांग्रेस और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को हटाए जाने पर अपनी-अपनी दलीलें रखीं। दोनों दलों ने इस मुद्दे पर अपनी ठोस राय सामने रखकर सदन का माहौल गरम कर दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने सरकार से पूछा कि आखिर वह सुप्रीम कोर्ट की उस व्यवस्था से पीछे क्यों हट गई, जिसमें चयन समिति में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सीजेआई को शामिल करने का निर्देश दिया गया था।

'घुसपैठिए तय नहीं करेंगे कौन बनेगा पीएम-सीएम'

कांग्रेस ने एसआईआर पर झूठ फैलाया-अमित शाह

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से गृह मंत्री अमित शाह ने चर्चा में भाग लिया। अमित शाह ने कहा कि एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती है, क्योंकि चुनाव आयोग सरकार के अधीन काम नहीं करता, वह एक स्वतंत्र संस्था है। कांग्रेस एसआईआर को लेकर झूठ फैला रही है। कांग्रेस की ओर से जो झूठ फैलाया गया है, मैं उसका जवाब दूंगा। अमित शाह ने विपक्ष को कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए यह भी कहा कि देश का प्रधानमंत्री और राज्य का मुख्यमंत्री घुसपैठिये तय नहीं करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि यह अधिकार केवल भारत के नागरिकों का है। शाह ने विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप फैलाने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि नरेंद्र मोदी को देश की जनता ने प्रधानमंत्री बनाया है, विपक्ष की कृपा से नहीं। उन्होंने चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की जरूरत पर भी बात की। गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में चुनाव सुधार पर चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दो दिन संसद की कार्यवाही नहीं चल सकी. लोगों के बीच इस तरह का संदेश देने की कोशिश की गई कि हम चर्चा नहीं करना चाह रहे हैं। हम भाजपा और एनडीए के लोग चर्चा से कभी नहीं भागे... चर्चा के लिए हमने न कहा, इसके पीछे भी कारण थे। विपक्ष एसआईआर की डिटेल में समीक्षा की मांग कर रहा है, जो संभव नहीं है क्योंकि यह चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। हम चुनाव नहीं करवाते हैं। इस पर चर्चा होगी तो जवाब कौन देगा? जब ये चुनाव सुधार पर चर्चा के लिए तैयार हुए, हमने दो दिन चर्चा की।

अमित शाह ने कहा कि चर्चा तय हुई चुनाव सुधार पर, लेकिन विपक्ष के सदस्यों ने एसआईआर पर ही बोला। जवाब तो मुझे देना पड़ेगा। मैंने पहले के भी सभी एसआईआर का गहन अध्ययन किया है और कांग्रेस की ओर से फैलाए गए झूठ का अपने तर्कों के हिसाब से जवाब देना चाहता हूं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। >14

'आपकी मुंसिफी से संसद नहीं चलेगी'

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। विपक्ष के नेता की तीनों प्रेस कॉन्फ्रेंस का जवाब दूंगा। एक सादी वाली। एक एटम बम वाली। एक हाइड्रोजन बम वाली। ...हर सवाल का जवाब दूंगा।

राहुल गांधी: यह एक अच्छा विचार है कि आइए हम प्रेस कॉन्फ्रेंस में चर्चा करें। अमित शाह जी, मैं आपको इसके लिए चुनौती देता हूं। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार चुनाव आयुक्तों को पूरी इम्युनिटी दी जा रही है। इसके पीछे की सोच क्या है, वो सबसे पहले बताएं। अमित शाह: मैं 30 साल से विधानसभा और संसद में जनप्रतिनिधि के रूप में चुनकर आया हूं। मुझे संसदीय प्रणाली का लंबा अनुभव है। विपक्ष के नेता कहते हैं कि पहले मेरी बात का आप जवाब दीजिए। ...आपकी मुंसिफी से संसद नहीं चलेगी। मेरे यहां बोलने का क्रम मैं तय करूंगा। इस तरह से संसद नहीं चलेगी। इन्हें धैर्य रखना चाहिए। इनकी एक-एक बात का जवाब मैं दूंगा, लेकिन मेरे भाषण का क्रम वो तय नहीं कर सकते।

नकली घी के बाद तिरुपति देवस्थानम में सामने आया सिल्क दुपट्टा घोटाला

> 54 करोड़ रुपये की हेराफेरी का दावा

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। 2015 से 2025 के बीच मंदिर प्रशासन को सप्लाई किए गए सिल्क दुपट्टों में भारी फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है।

सतर्कता विभाग की जांच में खुलासा हुआ कि 'सिल्क' के नाम पर पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई किए गए, जिनकी कीमत करोड़ों में वसूली गई। इस घोटाले की रकम लगभग 54 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एक ठेकेदार ने करीब 15,000 दुपट्टे प्रति पीस 1,389 रुपये की दर से दिए और दावा किया कि ये 'सिल्क दुपट्टे' हैं। लेकिन जांच के दौरान सैंपल जब सेंट्रल सिल्क बोर्ड सहित दो लैब्स में भेजे गए, तो रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि दुपट्टे असली रेशम से नहीं, बल्कि पूरी तरह पॉलिएस्टर से बने थे।

एसीबी को सौंपी गई जांच

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए टीटीडी चेयरमैन बी.आर. नायडू ने कहा हमें खरीद विभाग में कुछ अनियमितताएं मिली हैं। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेकर हमने जांच एसीबी को सौंप दी है।

पहले भी विवादों से घिर चुका है टीटीडी

नकली घी और मिलावट मामला (2024): सितंबर 2024 में तब हड़कंप मच गया था जब आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तिरुपति के पवित्र लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाला घी शुद्ध गौघृत न होकर मिलावटी हो सकता है। इसके बाद सीबीआई की निगरानी में एक एसआईटी गठित की गई और पूरे सप्लाई चेन की जांच शुरू हुई।

परकामानी केस (2023): 29 अप्रैल 2023 को परकामानी विभाग से जुड़े एक क्लर्क सी.वी. रवि कुमार को गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि वह श्रद्धालुओं द्वारा श्रीवारी हुंडी में डाले गए दान की रकम चोरी कर रहा था।

टीटीडी के लिए बढ़ी चुनौतियां

इन विवादों के बाद अब 54 करोड़ रुपये का सिल्क दुपट्टा घोटाला मंदिर प्रशासन की पारदर्शिता पर फिर सवाल खड़ा कर रहा है।

थरूर ने वीर सावरकर अवॉर्ड लेने से किया इनकार

> *आयोजकों ने बिना पूछे नाम घोषित किया*
> *एनजीओ का दावा-कांग्रेस सांसद को बताया था*

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को वीर सावरकर अवॉर्ड को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने कहा कि वो ये अवॉर्ड लेने नहीं जा रहे हैं। उन्हें इस अवॉर्ड के बारे में केरल में रहते हुए मीडिया रिपोर्ट्स से ही जानकारी मिली। थरूर ने स्पष्ट किया कि आयोजकों ने बिना पूछे मेरा नाम घोषित किया है। वे न तो इस अवॉर्ड से अवगत थे और न ही उन्होंने इसे स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे में दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता।

वहीं, अवॉर्ड देने वाली एनजीओ दि हिंगरेज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस) इंडिया के संस्थापक अजी कृष्णन ने दावा किया कि वो एक महीने पहले थरूर के घर पर मिले थे और उन्होंने अवॉर्ड स्वीकार करने की सहमति दी थी। दो हफ्ते पहले भी जूरी चेयरमैन रवि कांत ने उनसे मुलाकात की थी। दरअसल, बुधवार को दिल्ली में 'वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025' आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस नेता शशि थरूर को भी ये अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है। शशि थरूर के कहा कि एनजीओ का ये बर्ताव गैर-जिम्मेदाराना है। वे उन्होंने एक्स पर लिखा कि तिरुवनंतपुरम में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह बात पहले ही स्पष्ट कर दी थी। थरूर ने यह भी कहा कि स्पष्टीकरण के बाद भी कुछ मीडिया संस्थान उनसे वही सवाल पूछ रहे हैं, इसलिए वे यह बयान फिर से जारी कर रहे हैं ताकि स्थिति बिल्कुल साफ हो जाए। उन्होंने कहा कि जब अवॉर्ड के बारे में कुछ भी स्पष्ट जानकारी नहीं है, तो अवॉर्ड स्वीकार करने या कार्यक्रम में जाने का कोई सवाल नहीं है। एचआरडीएस के फाउंडर सेक्रेटरी ने कहा कि थरूर सावरकर के नाम पर शुरू किए गए अवॉर्ड को पाने वाले दूसरे लोगों के बारे में जानना चाहते थे। हमने वह जानकारी भी शेयर की। उन्हें कोई दिक्कत नहीं थी, और वह अवॉर्ड लेने और इवेंट में आने के लिए मान गए थे।

आमिर और जसीर की स्पेशल एनआईए कोर्ट में पेशी

> *अब 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा*

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली के लाल किला के पास हुए कार बम विस्फोट के मामले में स्पेशल एनआईए कोर्ट ने दो मुख्य आरोपियों को अब 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आमिर राशिद अली और जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को एनआईए की कस्टडी अवधि समाप्त होने के बाद पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां जज ने यह फैसला सुनाया।

एक और आरोपी नसीर मल्ला को सात दिन का एनआईए रिमांड

दिल्ली धमाका मामले में एनआईए ने नसीर मल्ला को गिरफ्तार किया। आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में मंगलवार को पेश किया गया, जहां से उसे सात दिन की रिमांड पर भेजा गया। आरोपी नसीर मल्ला को गिरफ्तार करने के बाद दिल्ली स्थित पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद आरोपी को सात दिनों की एनआईए रिमांड में भेजा गया। अब सात दिनों तक जांच एजेंसी एनआईए मुख्यालय में आरोपी से पूछताछ होगी। आरोपी नासिर मल्ला से जुड़े कई अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ हो सकती है।

दिल्ली धमाके को हुआ एक महीना

राजधानी में 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए बम ब्लास्ट को एक महीना हो गया, लेकिन इस आतंकी साजिश के मुख्य मुकदमे की शुरुआत अब तक अदालत में नहीं हो सकी है। धमाके में 15 लोगों की मौत हुई और 20 से अधिक लोग घायल हुए थे । शुरुआत में मामले की जांच दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के पास थी, लेकिन 18 नवंबर को गृह मंत्रालय ने इसे राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी।

'यह हमारी सभ्यता की आत्मा'

दीपावली को यूनेस्को की सूची में शामिल करने पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। दिल्ली में लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। यूनेस्को के इस कदम पर पीएम मोदी ने भी ख़ुशी जताई है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं। हमारे लिए, दीपावली हमारी संस्कृति और लोकाचार से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह प्रकाश और धार्मिकता का प्रतीक है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में दीपावली के शामिल होने से इस त्यौहार की वैश्विक लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी। प्रभु श्री राम के आदर्श हमें अनंत काल तक मार्गदर्शन करते रहें।' वहीं, इस बारे में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि दीपावली भारतीयों के लिए बेहद भावनात्मक त्योहार है, जिसे पीढ़ियों से मनाया जा रहा है। मंत्यूरी ने कहा, 'यूनेस्को का यह टैग भी एक जिम्मेदारी है, हमें सुनिश्चित करना होगा कि दीपावली हमेशा एक विरासत बनी रहे।' शेखावत ने आगे कहा कि यूनेस्को ने शांति और अच्छाई की जीत की शाश्वत मानवीय अभिलाषा का सम्मान किया। यह पहली बार है कि भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है। इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में 8 से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे। भारत की 15 चीजें वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं, जिनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला – महाकाव्य 'रामायण' का पारंपरिक प्रदर्शन शामिल हैं।

गोवा अग्निकांड : लूथरा भाइयों को नहीं मिली अंतरिम राहत

आज होगी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा बुधवार को दिल्ली की एक अदालत से अंतरिम राहत पाने में नाकाम रहे। अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले दिन के लिए टाल दी। एडिशनल सेशंस जज वंदना ने दोनों भाइयों द्वारा दायर अग्रिम जमानत पर गोवा सरकार से जवाब मांगा और अगली सुनवाई की तारीख गुरुवार तय की।

भाइयों ने चार हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी है ताकि थाईलैंड से दिल्ली लौटने के बाद उन्हें तुरंत गिरफ्तार न किया जाए। उन्होंने गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा भी मांगी है। थाइलैंड भाग चुके लूथरा ब्रदर्स ने अग्रिम याचिका में खुद पीड़ित बताया है। दावा किया कि उन्हें बिना आधार आरोपी बनाया जा रहा है। सुनवाई के दौरान, आरोपी सौरभ लूथरा की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने मेडिकल कारणों का हवाला देते हुए आरोपी सौरभ लूथरा की सेहत की स्थिति बताई, जिसे मिर्गी और हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारी है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरोपी क्लब के मालिक नहीं हैं, बल्कि सिर्फ लाइसेंसधारी हैं, जो वैध परमिशन के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि मालिकाना हक किसी और के पास है। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में गोवा नाइट क्लब आग मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान रोहिणी कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता शारीरिक तौर पर उसके अधिकार क्षेत्र में मौजूद नहीं है, कोर्ट ने सवाल किया कि ऐसी परिस्थितियों में अग्रिम जमानत की याचिका को कैसे स्वीकार किया जा सकता है? जवाब में लूथरा भाईयों के वकील तनवीर अहमद मीर ने कोर्ट के सवाल का जवाब देने के लिए कानूनी मिसालों का हवाला दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला-इंडिगो फेल हुई तो सरकार ने क्या किया

4 हजार रुपये का टिकट 30 हजार रुपये तक कैसे पहुंचा, आपने ही ऐसे हालात बनने दिए

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो संकट पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाई। अदालत ने पूछा कि जब एयरलाइन फेल हो गई थी, तब सरकार ने क्या किया। कैसे फ्लाइट्स की टिकट की कीमतें 4-5 हजार रुपए से बढ़कर 30,000 रुपए तक कैसे पहुंच गईं। अन्य एयरलाइंस ने इसका फायदा कैसे उठाया। आपने क्या कार्रवाई की? आपने ही स्थिति को इस हाल तक पहुंचने दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेदेला की डिविजन बेंच जनहित याचिका (पीआईएल) की सुनवाई कर रही थी। इसमें मांग की गई थी कि इंडिगो संकट की स्वतंत्र न्यायिक जांच की जाए और जिन लोगों की फ्लाइट रद्द हुई या जो एयरपोर्ट पर फंसे उन्हें मुआवजा दिया जाए। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ व्यक्तिगत यात्रियों का मामला नहीं है, बल्कि इससे आर्थिक नुकसान भी हुआ है। सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न पैदा हो। इधर, डीजीसीए (नागरिक उड्डयन नियामक) ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को गुरुवार दोपहर 3 बजे समन भेजकर बुलाया है। इंडिगो संकट को लेकर अब डीजीसीए (नागरिक उड्डयन नियामक) भी केंद्र सरकार की जांच के रडार पर है।

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने एक इंटरव्यू में कहा कि इंडिगो की गड़बड़ी पर सिर्फ एयरलाइन ही नहीं, बल्कि डीजीसीए के कामकाज की भी जांच होगी। मंत्री ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी और कहा कि जिम्मेदार लोगों पर कड़ी और उचित कार्रवाई की जाएगी।

राहुल संसद सत्र के बीच जर्मनी जाएंगे

भाजपा बोली-उनके लिए 'एलओपी' मतलब लीडर ऑफ पर्यटन

प्रियंका का जवाब-पीएम भी आधे समय विदेश में रहते हैं

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आगामी जर्मनी यात्रा को लेकर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा ने बुधवार को संसद के शीतकालीन सत्र के बीच राहुल की विदेश यात्रा को लेकर उनकी आलोचना की है। कंगना रनोट, संजय जायसवाल समेत कई भाजपा सांसदों ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा-राहुल गांधी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि 'एलओपी' का मतलब 'लीडर ऑफ पर्यटन' होता है। वे लीडर ऑफ पार्टींइंग (पार्टी करने वाले नेता हैं)। संसद सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा, फिर भी राहुल 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी में रहेंगे। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने काम का आधा समय विदेश में बिताते हैं।

गढ़चिरौली में पुलिस बल को मिली बड़ी कामयाबी

82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गढ़चिरौली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां सरकार द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महाराष्ट्र की गढ़चिरौली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसके तहत गढ़चिरौली में बुधवार को 82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। ये सभी नक्सली ने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण किया है। इस दौरान वहां पर एडिशनल डीजी (स्पेशल ऑपरेशंस) चेहरिंग दोरजे, गढ़चिरौली रेंज के डीआईजी अंकित गोयल, एसपी नीलोत्पल और सीआरपीएफ के ऑपरेशंन डीआईजी भी मौजूद थे।

डीजीपी बोलीं-गढ़चिरौली में नक्सलवाद खत्म होने की शुरुआत

गढ़चिरौली पुलिस को मिली इस बड़ी सफलता को डीजीपी रश्मि शुक्ला ने नक्सलवाद के अंत की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि यह गढ़चिरौली में नक्सलवाद के अंत की शुरुआत है। शुक्ला ने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य रखा है और राज्य की पुलिस इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सिर्फ इस साल ही 100 से ज्यादा माओवादी गढ़चिरौली में आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

समझिए क्यों महत्वपूर्ण है यह आत्मसमर्पण?

बता दें कि गढ़चिरौली महाराष्ट्र का अत्यंत प्रभावित नक्सली इलाका माना जाता है। इतने बड़े स्तर पर नक्सलियों का आत्मसमर्पण पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। इससे इलाके में शांति और विकास की दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद मजबूत हुई है।

बीसी को विधानमंडलों में 50 प्रतिशत आरक्षण मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा : कृष्णैया

राष्ट्रीय बीसी अधिकार सेमिनार आयोजित

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता) । आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत आधार पर आंकड़े जुटाने के केंद्र सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े 12 सांसदों ने कहा कि पिछड़ा वर्ग (बीसी) को विधानमंडलों में 50 प्रतिशत आरक्षण मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। यह घोषणा नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन के अंबेडकर ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय बीसी अधिकार सेमिनार में की गई, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने की। देशभर से आए बीसी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों की उपस्थिति वाले इस सेमिनार में सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जातिगत गणना के ऐतिहासिक निर्णय के लिए धन्यवाद दिया। वक्ताओं ने कहा कि इससे शिक्षा, रोजगार, आर्थिक भागीदारी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बीसी वर्ग का उचित हिस्सा सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। सांसदों ने यह भी कहा कि बीसी वर्ग से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुधार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही संभव हो पाए हैं। सेमिनार में सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें विधानसभा और संसद चुनावों में 50% बीसी आरक्षण सुनिश्चित करने हेतु विधेयक लाने, बीसी के लिए अलग मंत्रालय स्थापित करने, 2 लाख करोड़ के विशेष विकास कार्यक्रम की घोषणा करने तथा शिक्षा-रोजगार में आरक्षण बढ़ाकर 50% करने जैसी मांगें प्रमुख रहीं।

इसके अलावा पदोन्नति में आरक्षण लागू करने, क्रीमी लेयर हटाने, औद्योगिक नीति व न्यायपालिका में आरक्षण लागू करने, निजी क्षेत्र में एससी/एसटी/बीसी आरक्षण सुनिश्चित करने, बीसी सब-प्लान लागू करने और बीसी अधिकार संरक्षण कानून बनाने की मांग भी उठाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बीसी नेताओं ने भाग लिया, जिनमें गुज्जा सत्यम्, नीला वेंकटेश, मल्लेश, मनोज गौड़, शिवकुमार यादव, वेनु यादव, किशोर, लक्ष्मी प्रसन्ना, प्रियांका सहित तेलंगाना और आंध्रप्रदेश से आए अनेक प्रतिनिधि शामिल थे। सेमिनार का संचालन डॉ. रैग अरुण कुमार और बणाला अजय कुमार ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व तेलंगाना बीसी आयोग अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणं कृष्णमोहन ने की। राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने कहा कि बीसी वर्ग की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति सामने आने के बाद देश में समावेशी नीति निर्माण को नई दिशा मिलेगी।

अमीरपेट में कोचिंग सेंटर में आग

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट के मैत्रीवनम इलाके में बुधवार को शिवम टेक्नोलॉजीज नामक कोचिंग सेंटर में आग लगने से हड़कंप मच गया। राहत की बात यह है कि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इमारत से उठते घने धुएं को देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

दमकल दल मौके पर पहुंचा और थोड़ी ही देर में आग पर काबू पा लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बिल्डिंग के भीतर रखी कुछ बैटरियों के विस्फोट से आग लगी होने की संभावना है। सावधानी के तौर पर आसपास के अन्य कोचिंग सेंटरों और संस्थानों के छात्रों को तुरंत बाहर निकाल दिया गया।

सीएम रेवंत ने 1,000 करोड़ रुपए स्टार्टअप पूंजी के पूर्ण उपयोग पर जोर दिया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्टार्टअप संस्थापकों से अपील की कि वे सरकार द्वारा जल्द ही शुरू किए जाने वाले 1,000 करोड़ रुपए के स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स का पूरा लाभ उठाएँ। 1998 में गूगल की विनम्र शुरुआत का उल्लेख करते हुए, रेवंत रेड्डी ने उम्मीद जताई कि 2034 तक हैदराबाद से कम से कम 100 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बनें। मुख्यमंत्री टी-हब, हैदराबाद में गूगल फॉर स्टार्टअप्स (जीएफएस) हब का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव बी. अजीत रेड्डी, विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, उप सचिव भावेश मिश्रा और कई गूगल अधिकारी उपस्थित थे। तेलंगाना के जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित गूगल-ब्रांडेड यह स्थान भारत में अपनी तरह का पहला हब है। गूगल की योजना इस हब के माध्यम से तेलंगाना के क्षेत्रीय स्टार्टअप्स के साथ जुड़ने की है, जिसमें चयनित एआई-फर्स्ट स्टार्टअप्स को एक वर्ष के लिए निःशुल्क को-वर्किंग सीटें और वेंचर निवेशकों के एक चुने हुए समूह तक पहुँच प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे चाहते हैं कि हैदराबाद न केवल स्टार्टअप्स का केंद्र बने, बल्कि यूनिकॉर्न्स का भी केंद्र बने। 2034 तक हैदराबाद से कम से कम 100 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बनें, और उनमें से कम से कम 10 सुपर यूनिकॉर्न बनें। जीएफएस लॉन्च के साथ यह संभव है।, सरकार और गूगल एक साथ आए हैं ताकि स्टार्टअप्स के लिए एक सहयोगी तंत्र बनाया जा सके। हम मिलकर एक सफल इको-सिस्टम बनाएँगे।, गूगल की प्रेरणादायक यात्रा का उदाहरण देते हुए , जो 1998 में एक गैराज से शुरू होकर आज एक वैश्विक सफलता बन गया ।

रेवंत रेड्डी ने स्टार्टअप्स को अरब-डॉलर कंपनियाँ बनने के लिए प्रोत्साहित किया। पिछले दो दिनों में हमने तेलंगाना राइजिंग 2047 ग्लोबल समिट का आयोजन किया। हमने अपने भविष्य की दृष्टि साझा की। हमारा लक्ष्य 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है।, उन्होंने जोड़ा कि तेलंगाना राइजिंग की दृष्टि स्टार्टअप्स के यूनिकॉर्न बनने की महत्वाकांक्षा से मेल खाती है। आज कई कंपनियाँ हैं जो 15-20 साल पहले स्टार्टअप थीं और अब अरबों डॉलर की हैं, गूगल, एप्पल, अमेज़न, टेस्ला, फेसबुक इसके शानदार उदाहरण हैं।, उन्होंने हैदराबाद की सॉफ्टवेयर सेवाओं, फार्मा और जीवन विज्ञान कंपनियों की उल्लेखनीय वृद्धि की तुलना भी की। मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप की सफलता के लिए टीमवर्क और मेहनत के महत्व पर बल दिया। स्टार्टअप्स फुटबॉल की तरह हैं। मैं फुटबॉल का उदाहरण देता हूँ क्योंकि मैं यह खेल खेलता हूँ। फुटबॉल में कड़ी मेहनत करनी होती है, अभ्यास जरूरी है। यह टीमवर्क है। लेकिन आखिर में जीतना सबसे ज़रूरी है। स्टार्टअप्स में भी यही बात लागू होती है।, उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों से आग्रह किया कि वे सरकार द्वारा स्थापित किए जा रहे 1,000 करोड़ स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स का पूरा लाभ उठाएँ।

ग्राम पंचायत चुनाव से पहले लिंगमपल्ली में हिंसा

कांग्रेस-बीआरएस समर्थकों की भिड़ंत, एक की मौत, कई घायल

सूर्यापेट, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले लिंगमपल्ली गांव में बुधवार को कांग्रेस और बीआरएस समर्थकों के बीच हुई झड़प ने माहौल तनावपूर्ण कर दिया। पुलिस के अनुसार, विवाद इतना बढ़ गया कि करीब 70 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस कार्यकर्ताओं पर लाठियों और पत्थरों से हमला कर दिया। इसमें बीआरएस कार्यकर्ता उप्पुला मल्लैया गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें हैदराबाद ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। बीआरएस मंडल अध्यक्ष मुन्ना मल्लैया यादव सहित लगभग 15 लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरपंच चुनाव हारने के डर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला किया। घटना के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एसपी नरसिम्हा ने पहले ही इस गांव में हिंसा की आशंका जताई थी, क्योंकि पिछले साल यहां एक पूर्व सरपंच की हत्या हुई थी। इस घटना ने सूर्यापेट और आसपास के कई मंडलों में चुनाव से पहले तनाव और बढ़ा दिया है। पुलिस ने बताया कि तनाव रोकने के लिए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

सरपंच उम्मीदवारों के अव्यावहारिक वादे चर्चा में

नवजात बच्चियों के एफडी से लेकर बंदरों पर नियंत्रण तक के दावे

करीमनगर, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम पंचायत चुनावों से पहले कांग्रेस समर्थित कई सरपंच उम्मीदवार मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़े-बड़े और अव्यावहारिक वादे कर रहे हैं। किसी भी तरह जीत हासिल करने की चाह में वे ऐसे लाभों का आश्वासन दे रहे हैं जो अक्सर ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र में भी नहीं आते।

कुछ उम्मीदवार बेरोज़गार युवाओं को नौकरी देने का वादा कर रहे हैं, तो कुछ नवजात बच्चियों के नाम पर फिक्स डिपॉज़िट बनवाने की घोषणा कर रहे हैं। वेमुलावाड़ा मंडल के अरेपल्ली से एटिक्याला राजू और गन्नेरुवरम मंडल के मदपुर से मार्गम मल्लेशम ने लड़कियों के नाम पर क्रमशः 10,000 और 5,000 रुपये जमा कराने का वादा किया है, जबकि उनकी आर्थिक स्थिति सीमित है।

सैदापुर मंडल के वेन्नमपल्ली से चुनाव लड़ रहे मोलुगुरी चिरंजीवी ने गाँव को बंदरों के आतंक से मुक्त कराने का दावा किया है। उन्होंने हर साल 1.5 लाख रुपये बंदर पकड़ने के लिए खर्च करने का वादा किया है और अभी से अपने खर्च पर बंदर पकड़ने वालों को बुलाना शुरू कर दिया है। मनकोंदूर मंडल के चेंजेरला से उम्मीदवार राजेश्वरी ने तो एक बांड तक जारी कर दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि तीन साल में अपने वादे पूरे न कर सकीं, तो वे पद छोड़ देंगी और ग्रामीणों द्वारा दी गई चप्पलों की माला पहनेंगी। वे 12 बिस्तरों वाला अस्पताल, समारोह हॉल, ओपन जिम और बंदरों की समस्या का स्थायी समाधान जैसे कई वादे कर रही हैं। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों पर स्थायी नियंत्रण दावा करना मुश्किल है, क्योंकि बड़े शहरों में भी इसका समाधान नहीं मिल पाया है। कई लोग यह भी कह रहे हैं कि कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार अपनी पार्टी की ही तरह चुनाव से पहले बड़े वादे कर रहे हैं, जिनके पूरे होने पर संदेह है।

कांग्रेस सरकार निवेश को लेकर मनगढ़ंत कहानियां बना रही है: हरीश राव

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार निवेश को लेकर मनगढ़ंत कहानियां बना रही है और तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट को एक खर्चीला लेकिन दूरदृष्टिहीन प्रचार स्टंट बना दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे पिछले दो वर्षों में हुए वास्तविक निवेश, बंद हुई कंपनियों और युवाओं के लिए बनी नौकरियों का विवरण सार्वजनिक करते हुए एक श्वेत पत्र जारी करें।

हरीश राव ने बताया कि ग्लोबल समिट में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और आरबीआई के पूर्व गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव ने बीआरएस शासन के दौरान तेलंगाना की प्रगति की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि यह रेवंत रेड्डी के उन दावों के विपरीत है जिनमें वे लगातार केसीआर सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सरकार के विजन डॉक्यूमेंट को आधे-अधूरे सच का पुलिंदा बताते हुए कहा कि यह रंगीन पन्नों और खोखले दावों से भरा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रशासनिक विफलताओं को छिपाने के लिए वैश्विक मंचों का इस्तेमाल कर रही है और रेवंत रेड्डी एक ऐसा मॉडल दिखा रहे हैं जो केवल भ्रम फैलाने वाला है। उन्होंने कहा कि वास्तव में मुख्यमंत्री तेलंगाना को लूटने वाले व्यक्ति की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

पूर्व मंत्री ने कहा कि जिस ग्लोबल समिट को राज्य का सबसे बड़ा निवेश आकर्षण बताया जा रहा था, वह आर्थिक सम्मेलन के बजाय रियल एस्टेट प्रदर्शनी जैसा बनकर रह गया। उन्होंने आरोप लगाया कि वास्तविक विदेशी भागीदारी नदारद रही और कॉलेज छात्रों व पार्टी कार्यकर्ताओं को दर्शक दीर्घा भरने के लिए बिठाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 18 मुख्यमंत्रियों और 5,000 विदेशी प्रतिनिधियों की बात कही थी, लेकिन उनके पार्टी नेता डीके शिवकुमार के अलावा कोई प्रमुख नेता मौजूद नहीं था।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने शिखर सम्मेलन का इस्तेमाल फोर्थ सिटी परियोजना से जुड़े भूमि सौदों को बढ़ावा देने के लिए किया है, जो एक रियल एस्टेट घोटाला है। फार्मा सिटी के आसपास की जमीनें सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों ने पहले ही खरीद लीं और बाद में उन्हें फ्यूचर सिटी के नाम पर बेचा गया।

हरीश राव ने विदेशी निवेश को लेकर सरकार के दावों पर सवाल उठाए और कहा कि मुख्यमंत्री की दावोस, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया यात्राओं से जुड़े समझौता ज्ञापनों का कोई परिणाम नजर नहीं आया। उन्होंने पूछा कि दावोस 2024, एआई ग्लोबल समिट और दावोस 2025 से दिखाए गए करोड़ों के निवेश कहां हैं और वे नौकरियां कहां हैं जिनका दावा किया गया था। बीआरएस नेता ने कहा कि लगातार सम्मेलनों के बावजूद तेलंगाना में एक भी बड़ा निवेश नहीं आया है, जबकि नीतिगत अव्यवस्था के कारण कई उद्योग पड़ोसी राज्यों में चले गए। उन्होंने उदाहरण दिया कि सिगाची इंडस्ट्रीज और विरुपाक्षा ऑर्गेनिक्स ने 2,315 करोड़ रुपये का निवेश आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया जिससे हजारों नौकरियां भी वहीं चली गईं।

तेलंगाना में सिंचाई परियोजनाओं में देरी से किसानों की मुश्किलें बढ़ीं

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना का सिंचाई क्षेत्र पिछले दो वर्षों से विवादों और परियोजनाओं में देरी के कारण संकट में है। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) और पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना जैसी प्रमुख योजनाएं किसानों की पानी की मांग के बावजूद निष्क्रिय या अधर में पड़ी हैं। इससे फसलें खराब हो रही हैं और कृषि क्षेत्र में आर्थिक नुकसान बढ़ रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर आधारभूत परियोजनाओं का राजनीतिकरण करने के आरोप लग रहे हैं।

कालेश्वरम परियोजना, जिसका उद्देश्य गोदावरी नदी के पानी से 40 लाख एकड़ से अधिक भूमि की सिंचाई करना था, मेडिगड्डा बांध में अक्टूबर 2023 में संरचनात्मक समस्याओं के कारण बंद पड़ी है। इससे करीमनगर और वारंगल जैसे क्षेत्रों में धान की खेती का क्षेत्रफल 15-20 प्रतिशत तक घट गया और अकेले 2024 में लगभग 5 लाख टन धान की कमी हुई।

युवा दुकान कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या

विवाहित महिला से संबंध की आशंका, पुलिस जांच जारी

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। काम से घर लौट रहे एक 25 वर्षीय युवक की मंगलवार देर रात कामातीपुरा इलाके के देवी बाग के पास अज्ञात हमलावरों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित अरविंद घोषले, किशनबाग के मुसलयिगुडा में रहते थे और एक चावल की दुकान पर काम करते थे। रात करीब 10 बजे दुकान बंद करने के बाद वे मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। रास्ते में कुछ लोगों ने उनका पीछा किया, उन्हें रोक लिया और चाकू से कई बार हमला किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या के पीछे एक विवाहित महिला से कथित संबंध की वजह हो सकती है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की जांच के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अरविंद के परिचितों से पूछताछ कर रही है ताकि हमलावरों का पता चल सके।

केटी रामाराव का कांग्रेस पर कटाक्ष

चंद्रशेखर राव के दशकभर के विकास को सराहा

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बुधवार को कहा कि कोई भी झूठा प्रचार पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में पिछले दशक में तेलंगाना द्वारा हासिल किए गए विकास को छिपा नहीं सकता। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष करते हुए राज्य में हुई प्रगति को कम करने के प्रयासों की निंदा की। रामाराव ने कांग्रेस द्वारा आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में मिले समर्थन का हवाला दिया। उन्होंने ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और आरबीआई के पूर्व गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराओ द्वारा बीआरएस शासन के दौरान तेलंगाना की विकास यात्रा की सराहना का उल्लेख किया।

केटीआर ने बीआरएस कार्यकर्ता की हत्या की निंदा की

कांग्रेस पर हिंसा फैलाने और सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सूर्यापेट जिले के नुटंकल मंडल के लिंगमपल्ली गांव में बीआरएस कार्यकर्ता उप्पुला मल्लैया की हत्या की कड़ी निंदा की है। यह हत्या कांग्रेस और बीआरएस समर्थकों के बीच हुई हिंसक झड़प के दौरान हुई। केटीआर ने कहा कि दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए और पार्टी कांग्रेस की हत्या की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। मल्लैया की मौत मंगलवार रात हुई थी, जब लगभग 70 कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ ने कथित तौर पर लाठी और पत्थरों से हमला किया था। बीआरएस मंडल अध्यक्ष मुन्ना मल्लैया यादव और 15 अन्य भी गंभीर रूप से घायल हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव का सामना करने में असमर्थ है, इसलिए अब शारीरिक हिंसा का सहारा ले रही है। यह उसके डर और पतन को दिखाता है। केटीआर ने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस सत्ता का दुरुपयोग कर अराजकता फैलाएगी तो बीआरएस चुप नहीं रहेगा। उन्होंने पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी और पूर्व विधायक गडारी किशोर से बात कर जमीनी स्थिति की जानकारी ली। केटीआर ने पार्टी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि नेतृत्व उनके साथ खड़ा है और मृतक व घायलों के परिवारों को पूरा सहयोग दिया जाएगा। साथ ही पुलिस से हमले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बिरयानी को लेकर कहासुनी, दोस्त पर हमला

सोते समय सिर पर पत्थर से वार, हालत गंभीर

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामनगर में मंगलवार को दोस्तों के बीच खाने को लेकर हुई मामूली कहासुनी ने बड़ा रूप ले लिया। बिरयानी खाते समय शुरू हुई छोटी बहस बाद में एक गंभीर हमले में बदल गई। पुलिस के अनुसार, राजू यादव और उसका दोस्त सुमन सोमवार रात रामनगर में एक मंडी आउटलेट पर खाना खा रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच हल्की बहस हुई, जो बढ़कर विवाद बन गई। गुस्से में राजू अगले दिन वारसिगुडा में सुमन के घर पहुंचा। सुमन सो रहा था, तभी राजू ने एक बड़ा पत्थर उठाकर उसके सिर पर जोर से मार दिया। शोर सुनकर परिवार वाले पहुंचे और सुमन को खून से लथपथ देखा। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने राजू यादव को हिरासत में लेकर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि हमला योजनाबद्ध था और पिछली रात की बहस इसका कारण बनी।

रैन बाजार पुलिस ने बेरहमी से हुए हत्या कांड का पर्दाफाश किया, छह आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता) । रैन बाजार पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्या कांड का खुलासा करते हुए छह कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कई आरोपी अब भी फरार बताए जा रहे हैं। यह कार्रवाई क्राइम नंबर 192/2025 के तहत विभिन्न धाराओं एवं आर्म्स एक्ट के प्रावधानों के तहत की गई। पुलिस ने विश्वसनीय जानकारी के आधार पर 10 दिसंबर को अली बिन हमजा अल जबरी, फैसल बिन हबीब मोहम्मद, मोहम्मद मकसूद अली, सैयद असगर अली और मोहम्मद ताहिर को गिरफ्तार किया। इसके अलावा मुख्य आरोपी उमेर बिन हमजा अल जबरी को दबीरपुरा दरवाजा, मिर्चीचौक के पास से पकड़ा गया।

पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों ने पूर्व रंजिश के कारण शेख जुनैद बिन मोहम्मद भर्मोस की हत्या की साजिश रची थी। पूछताछ में पता चला कि सभी आरोपी घातक हथियारों से लैस होकर मृतक को खत्म करने के उद्देश्य से एकत्र हुए थे और साजिश को अंजाम देते हुए मृतक पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। मृतक जुनैद याकुतपुरा में रहकर चावल की दुकान में काम करता था। उसके और आरोपी के बीच काफी समय से रियल एस्टेट सौदों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बीच अन्य आरोपी भी पारिवारिक तनाव के कारण मृतक से रंजिश रखे हुए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी संपत्ति लेनदेन पर अवैध कमीशन वसूलते थे तथा मृतक अक्सर उनके कारनामों का विरोध करता था, जिससे विवाद गहरा गया और आरोपियों ने उसकी हत्या की योजना बना ली।

पुलिस के अनुसार 3 दिसंबर की रात आरोपियों ने रहमत नगर में बैठक कर योजना को अंतिम रूप दिया और मृतक के चोटापूल, याकुतपुरा स्थित स्थान पर पहुँचकर उस पर सामूहिक हमला कर दिया। वारदात में उपयोग किए गए तीन चाकू, ओला इलेक्ट्रिक बाइक, सुजुकी बर्गमैन बाइक तथा तीन मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद किए हैं। गिरफ्तारी की इस कार्रवाई को पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के निर्देशों पर दक्षिण जोन पुलिस अधिकारियों की देखरेख में इंस्पेक्टर सीएच नेताजी और टीम ने अंजाम दिया। पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की हैं।

डीसीए ने मेडिकल दुकानों की जांच की

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नशीली दवाओं, गर्भपात किटों और एंटीबायोटिक्स की अनियंत्रित बिक्री पर रोक लगाने के लिए तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (डीसीए) ने बुधवार को पूरे राज्य में विशेष अभियान चलाते हुए बड़ी संख्या में मेडिकल दुकानों की औचक जांच की। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान मुख्य रूप से शेड्यूल एचऔर शेड्यूल एच 1 सी प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की बिक्री की जांच पर केंद्रित रहा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन दवाओं का वितरण केवल पंजीकृत चिकित्सा चिकित्सक द्वारा जारी वैध पर्चे पर ही किया जाए। जांच के दौरान कई अनियमितताएँ सामने आईं। टीमों ने विभिन्न उल्लंघनों के लिए 180 खुदरा मेडिकल दुकानों को शो-कॉज़ नोटिस जारी किए। इनमें बिना पर्चे दवाइयों की बिक्री, रिकॉर्ड में गड़बड़ी, और संवेदनशील दवाओं के स्टॉक का अनुचित रखरखाव जैसी कमियाँ शामिल हैं। ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कड़ा रुख अपनाया जाएगा।

50 वर्ष से अधिक आयु के सिर्फ 4% वयस्क ही टीकाकृत

सर्वे में जागरूकता की भारी कमी उजागर

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह बेहद चौंकाने वाली बात है, लेकिन हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि हैदराबाद में 50 वर्ष से अधिक आयु के सिर्फ 4 प्रतिशत वयस्कों को ही वयस्क टीके लगे हैं। अध्ययन में कहा गया है कि इस आयु वर्ग के लोगों में वयस्क टीकाकरण के महत्व के बारे में गंभीर जानकारी का अभाव है, जबकि ये टीके रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने में अत्यंत प्रभावी हैं। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया (एपीआई) द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण का नेतृत्व शहर के वरिष्ठ एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. बिपिन सेठी ने किया। इसमें बताया गया है कि केवल 53 प्रतिशत बुजुर्ग ही गंभीर बीमारियों की रोकथाम में वयस्क टीकों की प्रभावशीलता से परिचित हैं।

सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत वयस्कों और 74 प्रतिशत देखभालकर्ताओं को यह जानकारी ही नहीं है कि वयस्कों के लिए अलग टीके मौजूद हैं। यह जागरूकता की कमी स्वास्थ्यकर्मियों तक में पाई गई, जहाँ सिर्फ 12 प्रतिशत देखभालकर्ताओं ने अपने माता-पिता या ससुराल पक्ष के बुजुर्गों को वयस्क टीके लगवाए हैं। सर्वेक्षण बताता है कि बचपन का टीकाकरण तो अच्छी तरह स्थापित है, लेकिन वयस्क आमतौर पर टेटनस, हेपेटाइटिस बी, रेबीज-रोधी या यात्रा-पूर्व टीकों के अलावा किसी अन्य टीके के बारे में जागरूक नहीं हैं।

डॉ. सेठी और एपीआई के सदस्यों ने कहा कि 50 वर्ष से अधिक आयु वालों को निमोनिया, फ्लू, हेपेटाइटिस बी और दाद (शिंगल्स) जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने वाले टीकों के बारे में जागरूक किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इन टीकों की प्रभावकारिता और सुरक्षा सिद्ध है और इनकी लागत को मिलने वाली सुरक्षा के अनुपात में आंका जाना चाहिए, खासकर मधुमेह जैसे कम प्रतिरक्षा वाले रोगियों में। अध्ययन में वयस्क टीकाकरण में बाधाओं की भी पहचान की गई।

6% प्रतिशत वयस्कों और 82 प्रतिशत देखभालकर्ताओं का मानना है कि वयस्क टीके महंगे होते हैं। वहीं 81 प्रतिशत वयस्क डॉक्टर की सलाह पर भरोसा करते हैं और उतने ही लोग देखभालकर्ताओं के सुझाव को महत्व देते हैं, जबकि 68 प्रतिशत लोग निर्णय लेने से पहले दोस्तों और परिवार से भी राय लेते हैं-जो अनौपचारिक सामाजिक नेटवर्क के बड़े प्रभाव को दर्शाता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

जिंदगी में हर वक्त गिला शिकवा ही नहीं, कभी तो छोड़ दीजिए कस्ती को लहरों के सहारे!

मुख्यमंत्री की छात्रों से राजनीति के जाल में न फँसने की अपील

ओयू विश्वविद्यालय को विश्व स्तरीय संस्थान बनाने का संकल्प

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को ओसमानीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों से अपील की कि वे राजनीतिक दलों के बहकावे में न आकर अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें और अच्छे नेता बनकर राज्य का नेतृत्व संभालें। उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियों का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना है और शिक्षा इसका सबसे बड़ा आधार है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि ओसमानीय विश्वविद्यालय के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं और इसे विश्व का एक प्रमुख शिक्षण संस्थान बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओयू में आने के लिए साहस नहीं, बल्कि प्रेम और सम्मान की आवश्यकता होती है। ओयू और काकतिया विश्वविद्यालय के छात्रों की भूमिका को उन्होंने तेलंगाना आंदोलन की रीढ़ बताया। पूर्व बीआरएस सरकार पर हमला बोलते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में विश्वविद्यालय की उपेक्षा की गई। सैकड़ों एकड़ में फ़ार्म हाउस बनाए गए, लेकिन एक भी दलित परिवार को 3 एकड़ भूमि नहीं दी गई, उन्होंने आरोप लगाया। अपनी शिक्षा पर की गई राजनीतिक टिप्पणियों पर सीएम ने कहा कि वह कॉर्पोरेट स्कूलों में नहीं पढ़े, लेकिन गरीबों की समस्याओं को भलीभांति समझते हैं। अंग्रेज़ी का ज्ञान ही ज्ञान नहीं होता, भाषा सिर्फ संचार का माध्यम है।, अपने दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने बताया कि तेलंगाना गीत को मान्यता, तेलंगाना तल्लि की प्रतिमा की स्थापना, जाति जनगणना, एससी वर्गीकरण तथा अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि हम जनता को स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और समान अवसर दे रहे हैं। तेलंगाना को बुरी शक्तियों से बचाने के लिए हमारे प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य में युवा इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और युवा इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की गई है। औद्योगिक क्षेत्र के प्रमुख आनंद महिंद्रा को स्किल्स यूनिवर्सिटी का अध्यक्ष बनाया गया है ताकि युवाओं में प्रेरणा का संचार हो। उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ राज्य खेल प्रतिभाओं को सामने लाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ओयू में शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियां पूर्ण पारदर्शिता से हों और किसी भी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप न किया जाए। उन्होंने कहा कि यूस्मानिया विश्वविद्यालय तेलंगाना का हृदय है, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने छात्रों से शिक्षा को प्राथमिकता देने, नेतृत्व गुण विकसित करने और राज्य के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में भागीदार बनने की अपील की।

प्रवासी भारतीयों की बड़ी वापसी

तेलंगाना के ग्राम पंचायत चुनावों में बढ़ा उत्साह

जेद्दा, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कई प्रवासी भारतीय अपनी जड़ों और पैतृक गांवों के प्रति मजबूत भावनात्मक लगाव के कारण गुरुवार से शुरू हो रहे ग्राम पंचायत चुनावों में भाग लेने या परिवार का समर्थन करने के लिए तेलंगाना लौट आए हैं। राज्य के कई गाँव ग्राम विकास समितियों के माध्यम से अपने विकास कोष का बड़ा हिस्सा जुटाते हैं, जिसमें प्रवासी भारतीयों का योगदान महत्वपूर्ण होता है। सरपंचों के लिए यह जरूरी है कि वे ग्राम विकास समितियों के साथ मिलकर काम करें।

दुबई में रहने वाले अनिवासी गद्दाम श्रीनिवास रेड्डी ने राजन्ना सिरसिला जिले के चंदुरती मंडल के अपने पैतृक गांव बंदपल्ली में सरपंच पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए नौकरी छोड़ दी। वहीं, निज़ामाबाद जिले के कोमनपल्ली निवासी बांदी राजाराम ने पिछली बार मात्र सात वोटों से हारने के बाद इस बार पद महिलाओं के लिए आरक्षित होने के कारण चुनाव नहीं लड़ा।

निर्वाचन के मद्देनज़र सुरक्षा-व्यवस्था के कड़े इंतजाम : डीजीपी

राज्यभर के 3,800 से अधिक ग्राम पंचायतों में मतदान आज

राज्य की सीमाओं पर 54 अंतरराज्यीय चेकपोस्ट स्थापित

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में ग्राम पंचायत चुनावों के पहले चरण के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। 11 दिसंबर 2025 को राज्यभर के 3,800 से अधिक ग्राम पंचायतों और लगभग 37,000 वार्डों में मतदान होगा। चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 3,000 से अधिक ग्राम पंचायतों में लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। यह चुनाव राज्यभर में होगा, हालांकि हैदराबाद शहर को इससे बाहर रखा गया है। पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि निर्वाचन के मद्देनज़र सुरक्षा-व्यवस्थाओं को कड़ा किया गया है। शांतिपूर्ण मतदान के लिए सिविल पुलिस, आर्म्ड रिजर्व, टीजीएसपी, तथा वन और आबकारी विभाग से तैनात कर्मियों को व्यापक स्तर पर लगाया गया है। सभी मतदान केंद्रों को सामान्य और संवेदनशील श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, ताकि संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जा सके। वोटिंग के तुरंत बाद ही मतगणना कराई जाएगी, जिसके लिए सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। चुनावी प्रक्रिया के दौरान अब तक प्रवर्तन टीमों ने 8.20 करोड़ मूल्य की नकदी, शराब, ड्रग्स, बहुमूल्य धातुओं और अन्य प्रलोभन सामग्री जब्त की है। 229 एफ़आईआर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर दर्ज की गई हैं। इसके साथ ही पुलिस ने 1,053 नॉन-बेलेबल वारंट निष्पादित किए हैं। सुरक्षा मानकों के तहत लाइसेंसधारी व्यक्तियों के सभी हथियार जमा करा लिए गए हैं। राज्य की सीमाओं पर निगरानी बढ़ाने के लिए 54 अंतरराज्यीय चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं, जो महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमाओं पर लगातार 24 घंटे सक्रिय हैं, ताकि अवैध धन, शराब, हथियार और अन्य सामग्रियों की आवाजाही पर रोक लगाई जा सके। इसके अलावा, 537 फ़्लाइंग स्क्वॉड टीमें और 155 स्टैटिक सर्विलांस टीमें पूरे राज्य में निगरानी में जुटी हैं, ताकि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके।

चुनावी चेकपोस्ट पर बीआरएस के केटी रामाराव की गाड़ी की जांच

राजन्ना-सिरसिल्ला, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को सिरसिल्ला-सिद्दीपेट मुख्य मार्ग पर थंगल्लापल्ली मंडल के जिलेल्ला में पुलिस ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के वाहन की जांच की। ग्राम पंचायत चुनावों के मद्देनजर चुनाव अधिकारियों और पुलिस ने अंतर-जिला सीमा पर जिलेल्ला में चेक पोस्ट लगाया है। इस चेकपोस्ट पर वाहन रोककर धन, शराब और अन्य सामग्रियों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए सख्ती से जांच की जा रही है। जाँच के दौरान रामा राव ऑटो रिक्शा चालकों को बीमा बांड वितरित करने सिरसिल्ला की ओर जा रहे थे। पुलिस और चुनाव अधिकारियों ने गाड़ी की जांच की और कुछ भी संदिग्ध न मिलने पर उन्हें आगे जाने की अनुमति दे दी।

माता-पिता ने प्रेमी को शादी की बहाने बुलाकर मारा

इंजीनियरिंग छात्र की हत्या का मामला दर्ज, जांच जारी

संगारेड्डी, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में 19 वर्षीय लड़की के माता-पिता ने बुधवार को शादी की चर्चा का झांसा देकर अपने बेटी के प्रेमी को घर बुलाया और कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। पीड़ित श्रवण साई (20) सेंट पीटर इंजीनियरिंग कॉलेज, मैसमगुडा में दूसरे वर्ष का छात्र था और कुतुबुल्लापुर का निवासी था। उसका संबंध इसुकाबवी की 19 वर्षीय श्रीजा से था। अमीनपुर पुलिस ने बताया कि लड़की के माता-पिता पहले ही श्रवण को अपनी बेटी से दूर रहने की चेतावनी दे चुके थे। बुधवार को उन्होंने उसे घर बुलाया और शादी की बात करने का बहाना बनाकर उस पर हमला किया। गंभीर चोटों के कारण श्रवण की मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आदिलाबाद में एनएच-44 पर दर्दनाक हादसा

कार पलटने से तीन युवकों की मौत, एक गंभीर घायल

आदिलाबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार तड़के जैनथ मंडल के थारोदा गांव के पास एनएच-44 पर एक कार पलटने से तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ। आदिलाबाद कस्बे के निवासी शेख मोइनुद्दीन, कीर्ति सागर और मोइन (उम्र 22 से 30 वर्ष) की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक योगेश वाहन चला रहा था। राहगीरों ने पलटी हुई कार देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि मोड़ पर ड्राइवर का नियंत्रण छूट गया, जिससे कार हाईवे से नीचे खेतों में जा गिरी। योगेश को गंभीर हालत में राजीव गांधी आयुर्वेद संस्थान, आदिलाबाद में भर्ती कराया गया है। जैनथ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों शवों को आरआईएमएस-आदिलाबाद भेजा और मामला दर्ज कर लिया है। जांच जारी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, S Latha, W/o, No. 14666967W,NK, P Prabhu, R/o, Dist: Tiruchirapalli, Tamil Nadu, changed my name from S Latha to P Latha vide Affidavit No BN 820565 dt.08.12.2025, before, Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, K. Madhavi, W/o, No.14672901W, Hav, Umapati Komaturu, R/o, Dist: Srikakulam, A P, changed my name from K Madhavi to Komaturu Madhavi vide Affidavit No BN 820559 dt. 08.12.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, Kamla Devi, W/o, JC 768451L, Sub, Mani Ram, R/o, Dist; Jhunjhunu, Rajasthan, changed my name from Kamla Devi to Kamala Devi vide Affidavit No. 0031273260 dt.09.12.2025, before, SDM, Khetri.

I, No. 14666650F, NK, Ramjash Yadav, R/o, Dist: Alwar, Rajasthan, changed my Father's name from Balbeer Singh Yadav to Balvir Singh Yadav vide Affidavit No.282815 dt.08.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , JC 775020F, Sub, Bagul Bhushan Chandrakant, R/o. Dist: Nashik, Maharashtra, changed my Father's name from Chandrakant to Chandrakant Govind Bagul, vide Affidavit No. 282808 dt. 08.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 770988H, Sub, Deepak Nath, R/o, Dist: Nainital, Uttarakhand, changed my Daughter's name from Desha Goswami to Disha Goswami vide Affidavit No.282823 dt.08.12.2025 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14646759A, Hav,Jaiveer Singh, R/o, Dist: Bulandshahr, U P, changed my Daughter's name from Akansha to Akanksha Tomar, vide Affidavit No 282828 dt.09.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Chandrikaben, W/o, JC 774165A, Sub Maj, Prajapati Vinod Kumar , R/o, Dist: Mehsana, Gujarat, changed my name from Chandrikaben to Chandrikaben Prajapati,vide Affidavit No 0029441753 dt.10.12.2025 before Executive Magistrate, Mahesana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना में भीषण शीत लहर की चेतावनी

तापमान में और गिरावट की संभावना

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य क्षेत्रों में बुधवार से तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद और स्वतंत्र मौसम विश्लेषकों ने आगामी सप्ताह में भीषण शीत लहर की चेतावनी जारी की है। आईएमडी-हैदराबाद के अनुसार, आदिलाबाद, कोमुरम भीम, आसिफाबाद, मंचरियाल, निर्मल, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी सहित कई क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहने की संभावना है। चेतावनी शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025 तक जारी रहेगी। हैदराबाद और आसपास के जिलों में न्यूनतम तापमान 11 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। स्वतंत्र मौसम विश्लेषकों ने कहा है कि तापमान पश्चिमी और उत्तरी जिलों में 5 डिग्री तक गिर सकता है और शीत लहर अगले 4-5 दिनों तक जारी रह सकती है। पिछले 24 घंटों में शहर के बाहरी इलाकों में न्यूनतम तापमान मोइनाबाद 6.6, इब्राहिमपटनम 7.7, एचसीयू सेरिलिंगमपल्ली 8.4, राजेंद्रनगर 9.2, मौला अली 9.4, बीएचईएल 10.5, गाचीबोवली 11.4 और कुतुबुल्लापुर 11.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मेस्सी मैच से पहले राचकौंडा पुलिस की अपील

बिना टिकट स्टेडियम न आएं प्रशंसक

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बहुप्रतीक्षित लियोनेल मेस्सी के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल मैच के शनिवार को होने के मद्देनज़र, राचकौंडा पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने बुधवार को प्रशंसकों से उप्पल स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में प्रवेश नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की। भीड़ प्रबंधन को सुचारू बनाने और अनावश्यक भीड़भाड़ से बचने के लिए आयुक्त ने स्पष्ट किया कि स्टेडियम के पास केवल वैध टिकट या प्रवेश पास रखने वालों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

उन्होंने कहा, जिन प्रशंसकों के पास टिकट या पास नहीं है, उन्हें कार्यक्रम स्थल पर न आने की सख्त सलाह दी जाती है। केवल अधिकृत धारकों को ही प्रवेश मिलेगा। उन्होंने जनता से सुरक्षा इंतज़ामों में सहयोग करने की अपील की। 13 दिसंबर को होने वाले मैच के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसके तहत स्टेडियम के अंदर और आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिस अधिकारियों ने प्रशंसकों से आग्रह किया है कि वे समय से पहले पहुंचे, निर्धारित मार्गों का पालन करें और सभी निर्देशों का अनुपालन करें, ताकि कार्यक्रम सुरक्षित और परेशानी मुक्त तरीके से सम्पन्न हो सके।

व्यापारी हत्याकांड में 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

हत्या में 12 लोग थे शामिल

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेन बाजार में व्यापारी जुनैद बिन मोहम्मद भारमूस की हत्या के मामले में शहर की पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि जुनैद लोगों से जबरन वसूली करने से रोकते थे, इसी रंजिश में उनकी हत्या कर दी गई।

मामले में छह अन्य संदिग्ध अभी फरार हैं। जुनैद की हत्या 3 दिसंबर की रात याकूतपुरा के छोटापूल इलाके में तीन बदमाशों के नेतृत्व वाले एक समूह ने की थी। पुलिस के अनुसार, हत्या में कुल 12 लोग शामिल थे।

गिरफ्तार आरोपियों में रेन बाजार का उपद्रवी शीटर ओमर बिन हमजा अल जाबरी (35), पुराने शहर के एक राजनीतिक दल के नेता हमजा बिन ओमर उर्फ जफर पहलवान, अली बिन हमजा अल जाबरी (31), फैसल बिन हबीब मोहम्मद (23), मोहम्मद मकसूद अली (28), सैयद असगर अली (20) और मोहम्मद ताहेर (25) शामिल हैं। वहीं छह आरोपी सैयद रहीम गौरी शाजिब, मलिक बिन जाविद, अज़हर, ज़ुबैर, रियान और कुलसुम फरार बताए जाते हैं। दक्षिण जोन के पुलिस उपायुक्त किरण खरे ने बताया कि दो मुख्य आरोपी उमर और अली, जुनैद के दोस्त फारूक से जबरन पैसे की मांग कर रहे थे। उन्हें जानकारी मिली थी कि फारूक ने एक संपत्ति बेची है। फारूक से कमीशन लेने की कोशिश के दौरान जुनैद ने बीच-बचाव किया। वह पहले भी कई बार जबरन वसूली का विरोध कर चुके थे। इसी बात से नाराज़ होकर आरोपियों ने मिलकर साजिश रची और 3 दिसंबर को जुनैद पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में विशेष टीमें बनाई थीं। कमिश्नर टास्क फोर्स (दक्षिण) ने रेन बाजार और मिर्चौक पुलिस के सहयोग से छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

मतदान प्रक्रिया को सुचारु और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के निर्देश

कलेक्टर ने चुनाव सामग्री वितरण केंद्र का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम पंचायत चुनावों के पहले चरण से एक दिन पहले जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने मतदान प्रक्रिया को सुचारु और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को सतर्क और जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को कलेक्टर ने शमशाबाद जिला परिषद हाई स्कूल परिसर में स्थापित चुनाव सामग्री वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान कर्मियों को उपलब्ध कराई जा रही सामग्री, मतपत्रों और मतदान पेटियों की विस्तृत जांच की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए सामग्री अलग-अलग, व्यवस्थित और पूर्ण रूप से तैयार रखी जाए। कलेक्टर ने सूक्ष्म पर्यवेक्षकों से बातचीत करते हुए उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सलाह दी कि मतपत्रों की पैकिंग सावधानीपूर्वक की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मतदान दलों के केंद्रों पर पहुँचने के बाद सभी व्यवस्थाओं पीने का पानी, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग स्थल तथा मतदान कक्ष की व्यवस्था की पुनः जाँच करना अनिवार्य है। यदि कोई कमी दिखाई दे तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया जाए। उन्होंने मतदान कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और चुनाव आयोग के नियमों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान राजेंद्र नगर के आरडीओ वेंकट रेड्डी, शमशाबाद तहसीलदार रविंदर, एमपीडीओ मुन्नी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लिवर प्रत्यारोपण मरीजों में 94% बैक्टीरिया शुरुआती एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी: अध्ययन

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साउथ एशियन लिवर इंस्टीट्यूट के लिवर सर्जनों द्वारा अर्ध-ग्रामीण टियर-2 शहर में 67 लिवर सर्जरी रोगियों पर ढाई वर्षों तक किए गए एक पूर्वव्यापी अध्ययन में पाया गया कि कुल मरीजों में 24 प्रतिशत को जीवाणु संक्रमण हुआ, जिनमें से 46 लिवर प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में 16 मामले शामिल थे। इन सभी 16 मरीजों में एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध पाया गया। चिंताजनक रूप से, 16 में से 15 (94 प्रतिशत) बैक्टीरिया पहली और दूसरी पंक्ति की एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी थे। कुछ मामलों में तीसरी पंक्ति की दवाओं तथा ऑक्सज़ोलिडिनोन जैसी अंतिम उपाय वाली दवाओं के प्रति भी प्रतिरोध देखा गया। इन 16 पॉजिटिव मरीजों में से 9 के ऑपरेशन पूर्व रक्त कल्चर पॉजिटिव पाए गए और सभी 100 प्रतिशत एमडीआर बैक्टीरिया थे। यह जानकारी प्रत्यारोपण सर्जरी विभाग के प्रमुख और अध्ययन के मुख्य अन्वेषक डॉ. टॉम चेरियन ने दी।

लिवर क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ और सह-अन्वेषक डॉ. ए. गोगिनेनी ने बताया कि क्लेबसिएला न्यूमोनिया और एस्चेरिचिया कोलाई दो सबसे आम बैक्टीरिया थे, जो लगभग 58 प्रतिशत मामलों में पाए गए। जिन दवाओं के प्रति सर्वाधिक प्रतिरोध देखा गया, वे थीं फ़्लोरोक्विनोलोन, पेनिसिलिन, सेफालोस्पोरिन और नाइट्रोफ्यूरेंटोइन। दक्षिण एशिया के अर्ध-ग्रामीण क्षेत्र में लिवर प्रत्यारोपण मरीजों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध पर यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है। डॉ. चेरियन ने कहा, संक्रमण नियंत्रण रणनीतियाँ रोगी तक संक्रमण के प्रसार को रोकती हैं, लेकिन जब आधे से अधिक मरीज खुद ही ऐसे घातक प्रतिरोधी संक्रमण के साथ आते हैं, तो ये तरीके अप्रभावी हो जाते हैं।

अब आवश्यक है कि सर्जरी से पहले सक्रिय संक्रमणों का पता लगाकर उन्हें नियंत्रित किया जाए और रोगियों को रोगजनक जीवाणुओं से मुक्त किया जाए।

सोलर रूफ साइकिल ट्रैक पर अंतिम संस्कार की रस्में, साइकिल प्रेमियों में आक्रोश

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को शौकिया साइकिल चालक, फिटनेस प्रेमी और साइकिलिंग समुदाय के लोग उस समय हैरान रह गए जब उन्होंने 100 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 23 किलोमीटर लंबे सौर ऊर्जा युक्त साइकिल ट्रैक पर कुछ लोगों को अंतिम संस्कार से संबंधित अनुष्ठान करते देखा। ट्रैक पर साइकिलिंग कर रहे कुछ सवारों ने जब उन व्यक्तियों से पूछताछ की, तो बताया गया कि अज्ञात लोगों ने उन्हें धमकाया। एक साइकिल प्रेमी, जो एक्स पर सक्रिय हैं, ने लिखा, बेहद दुखी हूँ। हैदराबाद के हमारे साइकिलिंग ट्रैक पर कोई अंतिम संस्कार कर रहा है। पूछने पर धमकी दी कि वह मुख्यमंत्री का करीबी और इलाके का सरपंच है, हमारे इस विश्व प्रसिद्ध ट्रैक को बचाने के लिए नेतृत्व से मदद की अपील है।

साइकिल प्रेमियों ने उन व्यक्तियों के वीडियो भी साझा किए, जिनमें वे अंतिम संस्कार की रस्मों में भाग लेते दिख रहे हैं। वीडियो में कई लोगों के सिर मुंडवाए जा रहे थे, जो अंतिम संस्कार की एक पारंपरिक प्रथा है। हैदराबाद का 23 किलोमीटर लंबा सोलर रूफ साइकिलिंग ट्रैक आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के समानांतर बनाया गया है। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस "हेल्थवे' प्रोजेक्ट में छत पर 16,000 सोलर पैनल लगाए गए हैं, जो करीब 16 मेगावाट बिजली उत्पन्न करते हैं।

सर्वसम्मति से होने वाले चुनावों को रद्द करने की मांग

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरपंचों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने तेलंगाना राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) से स्थानीय निकाय चुनावों में सर्वसम्मति से होने वाले चुनावों को तत्काल रद्द करने की मांग की है। समिति का आरोप है कि कई गांवों में सरपंच पदों को खुलेआम नीलामी के माध्यम से खरीदा जा रहा है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर हो रही है। हैदरगुड़ा में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए जेएसी के राज्य अध्यक्ष सूर्य यादवैया गौड़ ने कहा कि सर्वसम्मति से चुनाव कराना संविधान की मूल भावना और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है।

बदले जाएंगे 11.32 लाख स्मार्ट मीटर, 2जी तकनीक वाले मीटर की जगह स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगेंगे

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2018 में लगाए गए 2जी तकनीक के करीब 11.32 लाख मीटरों को बदला जाएगा। इनके स्थान पर रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाएंगे। प्रदेश में वर्ष 2018 में ऊर्जा दक्षता सेवाएं लिमिटेड (ईईएसएल) के साथ पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 40 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का फैसला किया था। यह परियोजना 8 वर्ष के लिए थी और 2जी तकनीक पर आधारित थी।

शुरुआत से ही इन मीटरों को लेकर सवाल उठते रहे। तकनीकी विकास के साथ इन मीटरों को 4जी करने की मांग की गई लेकिन सुनवाई नहीं हुई। अब पॉवर कॉर्पोरेशन ने निर्णय लिया है कि ईईएसएल की ओर से लगाए गए सभी 12 लाख स्मार्ट मीटरों में से 1132506 सक्रिय मीटरों को बदला जाएगा।

लखनऊ में 65 एकड़ का राष्ट्र प्रेरणा स्थल तैयार

पीएम करेंगे लोकार्पण, तीन प्रतिमाएं हैं मुख्य आकर्षण

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पुराने शहर में पड़ने वाली एलडीए की बसंतकुंज योजना में 65 एकड़ में फैला राष्ट्र प्रेरणा स्थल बनकर तैयार हो गया है। इस समय फिनिशिंग का काम चल रहा है। यह स्थल ऊपर से देखने पर कमल की आकृति में नजर आता है। यहां पर भारत माता की सुदर्शन चक्र लिए हुए प्रतिमा, कमल के फूल और दीये की आकृति के बड़े मॉडल भी स्थापित किए जाएंगे।

इसका लोकार्पण 25 दिसंबर को भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों कराने की तैयारी है। इसके बाद पुराने शहर को एक बड़ा आयोजन स्थल और मनोरंजन के लिए नया पार्क मिल जाएगा। प्रेरणा स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पं। दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाएं हैं। तीनों

प्रतिमाएं कांस्य की हैं, जो 65 फीट ऊंची हैं। इनके निर्माण पर 21 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ये प्रतिमाएं स्टेच्यू ऑफ यूनिटी बनाने वाले प्रमुख मूर्तिकार रामसुतार और माटूराम ने बनाई हैं। तीनों विभूतियों से जुड़ी यादों को संजोने के लिए म्यूजियम भी बना है। इसके निर्माण पर 232 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। प्रेरणा स्थल पर म्यूजियम ब्लॉक, मेडिटेशन सेंटर, तीन हैलीपैड, रैली आदि के लिए काफी बड़ा मंच विकसित किया गया है। म्यूजियम ब्लॉक में दीये की आकृति वाला मॉडल लगाए जाने के बारे में जानकारों का कहना है कि पहले यही आकृति जनसंघ की पहचान थी।

म्यूजियम ब्लॉक होगा बेहद खास

प्रेरणा स्थल में सिविल से जुड़े सभी कार्य पूरे हो गए हैं। म्यूजियम ब्लॉक को सजाने का काम चल रहा है। यहीं तीनों महान विभूतियों के जीवन से जुड़ी जानकारियों को प्रदर्शित किया जा रहा है। उनके जीवन संघर्ष और उपलब्धियों को दर्शाया जा रहा है। म्यूजियम ब्लॉक लगभग 6300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बना है। इसमें वीवीआईपी व जन सामान्य के लिए दो अलग गेट हैं।

पांच गैलरी हैं, जिनमें तीनों विभूतियों की तस्वीरें, स्टोन म्यूरल्स के साथ ही डिजिटल पैनल पर लाइव ऑडियो-वीडियो विजुअल्स प्रदर्शित किए जाएंगे। एलडीए के मुख्य अभियंता नवनीत शर्मा का कहना है कि प्रेरणा स्थल का काम पूरा हो गया है। म्यूजियम में इस समय फिनिशिंग का काम चल रहा है। यह भी 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री के हाथों के इसका लोकार्पण प्रस्तावित है।

केंद्र ने जिस दस्तावेज के आधार पर भुगतान किया वही राज्य सरकार के लिए अपर्याप्त कैसे

प्रयागराज, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रेल दुर्घटना में माता-पिता को खो चुके नाबालिग को राज्य सरकार की ओर से मुआवजे का भुगतान न होने पर नाराजगी जताई है। पूछा है कि केंद्र सरकार ने जिस दस्तावेज के आधार पर भुगतान कर दिया तो वही राज्य के लिए कैसे अपर्याप्त हो सकता है। कोर्ट ने कहा, अधिकारी नीति का मजाक न बनाएं। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी व न्यायमूर्ति अजीत कुमार की खंडपीठ ने जौनपुर निवासी नाबालिग की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अधिवक्ता ने कोर्ट में दलील दी कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारों ने हादसे में पीड़ितों के आश्रितों के लिए पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी।

केंद्र ने भुगतान कर दिया पर राज्य सरकार ने उसी दस्तावेज में कागज अधूरे बताकर भुगतान रोक दिया। राज्य सरकार की ओर से पेश शासकीय अधिवक्ता ने कोर्ट में दलील दी कि दुर्घटना में नाबालिग के माता-पिता की मृत्यु का कोई सबूत नहीं था। इसलिए भुगतान नहीं किया जा सका। कोर्ट ने कहा कि जब केंद्र ने भुगतान कर दिया तो राज्य सरकार को भी उन्हीं दस्तावेज को आधार मानना चाहिए था। कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधिवक्ता को निर्देश दिया कि जवाबी हलफनामे की एक कॉपी प्रतिवादी के वकील को दें। साथ ही कोर्ट ने डीएम को आदेश दिया कि केंद्र सरकार के हलफनामे के आधार पर मामले में जरूरी कार्रवाई करें। अनुग्रह राशि का भुगतान कर छह जनवरी को अनुपालन हलफनामा दाखिल करें। ऐसा नहीं होता है तो डीएम को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होना पड़ेगा।

मोदी व योगी सरकार में अयोध्या के समग्र विकास को मिली अभूतपूर्व गति: परिवहन मंत्री

अयोध्या, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले 1251 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह हनुमत श्रीराम महायज्ञ की यज्ञशाला का भूमि पूजन प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने किया। 20 से 26 मार्च 2026 तक प्रस्तावित इस भव्य महायज्ञ को रामनगरी में धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का अद्वितीय संगम बताया जा रहा है।

भूमि पूजन से पूर्व परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने श्री रामजन्मभूमि परिसर पहुंचकर रामलला के दर्शन किए तथा हनुमानगढ़ी में महाबली हनुमान के समक्ष शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि अयोध्या आज अपने गौरवपूर्ण इतिहास से आगे बढ़ते हुए एक नए युग में प्रवेश कर रही है। पीएम नरेन्द्र मोदी व सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या के समग्र विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के बाद यहां बुनियादी ढांचे, सड़कों, परिवहन सेवाओं और पर्यटन सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है।

श्रीरामनवमी के अवसर पर होने वाला यह महायज्ञ अयोध्या की आध्यात्मिक पहचान को वैश्विक स्तर पर और अधिक सुदृढ़ करेगा। पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि अयोध्या का विकास केवल परियोजनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान है। उन्होंने बताया कि शहर को आधुनिक सुविधाओं से सज्जित करते हुए उसकी सांस्कृतिक आत्मा को सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि महायज्ञ के आयोजन से रामनगरी की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक चमक और अधिक प्रखर होगी।

प्रगति यात्रा में घोषित 430 में से 428 योजनाओं को मंजूरी

सीएम बोले- प्राथमिकता से पूरा करें काम

पटना, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान घोषित योजनाओं को प्राथमिकता के स्तर पर पूरा करने का निर्देश दिया है। बुधवार को उन्होंने इस मुद्दे पर समीक्षा बैठक की। इस यात्रा के दौरान 430 योजनाओं की घोषणा की गई थी। नीतीश की यह यात्रा पिछले साल के दिसंबर में शुरू हुई थी। इस साल जनवरी में समाप्त हुई। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में नीतीश कुमार ने कहा, मैंने प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में जाकर विकास कार्यों को देखा था।

यात्रा के दौरान जो लोगों का फीडबैक मिला और जमीनी स्तर पर मुझे जो कमी दिखी, उसे पूरा करने के लिए 430 नई योजनाओं को स्वीकृति दी गई। इसपर 50 हजार करोड़ खर्च किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी 38 जिलों से संबंधित इन योजनाओं की लगातार समीक्षा करते रहें। कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए इसका सतत अनुश्रवण करते रहें।

सभी विभाग लंबित योजनाओं पर तेजी से काम करते हुए इन्हें जल्द पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हमलोग लगातार प्रयत्नशील हैं। राज्य के सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के विकास के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम किया जा रहा है। लोगों के उत्थान के लिए जो योजनाएं बनाई गई हैं उनपर पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करें। हम सभी चाहते हैं कि बिहार देश के पांच अग्रणी विकसित राज्यों में शामिल हो। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि प्रगति यात्रा के दौरान घोषित योजनाएं सरकार के 22 विभागों से जुड़ी हैं। 430 में से 428 योजनाओं को स्वीकृति दे दी गई है। शेष दो योजनाएं तकनीकी रूप से अनुपयुक्त पाई गई हैं। ये दोनों जल संसाधन विभाग से संबंधित हैं। 21 योजनाओं का काम पूरा हो चुका है। शेष योजनाओं पर काम तेजी से चल रहा है। इन्हें ससमय पूर्ण कर लिया जाएगा।

बैठक में इनकी थी उपस्थिति

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, सभी संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव एवं सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, डा। चन्द्रशेखर सिंह एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डा। गोपाल सिंह।

जेडीयू नेता की गोली मारकर हत्या

छाती, गर्दन-आंख के पास लगी गोली हथियार लहराते हुए भागे 9 बदमाश

बेगूसराय, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में बुधवार सुबह जदयू नेता की बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी। छाती, गर्दन और आंख के नजदीक बुलेट लगी है। गोली की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग दौड़े। 9 बदमाश हथियार लहराते हुए भाग निकले। घटना छौड़ाही थाना क्षेत्र के पीरनगर गांव स्थित वार्ड नंबर-10 की है। मृतक जदयू नेता की पहचान रामबली महतो के बेटे नीलेश कुमार (37) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि नीलेश कुमार रोज की तरह रात में खाना खाकर अपने मवेशी के बथान पर सोने चले गए थे।

इसी दौरान 6 से अधिक बदमाश आए और ताबड़तोड़ गोली चला दी। सूचना मिलते ही मंझौल डीएसपी के नेतृत्व में छौड़ाही थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। एफएसएल की टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया है।

मृतक के पिता रामबली महतो ने बताया कि मेरा बेटा नीलेश कुछ दिन पहले तक जदयू का पंचायत अध्यक्ष था। उसके बाद हाल फिलहाल विधानसभा चुनाव में काफी सक्रिय रहा। रात में घर में खाना खाकर वह रोज मवेशी के बथान पर ही सोता था। इसी दौरान रात में गोली की आवाज सुनकर हम लोग दौड़े, तो बृजेश कुमार और जयप्रकाश महतो सहित अन्य बदमाश हथियार लहराते हुए भाग गए। अभी कोई भी विवाद नहीं था, पहले जमीन विवाद था SP मनीष ने बताया कि 'देर रात सूचना मिली कि नीलेश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग खुद भ्रमित: सपा सांसद रामगोपाल

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश समेत 12 राज्यों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को गलत ठहराया है। उन्होंने सवाल उठाए कि जिस तरह एसआईआर प्रक्रिया चल रही है, उससे मतदाता सूची में 50 प्रतिशत लोगों के वोट ही बच सकेंगे। रामगोपाल यादव ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, चुनाव आयोग एसआईआर को लेकर खुद ही भ्रमित है। बड़े पैमाने पर बीएलओ ने लोगों को अनुपस्थित, स्थायी रूप से विस्थापित और मरा हुआ दिखाया, लेकिन हो सकता है कि उसमें से भी कुछ जिंदा निकल आएं।

फिरोजाबाद के टूंडला विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए सपा सांसद ने कहा, फिरोजाबाद के टूंडला विधानसभा क्षेत्र में 3,82,160 मतदाता हैं। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान दिखाया गया है कि 3,82,159 फॉर्म बांटे गए। इनमें से 10,703 मतदाताओं को मृत, 11,964 को अनुस्थित और 29,364 को स्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट दिखाया गया। सवाल यह है कि जब इतने सारे लोग मृत, अनुस्थित और शिफ्ट हो चुके हैं, तब 100 प्रतिशत फॉर्म डिस्ट्रीब्यूशन कैसे हुआ? रामगोपाल यादव ने आगे कहा, इसमें सबसे खतरनाक स्थिति यह है कि 2003 का वोटर जो 2025 में भी वोटर है, उसे चुनाव आयोग के नियमों के हिसाब से किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं है। उसे सिर्फ एक फॉर्म भरना है और वह फिर से वोटर बन जाता है।

एक तरफ इलेक्शन कमीशन कहता है कि किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं है, दूसरी तरफ अधिकारियों, स्टाफ और कलेक्टरों के एक्स्ट्रा काम से बचने के लिए सभी को कैटेगरी 'सी' में डाल दिया गया है।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को देवरिया पुलिस ने किया गिरफ्तार, जांच में सहयोग न करने का आरोप

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व आईपीएस व आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर को देवरिया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह कल रात लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। इस दौरान उन्हें शाहजहांपुर में ट्रेन से उतारा गया। देवरिया में उन पर कुछ दिन पहले केस दर्ज हुआ था। उन्हें जांच में सहयोग नहीं करने पर गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि अमिताभ ठाकुर भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कानपुर के अधिवक्ता अखिलेश दुबे की संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग की थी।

इसके लिए मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर को पत्र भी लिखा था। उन्होंने मंडलायुक्त कार्यालय के एक कर्मचारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। पत्र के अनुसार उन्होंने साकेतनगर स्थित पार्क की जमीन पर कब्जाकर किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस बनाने और अखिलेश दुबे के कार्यालय के आवंटन की जांच की मांग की थी। इसके अलावा अवैध तरीके से बृजकिशोरी दुबे स्कूल संचालित करने का भी आरोप लगाकर जांच कराने की मांग की।

उन्होंने मंडलायुक्त कार्यालय के एक कर्मचारी पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से अधिवक्ता अखिलेश को सहयोग दिए जाने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा था कि ऐसी सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा कराने के आरोप में जांच के बाद लोगों के उत्तरदायित्व का निर्धारण किया जाए। साथ ही आरोपियों से अवैध कब्जे या अवैध लाभ से कमाई गई संपत्ति की रिकवरी भी जरूरी है।

यूपी बीजेपी के नए अध्यक्ष का ऐलान कब? आ गई तारीख, ये ओबीसी चेहरा रेस में सबसे आगे

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी राजनीतिक तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को यूपी चुनाव प्रभारी नियुक्त किया था। सूत्रों के अनुसार, गोयल उत्तर प्रदेश आकर कुछ ही दिनों के भीतर राज्य में बीजेपी की तैयारियों का जायजा लेंगे और चुनाव रणनीति पर काम शुरू करेंगे।

सूत्रों ने यह भी बताया कि बीजेपी अगले 2-3 दिनों में प्रदेश अध्यक्ष के नए नाम का एलान कर सकती है। माना जा रहा है कि इस बार पार्टी ओबीसी चेहरे पर भरोसा जताने की संभावना रखती है। पार्टी की अंदरूनी रणनीति के अनुसार, यह कदम मतदाताओं के बीच ओबीसी समुदाय को मजबूत संदेश देने और चुनावी समीकरणों में संतुलन बनाने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। पीयूष गोयल के यूपी चुनाव प्रभारी बनाए जाने से पार्टी में चुनावी माहौल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। गोयल के नेतृत्व में यूपी में पार्टी की रणनीति में तेजी आएगी। उनका यह जिम्मा केवल चुनावी तैयारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राज्य में संगठन विस्तार, उम्मीदवार चयन और जनसंपर्क जैसी गतिविधियों पर भी निगरानी रखी जाएगी। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि पीयूष गोयल यूपी में संगठन के प्रत्येक स्तर पर जाकर पार्टी की तैयारियों का जायजा लेंगे।

इसके साथ ही वह नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन और उनके सार्वजनिक तौर पर एलान के लिए भी पार्टी की योजना को अंतिम रूप देंगे। गोयल के अनुभव और रणनीतिक कुशलता का पार्टी नेतृत्व चुनावी मोर्चे पर पूरा लाभ उठाने की योजना बना रहा है।

नौ लाख करोड़ से ज्यादा हो सकता है प्रदेश का बजट

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है अनुपूरक बजट; सत्र 19 से

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। वित्त विभाग ने उप्र राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम 2004 के तहत मध्यकालिक राजकोषीय पुनःसंरचना नीति 2025 जारी की है। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश के कुल बजट का आकार 9 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वित्त विभाग के अनुमानों के मुताबिक इसके बाद वित्तीय वर्ष 2027-28 में बजट का आकार 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा। वित्तीय वर्ष 2028-29 में बजट 11 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंचने का अनुमान है। इस तरह आने वाले तीन वर्षों में प्रदेश के बजट में हर साल एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि होने की संभावना है। सरकार का दीर्घकालिक लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2029-30 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दस खरब रुपये तक पहुंचाना है। इसे देखते हुए आने वाले वर्षों में बजट का आकार मौजूदा अनुमानों से भी अधिक हो सकता है। सरकार का फोकस निवेश बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में तेज विकास को सुनिश्चित करना है। इसके लिए अलग-अलग स्तरों पर विभागीय तैयारियां चल रही हैं।

विधानमंडल में पेश हो सकता है अनुपूरक बजट

प्रस्तावित विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में सरकार चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश कर सकती है। अनुपूरक बजट का अंतिम आकार सरकार तय करेगी। हालांकि, विभागों ने मौजूदा योजनाओं को पूरा करने और अतिरिक्त बजट की मांग से जुड़े प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजना शुरू कर दिए हैं। अनुपूरक बजट पेश होने के बाद चालू वित्तीय वर्ष का कुल बजट 808736.06 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा।

यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आगामी 19 दिसंबर से शुरू होगा, जो 24 दिसंबर तक चलेगा। पांच दिवसीय सत्र के दौरान राज्य सरकार कई विधायी कार्य संपन्न कराएगी। कैबिनेट बाय सर्कुलेशन के जरिये इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी गई।

इस दौरान सरकार चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी पेश कर सकती है।अनुमान लगाया जा रहा है कि सत्र के दौरान चुनाव आयोग द्वारा करवाए जा रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर जमकर हंगामा हो सकता है। बता दें कि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर रहे हैं।

भड़काऊ भाषण मामले में 18 दिसंबर को अदालत का फैसला

रामपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री आजम खां के खिलाफ भड़काऊ भाषण के एक मामले में 18 दिसंबर को फैसला आएगा। इस मुकदमे की सुनवाई पूरी हो चुकी है। पत्रावली अंतिम बहस में लगी थी। बचाव पक्ष ने बहस की। उनकी बहस पूरी हो गई है। न्यायालय ने पत्रावली फैसले के लिए सुरक्षित रख ली है। 18 दिसंबर को फैसला सुनाया जाएगा। न्यायालय ने फैसला आने से पहले अभियोजन को अपनी बहस करने को कहा है। भड़काऊ भाषण का यह मामला आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता फैसल खां लाला ने शहर कोतवाली में दो अप्रैल 2019 को दर्ज कराया था। तब आजम खां पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़े थे।

उन पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। आम आदमी पार्टी के नेता की ओर से दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि 29 मार्च 2019 को आजम खां ने सपा कार्यालय पर भाषण दिया था, जिसकी वीडियो प्रसारित हुई थी। उसमें आजम खां लोगों को तत्कालीन जिलाधिकारी आंजनेय कुमार सिंह (वर्तमान में मंडलायुक्त) समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ भड़का रहे थे।

रामगोपाल हत्याकांड मामले में 10 पर दोष सिद्ध तीन बरी; सजा के प्रश्न पर आज होगी सुनवाई

बहराइच, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महसी के महारागंज कस्बे में बीते वर्ष मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुए पथराव व फायरिंग के दौरान एक युवक की मौत हो गई थी। यह प्रकरण प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा द्वितीय के न्यायालय में चल रहा था। मंगलवार को इस मामले में अदालत ने 10 लोगों को हत्या, बलवा व फायरिंग करने के मामले में दोष सिद्ध करार दिया है, जबकि तीन को बरी कर दिया है। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता अपराध गिरीशचंद्र शुक्ल व अपर शासकीय अधिवक्ता अपराध प्रमोद कुमार सिंह मामले की पैरवी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हरदी इलाके के महारागंज कस्बे में बीते वर्ष 13 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन के दौरान समुदाय विशेष के लोगों ने पथराव करते हुए फायरिंग कर दिया था। इसमें रामगांव इलाके के रेहुआ मंसूर के रहने वाले रामगोपाल मिश्र को गोलियां लगी थी, जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में देर से एक्शन लिया था। इसके लिए शासन ने तत्कालीन एएसपी व सीओ रूपेंद्र गौड़ सहित अन्य पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया था। इसके बाद शासन ने एसटीएफ चीफ अमिताभ एस को दंगा रोकने के लिए यहां भेजा था। पुलिस ने आनन-फानन में आरोपित महाराजगंज कस्बा निवासी अब्दुल हमीद, फहीम, सरफराज उर्फ रिंकू, मुहम्मद तालिब उर्फ सबलू, सैफ अली, जावेद खान, खुर्शीद, मुहम्मद जीशान उर्फ राजा उर्फ शाहिद, मुहम्मद अफजाल उर्फ कल्लू, शुएब खान, रेहुआ मंसूर निवासी ननकऊ उर्फ मारूफ अली, महसी के चंदपइया निवासी शकील उर्फ बबलू को आरोपित बनाते हुए गिरफ्तार किया था और उनके खिलाफ चार्जशीट अदालत में दाखिल की।

अदालत ने मामले का विचारण पूरा करने के बाद मंगलवार को अब्दुल हमीद, फहीम, सरफराज उर्फ रिंकू, मुहम्मद तालिब उर्फ सबलू, सैफ अली, जावेद खान, मुहम्मद जीशान उर्फ राजा, शुएब खान, ननकऊ व मारूफ अली को हत्या, बलवा व पथराव करने के मामले में दोषी करार देते हुए सजा के प्रश्न पर सुनवाई के लिए 11 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है। आरोपित खुर्शीद, शकील अहमद उर्फ बबलू व मुहम्मद अफजाल उर्फ कल्लू को मामले से बरी कर दिया है।

रोज 500 नहीं कमाते थे, मिला 50 लाख का अनमोल हीरा...पन्ना में दो गरीब लड़कों की बदली किस्मत

पन्ना, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले की जमीन को बेहद भाग्यशाली माना जाता है, हीरे जैसी बहुमूल्य धातुओं का खजाना यहां छिपा है और यहां कब किसकी किस्मत चमक जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता।ऐसा ही कुछ 20 दिन पहले कृष्णा कल्याणपुर में खदान करने वाले दो दोस्तों के साथ हुआ। 24 साल के सतीश खटीक और 23 साल के साजिद मोहम्मद की किस्मत जाग गई। उन्हें इस साल का सबसे बड़ा और चमचमाता 15.34 कैरेट का हीरा मिला है, जो जेम्स क्वालिटी यानी उच्च गुणवत्ता का है। इसकी कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है। दोनों दोस्तों ने इसे हीरा कार्यालय में जमा किया, जहां से उन्हें इनामी राशि हासिल होगी। दोनों दोस्त रानीगंज में अपने परिवारों की आर्थिक तंगी दूर करने और बहनों की शादी के लिए पैसों की जद्दोजहद में जुटे थे।

मनरेगा योजना पर आखिर केंद्र और बंगाल सरकार में क्यों ठनी?

ममता ने सरेआम फाड़ दी नए आदेश की कॉपी

कोलकाता, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं और इसको लेकर पहले से ही राजनीतिक माहौल और तनातनी बनती दिख रही है। नई तनातनी केंद्र और राज्य सरकार के बीच सरकारी योजनाओं को लागू करने को लेकर बनी है। ताजा विवाद केंद्र की ओर से मनरेगा योजना को बंगाल में तत्काल प्रभाव से लागू करने से जुड़ा आदेश है, और राज्य की ममता सरकार इस आदेश का विरोध कर रही है।

केंद्र सरकार ने राज्य में ग्रामीण रोजगार योजना के लागू होने को निलंबित करने के करीब 3 साल बाद, "कुछ शर्तों और विधायी उपायों" को लागू करके पश्चिम बंगाल में मनरेगा को "तत्काल प्रभाव से" फिर से शुरू करने का आदेश दिया है।

सूत्रों का कहना है, केंद्रीय ग्रामीण

विकास मंत्रालय ने कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए 6 दिसंबर को मनरेगा को लागू करने संबंधी एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि "ग्रामीण विकास विभाग इसके द्वारा पश्चिम बंगाल में महात्मा गांधी नरेगा को तुरंत प्रभाव से फिर से लागू कर रहा है।" इसकी जानकारी पश्चिम बंगाल सरकार को भी दी गई। हालांकि राज्य की ममता बनर्जी सरकार इस आदेश से बेहद खफा है। ममता ने इस मसले पर केंद्र सरकार पर हमला करते हुए, कूचबिहार में एक जनसभा के दौरान मनरेगा से जुड़े नए नियमों वाले एक नोट को फाड़ दिया। उन्होंने इसे "बेकार और अपमानजनक" करार दिया और यह भी कहा कि बंगाल "दिल्ली की खैरात" मांगे बगैर अपनी खुद की वर्क स्कीम चलाएगा। सीएम ममता ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "हमें केंद्र की ओर से एक पत्र मिला जिसमें कहा गया था कि 6 दिसंबर से हमें तिमाही लेबर बजट जमा करना होगा। उन्होंने (केंद्र) यह शर्त लगा दी है। लेकिन अब इसे दिखाने का समय ही कहां है? दिसंबर चल रहा है, और अगले साल की शुरुआत में राज्य में चुनाव होने हैं। फिर उन्होंने शर्त लगाई कि ट्रेनिंग देनी होगी।"

हम आपसे भीख नहीं मांग रहे: ममता बनर्जी

उन्होंने नाराजगी दिखाते हुए कहा, "आप लोगों को कब ट्रेनिंग देंगे और कब नौकरियां देंगे? यह कागज का टुकड़ा बेकार है। हम फिर से सत्ता में लौटेंगे। कर्मश्री योजना के तहत, हम 70 दिन का काम दे रहे हैं। हम इसे बढ़ाकर अब 100 दिन का करेंगे। हमें आपकी दया नहीं चाहिए। हम आपसे भीख नहीं मांग रहे। इसीलिए मैं यह नोट फाड़ रही हूं। मुझे लगता है कि यह हमारे लिए अपमानजनक है।" ममता ने यह भी कहा, "बंगाल कभी झुका नहीं है और न ही आगे कभी झुकेगा। बंगाल जानता है कि सिर उठाकर कैसे चलना है।"

केंद्र ने बहाली के साथ लगा दी कई शर्तें

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को केंद्र की स्पेशल लीव पिटीशन को खारिज कर दिया था, जिसमें हाईकोर्ट के 18 जून के आदेश को चुनौती दी गई थी। इस आदेश में बंगाल में मनरेगा को 1 अगस्त, 2025 से लागू करने और "खास शर्तें" लगाने का फैसला केंद्र पर छोड़ने का निर्देश दिया गया था। वहीं केंद्र ने मनरेगा, 2005 की धारा 27 का इस्तेमाल करते हुए, "केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन नहीं करने की वजह से साढ़े 3 साल पहले 9 मार्च, 2022 से पश्चिम बंगाल को फंड जारी करना बंद कर दिया था। अब नए आदेश के अनुसार, "राज्य को सभी मजदूरों का 100% ई-केवाईसी पूरा करना होगा, और मस्टर रोल अनिवार्य ई-केवाईसी के बाद ही जारी किए जाएंगे।"

बंगाल को तिमाही आधार पर मिलेगा बजट

साथ ही केंद्र ने लेबर बजट की मंजूरी के संबंध में एक नई शर्त भी लगाई है, जिसे बंगाल के लिए तिमाही आधार पर मंजूर किया जाएगा। अमूमन, इसे पूरे साल के लिए मंजूर किया जाता है। इस शर्त के अनुसार, परफॉर्मेंस और नई शर्तों के पालन के आधार पर तिमाही आधार पर लेबर बजट जारी किया जाएगा।

इसके अलावा केंद्र ने ममता बनर्जी की अगुवाई वाली बंगाल सरकार से साफ कर दिया है कि 20 लाख रुपये से ज्यादा अनुमानित लागत वाले किसी भी काम की इजाजत नहीं दी जाएगी।" आदेश के अनुसार, "सभी सामुदायिक कामों के लिए डीपीआर बनाना अनिवार्य होगा। इसे डीएम और डीपीसी द्वारा 20 लाख रुपये तक की कीमत के लिए मंजूर किया जाएगा। सभी अनुमान अनिवार्य रूप से सिक्योर सॉफ्ट के जरिए बनाए जाएंगे।"

'चार लाख का बिल भरो फिर मिलेगा शव'

अस्पताल पर लगे गंभीर आरोप, जमकर कटा बवाल

जालंधर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर के लाजपत नगर इलाके में देर रात बड़ा हंगामा हो गया, जब राम न्यूरो सेंटर अस्पताल में एक मृतक मरीज का शव देने से पहले अस्पताल प्रशासन ने भारी-भरकम बिल मांग लिया। घटना के बाद पूरे इलाके में नाराजगी फैल गई और लोगों ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए। जानकारी के अनुसार, रमनदीप नाम का एक युवक पिछले कई दिनों से राम न्यूरो सेंटर में भर्ती था।

परिवार के मुताबिक, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने के बाद जब परिजनों ने शव मांगा तो अस्पताल ने उन्हें 4 लाख रुपये का बिल थमा दिया। परिवार का कहना है कि उन्हें न इलाज के खर्च के बारे में सही जानकारी दी गई और न ही बिल के बारे में पहले बताया गया। वह रकम बेहद ज्यादा थी, और बिल में कई संदिग्ध एंट्रियां थीं। परिवार के मुताबिक, अस्पताल प्रशासन ने साफ कहा कि जब तक बिल का भुगतान नहीं होगा, शव नहीं दिया जाएगा।

स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ता पहुंचे अस्पताल

घटना की जानकारी मिलते ही रमनदीप के दोस्त, पड़ोसी और कुछ सामाजिक कार्यकर्ता अस्पताल पहुंच गए। देखते ही देखते अस्पताल के बाहर और भीतर तनाव बढ़ गया। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अस्पताल से पूछा कि एक साधारण परिवार पर इतना भारी बिल कैसे लगाया गया? बातचीत विवाद में बदल गई और मामला गर्म हो गया। करीब ढाई घंटे तक अस्पताल में शोर-शराबा और बहस चलती रही। लगातार दबाव बढ़ने पर आखिरकार अस्पताल प्रशासन को झुकना पड़ा। लंबी बहस और हस्तक्षेप के बाद 4 लाख रुपये का बिल सिर्फ 50,000 रुपये में निपटा दिया गया। समझौता होने के साथ ही अस्पताल ने रमनदीप का शव परिवार को सौंप दिया। परिवार ने बताया कि वे पहले ही सदमे में थे, ऊपर से इतनी बड़ी राशि का दबाव उनके लिए असहनीय था।

4 लाख रुपये का बिल 50,000 रुपये कैसे हुआ?

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अगर 4 लाख का बिल सही था तो उसे अचानक 50,000 में कैसे निपटा दिया गया? इससे साफ संकेत मिलता है कि बिल में हेराफेरी और मनमानी की गई थी। यह मामला स्थानीय लोगों में आक्रोश का कारण बना हुआ है और लोग मांग कर रहे हैं कि इस अस्पताल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

युवक ने गाय को खिलाए चिकन मोमोज, भड़के हिंदू संगठन; आरोपी ने मांगी माफी, बोला- 'मेरा ब्रेनवॉश किया गया'

गुरुग्राम, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में एक युवक ने गाय को चिकन मोमोज खिलाए। इसका वीडियो वायरल होने के बाद हिंदू संगठनों का गुस्सा फूट पड़ा और पुलिस से युवक की गिरफ्तारी की मांग करने लगे।वहीं, वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। युवक की पहचान न्यू कॉलोनी निवासी ऋतिक के रूप में हुई है। युवक खुद को यूट्यूबर बताता है और दावा करता है कि उसने ये वीडियो पॉपुलैरिटी और ऑनलाइन पैसे कमाने की चाह में बनाया। वायरल वीडियो में युवक गाय के सामने चिकन मोमोज रखकर उसे खाने के लिए उकसाता दिखाई देता है। इसके बाद गाय मोमोज खाने लगती है। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, हिंदू संगठनों का गुस्सा फूट पड़ा।

गुस्साए गौरक्षकों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद सेक्टर-56 थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच, बढ़ते विवाद को देखते हुए युवक ने माफी मांग ली। स्थानीय लोगों का कहना है कि आजकल सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और व्यूज पाने के लिए कुछ लोग किसी भी हद तक चले जाते हैं, जिससे समाज में गलत संदेश जाता है।

कीसरा पधारे सीरवी समाज धर्मगुरु दीवान माधवसिंह जी के सम्मान समारोह कार्यक्रम मे उपस्थित आयोजक सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल-सुगीदेवी हाम्बड़ एवं सचिव नारायणलाल काग,सलाहकार जसवंत देवड़ा, मनोनःत सदस्य सी.ए.जसाराम वरपा, रामलाल परिहार, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पँवार, उपाध्यक्ष वोराराम भायल, सचिव चेलाराम भायल,सहसचिव रमेश चौधरी, पूर्व सचिव किशनसिंह राठौड़, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, चन्दूलाल, झुमन हाम्बड़ व समाज बन्धु।

'ई-वाहनों का टोल तुरंत माफ करें

वसूली गई राशि वापस करें', इलेक्ट्रिक वाहन चलाने वालों के लिए खुशखबरी

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इलेक्ट्रिक वाहन चलाने वालों के लिए खुशखबरी है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को सदन में निर्देश दिया कि प्रदेश के सभी इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहन) को दी गई टोल माफी आठ दिनों के भीतर लागू की जाए। साथ ही, टोल माफी लागू होने के बाद भी जो टोल राशि वसूली गई है उसे वाहन मालिकों को वापस की कार्रवाई की जाए। ये निर्देश उन्होंने प्रश्नोत्तर काल के दौरान संबंधित मुद्दे पर चर्चा करते हुए दिए। इस विषय पर मूल प्रश्न विधायक शंकर जगताप ने उठाया था। स्पीकर नार्वेकर ने स्पष्ट कहा कि सरकार ने जब ई-वाहनों के लिए टोल माफी की घोषणा की है तो अब इससे पीछे नहीं हट सकती। इसलिए, राज्यभर के सभी टोल नाकों को आठ दिनों के भीतर टोल न लेने के स्पष्ट निर्देश जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए राज्य भर में चार्जिंग स्टेशनों की संख्या में वृद्धि की जाए।

साथ ही, मौजूदा स्टेशनों की क्षमता भी बढ़ाई जाए, ताकि ई-वाहन चालकों को सुविधा मिल सके। इससे पहले, विषय पर जवाब देते हुए प्रभारी मंत्री दादा भुसे ने माना कि टोल माफी लागू करने में तकनीकी कारणों से तीन महीने की देरी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रणाली में आवश्यक सुधार जल्द ही किए जाएंगे। विधानसभा में हुई इस चर्चा के बाद उम्मीद की जा रही है कि राज्य में ई-वाहन उपयोगकर्ताओं को जल्द ही टोल माफी का प्रत्यक्ष लाभ मिलने लगेगा। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने एक नीति बनाई है जिसके मुताबिक, इलेक्ट्रिक वाहनों का टोल नहीं लगेगा। लेकिन ऐसी शिकायतें आई हैं कि टोल बूथ पर अभी भी टोल वसूली की जा रही है।

दिल्ली में पिटबुल ने 6 साल के बच्चे का कान काटा

मामले में एचसी सख्त, पुलिस को दिये ये निर्देश

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने छह साल के एक मासूम बच्चे पर पिटबुल कुत्ते के हमले से जुड़े मामले में कोर्ट ने पुलिस को एफआईआर पर तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस हमले में बच्चे का बायां कान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बच्चे के पिता ने कोर्ट से कम से कम 25 लाख रुपये का मुआवजा मांगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान एमसीडी के वकील ने कोर्ट को बताया कि 24 नवंबर को कुत्ते के मालिक की सहमति से पिटबुल को जब्त कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि निगम ने शिकायत मिलते ही कार्रवाई की।

कोर्ट को यह भी बताया गया कि यह पालतू कुत्ता बिना रजिस्ट्रेशन के रखा गया था जो कानून का उल्लंघन है। मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस सचिन दत्ता ने अंतरिम राहत देते हुए एमसीडी को आदेश दिया कि कुत्ते को तब तक छोड़ा न जाए, जब तक यह सुनिश्चित न हो जाए कि भविष्य में ऐसी कोई घटना दोबारा न हो। हालांकि कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि मुआवजे की जिम्मेदारी सरकार से ज्यादा कुत्ते के मालिक की बनती है। दिल्ली हाईकोर्ट में दिल्ली सरकार के वकील ने भी कोर्ट में कहा कि मुआवजा अपराध करने वाले को ही देना चाहिए। इस पर कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि एमसीडी के साथ मिलकर ऐसे हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया कि यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी यही पिटबुल कई लोगों को काट चुका है, लेकिन पुलिस में की गई शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दिल्ली हाईकोर्ट में वकील ने कहा बच्चे के पिता, जो रोज दिहाड़ी पर काम करते हैं और महीने में करीब 10 से 12 हजार रुपये कमाते हैं ने इलाज और दवाइयों के खर्च के लिए सरकार से मुआवजे की मांग की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस को मार्च 2026 तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है और कुत्ते के मालिक, दिल्ली पुलिस कमिश्नर, संबंधित एसीपी, एसएचओ और सफदरजंग अस्पताल को नोटिस जारी किया है। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद देखना बेहद अहम होगा कि दिल्ली सरकार मुआवजे को लेकर क्या कदम उठाती है।

मुख्य सचिव, एडीजीपी को 19 दिसंबर को हाईकोर्ट में तलब

तिरुपरनकुंद्रम दीपम विवाद मामले पर कोर्ट सख्त

मदुरै, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव और एडीजीपी (कानून-व्यवस्था) को तिरुपरनकुंद्रम दीपम विवाद मामले में 17 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। यह आदेश राम रविकुमार द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान आया।

केंद्रीय गृह सचिव को भी इस मामले में एक पक्षकार बनाया गया है। अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता वीरा कथिरावन ने बताया कि तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप प्रज्वलित करने संबंधी एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली तमिलनाडु के अधिकारियों की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। जस्टिस जी आर स्वामीनाथन ने राम रविकुमार की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य सचिव और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) को 17 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होने का निर्देश दिया। रविकुमार ने अदालत के पूर्व आदेशों का पालन न करने के लिए मदुरै के जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त और अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर, तिरुपरनकुंद्रम के कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई किये जाने का अनुरोध करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अधिकारी अदालत के आदेश का पालन किए बिना मामले को खींचने का प्रयास कर रहे हैं। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए अधिवक्ता कार्तिकेयन एन ने कहा कि मदुरै के पुलिस उपायुक्त को एक वैधानिक नोटिस जारी किया गया है, जिसमें पूछा गया है कि उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। जस्टिस स्वामीनाथन ने एक दिसंबर को मंदिर प्रबंधन को आदेश दिया था कि तीन दिसंबर को कार्तिगई दीपम उत्सव के दौरान तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप प्रज्वलित करने की व्यवस्था की जाए।

तेंदुए के हमले जारी, जगंल में 1 करोड़ रुपए की भेड़-बकरियां छोड़ेगी सरकार

नागपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों में लोगों पर तेंदुओं के हमले बढ़े हैं। इस पृष्ठभूमि में अब महायुति सरकार ने तेंदुओं को खाने की तलाश में जंगल से बाहर न आने देने के लिए जंगल में ही भेड़ या बकरियां छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि इस फैसले पर आधिकारिक तौर पर मुहर नहीं लगी है, लेकिन राज्य के वन मंत्री गणेश नाइक ने कहा कि पुणे के कुछ हिस्सों में तेंदुओं को खाने के लिए भेड़ या बकरियां छोड़ी गई हैं। वह नागपुर में मीडिया से बात कर रहे थे। तेंदुओं के मानव बस्तियों में बढ़ते हमलों के बारे में वन मंत्री गणेश नाइक से सवाल किया गया।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गणेश नाइक ने कहा कि हिंसक जानवरों को जो शिकार चाहिए वह शिकार जंगल में उपलब्ध नहीं है। हमारा विचार है कि हर जिले में तेंदुओं को खाने के लिए भेड़ या बकरियों को गले में टैग लगाकर छोड़ा जाए। जैसे हर गांव में

एक नंदी होता है, उसी तरह ये भेड़-बकरियां होंगी। गणेश नाइक ने नागरिकों से अपील की कि आपके बच्चों और परिवार के सदस्यों को तेंदुए का खतरा न हो, इसलिए वन विभाग ने कुछ जगहों पर ये भेड़ें छोड़ी हैं। आप उनकी रक्षा करें।

तेंदुआ पहले एक वन्यजीव था। अब वह गन्ने का जीव बन गया है। जंगल की तुलना में गन्ने के खेत में तेंदुओं की पैदावार हो रही है। इसलिए तेंदुओं की संख्या बढ़ी है। तेंदुआ शेड्यूल 1 में आने वाला जानवर है। हमने केंद्रीय वन विभाग को प्रस्ताव भेजा है कि इसे अब शेड्यूल 2 में शामिल किया जाए। हमने वन विभाग से यह भी कहा है कि अगर तेंदुए जंगल में नहीं हैं तो उन्हें वन्यजीव के रूप में नहीं गिना जाना चाहिए। फिलहाल हमें केंद्रीय वन विभाग से तेंदुओं की कुछ हद तक नसबंदी करने की अनुमति मिल गई है। राज्य सरकार हर जंगल में तेंदुओं की समान संख्या सुनिश्चित करने की योजना बना रही है। तेंदुओं को जंगल में ही शिकार मिलना चाहिए। उन्हें गांव में आकर कुत्तों और लोगों पर हमला नहीं करना चाहिए, इसके लिए, वन विभाग प्रयास कर रहा है। इसके लिए, जंगल में भेड़ छोड़ने का प्रस्ताव विचाराधीन है। गणेश नाइक ने यह भी कहा कि इसकी शुरुआत जुन्नार, आंबेगांव, शिरूर तालुका में भी हो चुकी है।

गणेश नाइक ने कहा कि राज्य के जिन क्षेत्रों में ज्यादा तेंदुए हैं, वहां से तेंदुओं को अफ्रीका भेजने पर भी विचार किया जा रहा है। अफ्रीका में बाघ, शेर हैं, लेकिन वहां तेंदुए नहीं हैं। इसलिए हमने केंद्रीय वन विभाग से पूछा है कि अगर महाराष्ट्र के तेंदुओं को अफ्रीका भेजने की मांग की जाए तो क्या आप इस पर विचार करेंगे।

वायरल आडियो मामले में एक्शन: छुट्टी पर भेजे गए पटियाला के एसएसपी वरुण शर्मा, सुखबीर बादल ने लगाए थे आरोप

पटियाला, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पटियाला पुलिस की कथित वायरल आडियो रिकॉर्डिंग के मामले में एसएसपी वरुण शर्मा को अचानक छुट्टी पर भेज दिया गया है। उनकी जगह पर संगरूर के एसएसपी सरताज सिंह चहल पटियाला के एसएसपी का अतिरिक्त कार्यभार देखेंगे। दरअसल बीते वीरवार को शिअद प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने कान्फ्रेंस काल पर हुई एक बैठक की आडियो रिकॉर्डिंग जारी करके आरोप लगाया था कि यह बैठक पटियाला जिले के पुलिस अधिकारियों के बीच हो रही है।

इसमें एसएसपी अपने अफसरों से बात कर रहे हैं। इसमें सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेते हुए विरोधी दलों के उम्मीदवारों खास तौर से अकाली दल के प्रत्याशियों से नामांकन दाखिल करने के समय धक्केशाही करने की योजना बनाई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की ओर से कहा जा रहा है कि विरोधी उम्मीदवारों को उनके घर व गांव से लेकर नामांकन केंद्र के बाहर

ही रोका जाए। जारी किए जाने के कुछ घंटों के अंदर यह आडियो रिकॉर्डिंग वायरल हो गई थी। हालांकि पटियाला पुलिस ने सुखबीर बादल के दावे को सिरे से खारिज करते इस आडियो रिकॉर्डिंग को झूठा बताया था। इसे एआई के जरिये बनाए जाने की बात कही थी।

पुलिस अधिकारी-जहां कहीं भी अकाली मिलें, उनके नामांकन पत्र फाड़ दें। वहीं दूसरा अधिकारी कहता है कि आज पुलिस आउटवर्ड आए थे, उसके बाद हम डिवीजनल कमिश्नर के पास गए। डीआईजी, डीसी भी थे और मैं भी वहीं था व दो एसपी भी मेरे साथ थे। प्रशासन बल प्रयोग पर रोक नहीं लगाता। वे स्पष्ट हैं कि स्थानीय निकायों में ऐसा होना ही चाहिए, लेकिन उनकी नीति यह है कि जिसे निशाना बनाना है, रोकना है, उसे बाहर से ही रोक लिया जाए। उसके गांव, घर या रास्ते में ही रोक लिया जाए।

नामांकन दाखिल केंद्र पर पहुंचकर कागज न फाड़े जाएं। वह अधिकारी आगे कहता है कि कल हमारे लिए सबसे जरूरी दिन है, क्योंकि सुखबीर बादल घनौर हलके में आ सकते हैं। तीसरा अधिकारी कहता है कि हम राजनीतिक नेतृत्व से निर्देश ले रहे हैं। इसके बाद दूसरा अधिकारी फिर से बोलता है कि नीति यह है कि जिसे भी नामांकन पत्र दाखिल करने से रोकना है, उसे गांव में, घर पर या रास्ते में रोको। जैसे पहले के चुनावों में सेंटरों के अंदर कागज फाड़े थे, वह नहीं होना चाहिए। सब कुछ बाहर से ही होना चाहिए। चौथा अधिकारी कहता है कि हम एमएलए व उनकी टीम के लगातार संपर्क में हैं।

सब कुछ उसी तरह से प्लान किया गया है। पांचवां अफसर कहता है कि एमएलए के लोगों को सुबह 9 बजे का समय देंगे और पहले उनसे पर्चा दाखिल कराएंगे। दूसरा अफसर दोबारा बोलता है कि निजी तौर पर या खुद हमें जो भी पाबंदियां लगानी हैं, वह बाहर से लगानी होंगी। एमएलए को भी बताएं। जिस पर भी पाबंदी लगानी है, उसे गांव या घर में ही लगाने को कहें। जो भी धक्का-मुक्की करनी है, गांव, घर या रास्ते में करें। अगर कागज छीनने हैं, तो पांच किलोमीटर पहले छीने जाएं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 11 दिसंबर - 2025

वंदे मातरम: डेढ़ सौ वर्ष बाद भी विवाद क्यों

सुरेश गांधी

वंदे मातरम : यानी बंकिमचंद्र का यह गीत सिर्फ साहित्य नहीं था; यह एक स्वप्न था, आज़ाद भारत का स्वप्न। यह वह पुकार थी जिसने 1905 के बंग-भंग आंदोलन से लेकर जेलों में बंद क्रांतिकारियों तक, सबके भीतर अटूट ऊर्जा भरी। रवींद्रनाथ टैगोर ने जब 1896 में कांग्रेस के मंच से इसे गाया, तो मंच नहीं, पूरा आंदोलन थर्रा उठा। हजारों आंखों से एक ही साथ आंसू बहे, और अंग्रेज़ों ने पहली बार यह समझा कि भारत को हराना आसान नहीं। वंदे मातरम उस युग का शंखनाद था, जिसने क्रांतिकारियों को हथियार दिए, सत्याग्रहियों को संबल दिया और सामान्य भारतीय को राष्ट्र-चेतना से भर दिया। लेकिन...सियासतदानों की ऐसी नजर लगी, 'वंदे मातरम' का बंटवारा हो गया. इतिहास का यह पन्ना दर्द देता है।

1930 का दशक, जब भारत गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने के लिए आखिरी संघर्षों में था। उसी समय मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद अली जिन्ना ने 15 अक्टूबर 1936 को लखनऊ से वंदे मातरम् के विरुद्ध अभियान छेड़ दिया। लीग ने दावा किया कि इसके कुछ अंश 'धार्मिक' हैं और मुसलमानों के लिए अस्वीकार्य। यह दावा कितना आधारहीन था, इतिहास बताता है। इस गीत को कभी किसी समुदाय के विरुद्ध नहीं लिखा गया था। यह तो मातृभूमि की वंदना थी, उस मिट्टी की जिसके ऊपर सबका समान अधिकार है। लेकिन दुर्भाग्य यह कि इस दबाव के आगे तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व झुकता दिखा। कांग्रेस के अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू ने जिन्ना के दावों का मजबूती से प्रतिवाद करने के बजाय, गीत की जांच शुरू कर दी। यह वही दौर था जब राजनीति का

संतुलन बेहद नाज़ुक था। सत्ता की गद्दी डोलती दिख रही थी, और तुष्टीकरण की राजनीति ने धीरे-धीरे अपने पैर पसारने शुरू कर दिए थे। महात्मा गांधी के मन में वंदे मातरम को लेकर अपार सम्मान था। उनके लिए यह गीत संघर्ष का प्रतीक था, आत्मबल का प्रतीक था। वे इसे राष्ट्रगान के योग्य मानते थे, क्योंकि यह भारतीयों की वास्तविक धड़कन से निकलता है। फिर कौन सी शक्ति ऐसी थी जिसने बापू की इच्छाओं तक को पीछे धकेल दिया?यह प्रश्न आज भी इतिहास के सामने खड़ा है। नेहरू के निर्णय की वजहें अब फिर चर्चा में हैं। उनकी कई चिट्ठियां और कैबिनेट नोट आज भी उपलब्ध हैं : 21 मई 1948 : कैबिनेट नोट : नेहरू ने लिखा कि राष्ट्रीय गान ऐसा होना चाहिए जिसे सैन्य बैंड, ऑर्केस्ट्रा, और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहजता से गाया और बजाया जा सके। उनके अनुसार जन गण मन की धुन सरल थी, जबकि वंदे मातरम् की धुन "धीमी और विलाप जैसी" थी, अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए कठिन। भाषा की 'जटिलता' का भी तर्क देते हुए उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् की भाषा आम जनता के लिए कठिन है, जबकि 'जन गण मन' अपेक्षाकृत सरल है। नेहरू मानते थे कि वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम का गीत है, संघर्ष का। जबकि राष्ट्रीय गान उपलब्धि और आत्मविश्वास का प्रतीक होना चाहिए। 1948 : श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सौपे पत्र में उन्होंने दोहराया कि वंदे मातरम की धुन अंतरराष्ट्रीय धुनों के अनुकूल नहीं है। इन तर्कों के साथ नेहरू ने 'जन गण मन' को प्राथमिकता दी। लेकिन यह भी सत्य है कि वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का सम्मान मिला और संविधान सभा ने उसे भारत की राष्ट्रीय पहचान का अभिन्न हिस्सा माना।

कुछ सप्ताह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वंदे मातरम के "कुछ पदों को हटाया" और राजनीतिक कारणों से इसे विवादित रूप में प्रस्तुत किया। कांग्रेस ने इसका खंडन किया, लेकिन विवाद यहीं से फिर भड़क उठा। 150 वर्ष पूरे होने पर संसद में चल रही चर्चा इस तथ्य को फिर उजागर कर रही है कि इतिहास के किसी मोड़ पर वंदे मातरम विभाजनकारी राजनीति की बलि चढ़ गया था। जबकि यह गीत किसी जाति, धर्म या समुदाय का नहीं, सिर्फ भारत का था, और है। क्योंकि यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि चेतना है। यह स्वाभिमान की परतें खोलता है, हमें अपने भीतर झांकने के लिए मजबूर करता है। वंदे मातरम् वह चिंगारी है, जो स्वतंत्रता का पहला प्रकाश लेकर आई थी। आज भी जब युवा इसे गाते हैं, तो कहीं न कहीं वही विद्रोह, वही आत्मगौरव जाग उठता है।

यह गीत पीढ़ियों को जोड़ता है : 1882 की बंगदर्शन से लेकर 1896 के कांग्रेस मंच तक, 1905 के स्वदेशी आंदोलन से लेकर 1947 के स्वतंत्रता दिवस तक, और आज संसद के 2025 के विशेष सत्र तक, वंदे मातरम हर युग की आत्मा बना रहा। आज जब हम वंदे मातरम के 150 वर्ष मना रहे हैं, तो यह स्मरण करना आवश्यक है कि यह कोई राजनीतिक ध्वज नहीं है। यह सांस्कृतिक चेतना का वह शिखर है जिसे किसी भी विवाद से नीचे नहीं उतारा जा सकता। इस गीत ने लाखों भारतीयों को वह ऊर्जा दी, जिससे वे फांसी के तख्ते पर मुस्कुरा सके।

जिससे वे जेलों में कोड़े खाते हुए भी नहीं टूटे। जिससे वे अंग्रेज़ों के सामने निर्भीक खड़े रहे। वंदे मातरम हमें याद दिलाता है कि यह धरा, मां है। और मां की आराधना को किसी विवाद, किसी दलीय राजनीति, किसी तुष्टीकरण की राजनीति का हाथ छू भी नहीं सकता। वंदेमातरम, वह गीत है, जिसने भारत की आत्मा को आवाज़ दी. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास पढ़िए, जहाँ कहीं भी राष्ट्र-प्रेम का ज्वार उमड़ता है, वहां एक स्वर अवश्य सुनाई देता है "वंदे मातरम"।

भाषा पर ध्यान देने की जरूरत

यौन अपराधों के मामलों में अदालतों की आए दिन की असंवेदनशील टिप्पणियों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। शीर्ष अदालत ने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि वह हाई कोर्ट और ट्रायल कोर्ट के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी कर सकती है, क्योंकि ऐसी टिप्पणियां पीड़िता और उसके परिवार की गरिमा को आहत करती हैं और न्याय की लड़ाई को कमजोर करती हैं। कोर्ट का भी मानना है कि सुनवाई के दौरान अदालती टिप्पणियां केवल कागजों में दर्ज शब्द नहीं रह जातीं, बल्कि इसका पीड़िता और उसके परिवार पर भी व्यापक असर पड़ता है। इस तरह की टिप्पणियों पर कई बार न्याय की लड़ाई भी कमजोर पडने लगती है। बता दें कि इसी साल मार्च महीने में इलाहाबाद हाई कोर्ट की तरफ से एक इसी तरह की टिप्पणी आई थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस मामले में सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि वह हाई कोर्ट और ट्रायल कोर्ट के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट की चिंता इसलिए भी जायज है, क्योंकि इस तरह की टिप्पणियां बार-बार सामने आने लगी हैं। यहां तक कि मौजूदा केस शुरू होने के बाद भी इलाहाबाद हाई कोर्ट और छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में इसी तरह के मामले हुए हैं, जो गरिमा के अनुकूल कदापि नहीं हैं। आज यौन अपराधों को केवल कानून की नजर से ही नहीं, बल्कि मानवीय आधार से भी देखे जाने की जरूरत है। इस तरह की टिप्पणियों से पीड़िता और उसके परिवार की क्या मानसिक स्थिति होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। ज्यादातर मामलों में समाज का भी जबर्दस्त दबाव होता है। ऐसे में जब अदालतों से असंवेदनशील कमेंट्स आते हैं, तो पीड़िता और उनके परिवार की गरिमा का आहत होना स्वाभाविक है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जिस तरह से कानून की व्याख्या की थी, उससे बचा जा सकता था। महिलाओं के साथ होने वाला अपराध केवल कानून की व्याख्या तक सीमित नहीं है। अदालतों से बाहर निकली हर बात समाज पर अपना गहरा असर छोड़ती है। इनका इस्तेमाल अपराध की गंभीरता को कम करने में भी किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि कई बार इन्हीं तरीकों से पीड़िता को शिकायत वापस लेने के लिए मजबूर किया जाता है, न्याय तंत्र की खामी बताता है। बता दें कि कई बार ऐसे मौके आए हैं जब सुप्रीम कोर्ट ने भारत की महिलाओं को सशक्त करने वाले कई ऐतिहासिक फैसले दिए हैं। आधी आबादी को कार्यस्थलों पर मिली सुरक्षा हो, ट्रिपल तलाक से मुक्ति हो या फिर उत्तराधिकार में बराबरी का हक - देश की न्याय व्यवस्था ने महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। ऐसे में उसी के किन्हीं अंगों में महिलाओं से जुड़े मामलों के प्रति संवेदनहीनता दिखाना अच्छा नहीं लगता। अब समय आ गया है, जब निचली अदालतें भी अपनी यह जिम्मेदारी समझें कि यौन अपराधों से जुड़े मामलों में कानून की समझ के साथ भाषा और दृष्टिकोण को भी संतुलित रखा जाए ताकि किसी भी महिला व परिवार की गरिमा को ठेस न पहुंचे।

मोदी मॉडल का नया अध्याय

प्रो. आरके जैन

कोविड-19 के गहरे ज़ख्मों से दुनिया अभी भी पूरी तरह नहीं उबर पाई है, लेकिन इसी दौर में नरेंद्र मोदी सरकार ने एक ऐसा ऐतिहासिक फैसला लिया है जिसने साबित कर दिया कि भारत अब सिर्फ परिस्थितियों का जवाब नहीं देता—बल्कि आने वाले समय की दिशा तय करता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश किया गया 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025' इसी दूरदर्शी सोच का सशक्त उदाहरण है। यह विधेयक किसी सामान्य कर सुधार से कहीं अधिक है; यह एक रणनीतिक बदलाव है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय सुरक्षा का चौथा स्तंभ घोषित करता है।

पान मसाला जैसे हानिकारक उत्पादों पर 40 प्रतिशत क्षमता-आधारित सेस लागू करके सरकार हर वर्ष करीब छह हजार करोड़ रुपये का एक विशेष कोष तैयार करेगी—एक ऐसा कोष, जो प्रत्यक्ष रूप से महामारी-नियंत्रण, 'वन हेल्थ' मिशन, वैक्सीन उत्पादन और रक्षा-आधुनिकीकरण जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को सशक्त बनाने में खर्च होगा। यही है मोदी सरकार की नीतिगत सोच का असली दर्शन—'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जीवंत अभिव्यक्ति—जहाँ समाज को हानि पहुँचाने वाले उत्पादों से प्राप्त कर का उपयोग उन क्षेत्रों को मजबूत करने में किया जाता है, जो राष्ट्र को दीर्घकाल में अधिक सुरक्षित, समर्थ और आत्मनिर्भर बनाते हैं।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह हर छोटे-बड़े संकट को भी एक व्यापक राष्ट्रीय अवसर में बदल देने की अद्भुत क्षमता रखती है। कोविड की भयावहता और वैश्विक अराजकता के बीच जब पूरी दुनिया वैक्सीन के लिए बेचैन और असहाय खड़ी थी, तब भारत ने न केवल स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि 200 से अधिक देशों तक जीवनरक्षक टीके पहुँचाकर अपनी मानवीय नेतृत्व-भूमिका को सिद्ध किया। आज वही सरकार उस अमूल्य ऐतिहासिक अनुभव को एक स्थायी, संस्थागत और भविष्य-निर्माण करने वाली संरचना में परिवर्तित कर रही है। यह नया फंड भारत को 'फ्यूचर-रेडी' बनाने की दिशा में उठाया गया सबसे निर्णायक और दूरदर्शी कदम है।

जूनोटिक रोगों की सतत निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियाँ, बायोसेफ्टी लेवल-3 लैब्स का नेटवर्क, और वन हेल्थ मिशन के तहत पशु–मानव–पर्यावरण का समन्वित ढांचा—इन सभी रणनीतिक क्षमताओं को अब स्थायी वित्तीय समर्थन मिलेगा, जिससे इनकी गति कई गुना बढ़ेगी। भारत अब इतनी मजबूत तैयारी कर रहा है कि कोई भी आने वाली महामारी हमें पहले जैसा नुकसान नहीं पहुँचा सकेगी। यह वास्तव में आत्मनिर्भर भारत का स्वास्थ्य संस्करण है—जहाँ हम केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक दक्षिण के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल के रूप में उभर रहे हैं।

सबसे प्रशंसनीय है सरकार का यह नैतिक साहस। पान मसाला और गुटखा जैसे हानिकारक उत्पादों को 'डिमेरिट गुड्स' मानकर उनसे ही स्वास्थ्य फंड जुटाने का निर्णय सचमुच एक साहसिक और दूरदर्शी कदम है। यही वही नीति-दृष्टि है जिसने स्वच्छ भारत में प्लास्टिक सेस से स्वच्छता कोष बनाया और पेट्रोल-डीजल पर सेस से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया। आम आदमी पर एक पैसा अतिरिक्त बोझ नहीं, फिर भी हर साल अरबों रुपये का स्थायी फंड—यही है मोदी सरकार की 'लक्ष्मी मॉडल' अर्थव्यवस्था, जहाँ पाप से पुण्य का धन निकाला जाता है।

विपक्ष जितना भी शोर करे, तथ्य स्पष्ट हैं—यूपीए के समय सेस जीडीपी का 7% था, आज 6.1% है; अर्थात कम सेस में अधिक काम, यही सरकार की असली दक्षता है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर यह विधेयक भी एक वास्तविक गेम-चेंजर है। निर्मला सीतारमण ने कारगिल की याद दिलाते हुए सही कहा कि बजट की कमी ने कभी सेना को कमजोर नहीं किया।

ट्रम्प की चावल की धमकी का क्या होगा असर

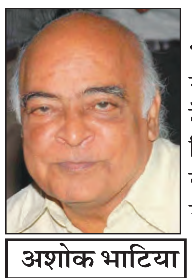

अशोक भाटिया

इस साल ट्रंप ने भारत से आने वाले सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए थे, जिसका हवाला उन्होंने व्यापार बाधाओं और ऊर्जा खरीद से जुड़े मुद्दों का दिया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह भारत का दौरा करने वाला है ताकि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि कोई बड़ा समझौता होने की संभावना कम है। ट्रंप ने कनाडा के साथ भी व्यापारिक तनाव बढ़ाया है, जहां उन्होंने उर्वरकों पर 'बहुत कड़े टैरिफ' लगाने की बात कही ताकि अमेरिकी उत्पादन को बढ़ावा मिले।

इसी सिलसिले में ट्रंप ने भारत पर सस्ते चावल की 'डंपिंग' का आरोप लगाते हुए नए टैरिफ लगाने का संकेत भी दिया है। इससे भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव बढ़ सकता है। अमेरिकी किसान सस्ते आयात से नुकसान की शिकायत कर रहे हैं, जबकि ट्रंप ने कनाडाई खाद पर भी कड़े टैरिफ की धमकी दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी किसानों को 12 अरब डॉलर के आर्थिक सहायता पैकेज की घोषणा की, जो उनकी ही लगाई गई टैरिफ नीतियों से प्रभावित हुए हैं। इस बीच, ट्रंप ने व्हाइट हाउस मीटिंग में किसानों से कहा, ₹वो लोग डंपिंग नहीं कर सकते।।। ऐसा नहीं कर सकते।₹ उन्होंने विशेष रूप से भारत, वियतनाम और थाईलैंड से आने वाले सस्ते चावल आयात को अमेरिकी चावल उत्पादकों के लिए खतरा बताया। किसान संगठनों के अनुसार, इन आयातों से अमेरिकी चावल की कीमतें गिर रही हैं, जिससे स्थानीय उत्पादक परेशान हैं। ट्रंप ने वादा किया कि वह इस 'डंपिंग' को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएंगे, जिसमें नए टैरिफ शामिल हो सकते हैं।

दूसरी ओर, ट्रंप की टैरिफ नीतियां अमेरिकी किसानों को ही नुकसान पहुंचा रही हैं। चीनी व्यापार युद्ध के कारण चीन ने अमेरिकी सोयाबीन और ज्वार की खरीद कम कर दी है, जिससे किसानों को लगातार नुकसान हो रहा है। अमेरिकी सोयाबीन एसोसिएशन के अनुसार, 2025 में सोयाबीन किसान तीसरे साल लगातार घाटे में हैं। टैरिफ से बीज और उर्वरक की कीमतें भी बढ़ गई हैं। फूड एंड एग्रीकल्चरल पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुमान से 2026 में किसानों की कुल आय में 30 अरब डॉलर से अधिक की कमी आ सकती है।

12 अरब डॉलर के पैकेज की घोषणा इसी संदर्भ में हुई है। ट्रंप ने कहा, ₹हम टैरिफ से मिली आय का एक छोटा हिस्सा किसानों को आर्थिक सहायता के रूप में दे रहे हैं। हम अपने किसानों से प्यार करते हैं।₹ इसमें से 11 अरब डॉलर नए 'फार्मर ब्रिज असिस्टेंस' कार्यक्रम के तहत रो क्रॉप किसानों (जैसे सोयाबीन उत्पादक) को दिए जाएंगे, जो व्यापार विवादों और बढ़ती लागतों से प्रभावित हैं। शेष एक अरब डॉलर के आवंटन पर अभी विचार चल रहा है। इस साल किसानों को पहले ही आपदा राहत और आर्थिक सहायता के रूप में 40 अरब डॉलर की सब्सिडी मिल चुकी है।

ट्रंप प्रशासन का दावा है कि चीन के साथ हालिया समझौते से स्थिति सुधरेगी, जिसमें बीजिंग ने साल के अंत तक 1।2 करोड़ मीट्रिक टन अमेरिकी सोयाबीन खरीदने का वादा किया है। अगले तीन सालों के लिए यह मात्रा सालाना 2।5 करोड़ मीट्रिक टन तक बढ़ाई जाएगी, हालांकि 2025 में अब तक केवल एक छोटा हिस्सा ही खरीदा गया है।

ट्रंप के किसान समर्थक वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए यह पैकेज राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। किसान संगठनों ने सहायता का स्वागत किया है, लेकिन लंबे समय तक टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए व्यापार समझौतों की मांग की है। भारत सरकार ने अभी तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन व्यापार मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, दिल्ली वार्ताओं में मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ₹डंपिंग₹ का मतलब है कि कोई देश अपनी वस्तु को दूसरे देश में उसकी घरेलू कीमत या उत्पादन लागत से बहुत कम दाम पर बेचता है। चावल की डंपिंग से तात्पर्य है कि भारत जैसे देश अमेरिका में चावल को इतना सस्ता बेच रहे हैं कि अमेरिकी किसान अपना उत्पादन बेच भी नहीं पाते। नतीजा यह होता है कि अमेरिकी बाजार में विदेशी चावल का हिस्सा तेजी से बढ़ जाता है और स्थानीय किसानों की कमाई घट जाती है या वे घाटे में चले जाते हैं। भारत पर डंपिंग का आरोप इसलिए लग रहा है चूँकि भारत में चावल पैदा करने की लागत दुनिया में सबसे कम है – एक टन गैर-बासमती चावल की लागत मात्र 15-18 हजार रुपये (लगभग 180-220 डॉलर) पड़ती है, जबकि अमेरिका में यही लागत 38-45 हजार रुपये (450-550 डॉलर) तक होती है। इसका कारण है – सस्ती मजदूरी, मुफ्त/सब्सिडी वाली बिजली, भारी सब्सिडी वाले खाद-बीज और सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर बड़े पैमाने पर खरीद। सरकार इतना चावल खरीद लेती है कि किसान को बाजार की चिंता नहीं रहती। फिर यह चावल निर्यातकों के पास जाता है और दुनिया में जितना भी दाम मिले, बेच दिया जाता है – अक्सर अमेरिकी किसानों की लागत से भी कम में। खासकर टूटा चावल (ब्रोकन राइस) और निम्न श्रेणी का सफेद चावल अमेरिका में बीयर बनाने, पालतू जानवरों के खाने और प्रोसेस्ड फूड में इस्तेमाल होता है, जिसकी कीमत 2025 में 350-380 डॉलर प्रति टन तक गिर गई है।

दरअसल विश्व व्यापार संगठन के नियमों में डंपिंग तभी अवैध मानी जाती है जब आयात करने वाला देश साबित कर दे कि (1) निर्यात मूल्य घरेलू मूल्य या उत्पादन लागत से कम है, (2) इससे स्थानीय उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है, और (3) नुकसान का सीधा कारण वही सस्ता आयात है। अमेरिका ने पहले भी भारत के चावल पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है, लेकिन ज्यादातर मामलों में भारत बच जाता है क्योंकि टूटा चावल की घरेलू कीमत तुलना करना मुश्किल होता है और भारत कहता है कि हमारी सब्सिडी किसानों के लिए है, निर्यात के लिए नहीं। फिर भी 2025 में अमेरिकी किसानों का गुस्सा इतना बढ़ गया है कि ट्रंप ने नए टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यही वजह है कि इसे ₹चावल डंपिंग₹ का मामला कहा जा रहा है।यह घटनाक्रम वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता को बढ़ा रहा है, खासकर कृषि क्षेत्र में। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से न केवल विदेशी संबंध प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी दबाव पड़ रहा है। भारतीय चावल निर्यातकों ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय चावल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावित कार्रवाई पर उद्योग जगत में कोई बड़ी चिंता नहीं है।

मानवाधिकार दिवस: संकल्प समानता, न्याय और गरिमा का

बाबूलाल नागा

हर वर्ष 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक औपचारिक दिवस नहीं बल्कि उन मूल्यों की याद है जो हर इंसान को सहज रूप से मिलने चाहिए—सम्मान, समानता, स्वतंत्रता और न्याय। दुनिया में सभी को समानता का अधिकार मिले, इस दुनिया में जो भी है, सभी समान रूप से जीने का अधिकार रखते हैं। इसलिए हर साल मानवाधिकारों की पैरवी के लिए यह दिन मनाया जाता है। यह दिन 1948 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा की याद में मनाया जाता है, जिसने पहली बार पूरी दुनिया के सामने यह सिद्धांत रखा कि अधिकार किसी सरकार की देन नहीं, बल्कि हर इंसान का जन्मसिद्ध हक हैं। 10 दिसंबर 1948 को पहली बार संयुक्त राष्ट्र संघ ने मानवाधिकारों को अपनाने की घोषणा की। आधिकारिक तौर पर इस दिन की घोषणा साल 1950 को हुई। भारत के संविधान ने मानवाधिकार की गारंटी दी। हमारे देश में 28 सितंबर 1993 से मानवाधिकार कानून अमल में आया। सरकार ने 12 अक्टूबर को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। मानवाधिकार दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना है। मानवाधिकारों में स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और शिक्षा का अधिकार भी शामिल हैं। मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि के आधार पर प्रताड़ित और उन्हें इन हकों से वंचित नहीं किया जा सकता। सभी व्यक्तियों को गरिमा और अधिकारों के मामले में जन्मजात स्वतंत्रता और समानता प्राप्त है।

मानवाधिकार दिवस मनाने को लेकर हर साल संयुक्त राष्ट्र द्वारा परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए एक थीम तय की जाती है। वर्ष 2021 में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना, मानवाधिकारों को आगे बढ़ाना रखी गई थी। वर्ष 2022 की थीम गरिमा, स्वतंत्रता और सभी के लिए न्याय रखी गई, यानी सभी लोग स्वतंत्र और समान हैं और उन्हें गरिमा और मानव अधिकारों के साथ जीने का अधिकार है। हर किसी को जीवन जीने, स्वतंत्रता और सुरक्षा का अधिकार है या फिर एक दूसरे के प्रति सदैव भाईचारे का व्यवहार करें।' वर्ष 2023 मानवाधिकार दिवस की थीम सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय रखी गई थी। मानवाधिकार दिवस 2024 का विषय हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, अभी एक प्रभावशाली और बेहतर भविष्य के लिए अभी कानूनों को जानने और उनका पालन करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। मानवाधिकार दिवस 2025 का विषय मानवाधिकारः हमारे रोजमर्रा के आवश्यक तत्व रखा गया है। इस वाक्य का तात्पर्य है कि मानवाधिकार कोई अलग या विशेष परिस्थितियों में लागू होने वाली अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारी दैनिक जीवन का मूल हिस्सा हैं। जैसे भोजन, पानी, हवा, शिक्षा, सम्मान और स्वतंत्रता—ये सब वैसे ही आवश्यक हैं जैसे जीवन का मूल आधार।

भारतीय संविधान में भी मानवाधिकारों के महत्व को पहचाना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,21,23,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के लिए हैं। तृतीय अध्याय में कुछ मौलिक अधिकारों की गारंटी भी दी है। ये हैः समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार। अनुच्छेद 32 संवैधानिक उपचारों से संबंध है।

बच्चों के कल्याण के लिए यूनिसेफ से बढ़ती उम्मीदें

यूनिसेफ की स्थापना के 79 वर्ष

योगेश गोयल

- संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। उस समय इसे 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड' के नाम से जाना जाता था। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से 'अंतर्राष्ट्रीय' तथा 'आपातकालीन' (इमरजेंसी) शब्दों को हटा दिया गया। 1953 में यूनिसेफ के संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन जाने के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड' (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) कर दिया गया लेकिन मूल संक्षिप्त नाम 'यूनिसेफ' को बरकरार रखा गया। यूनिसेफ का गठन करने में पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉश्मन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है, जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है।

अपनी स्थापना के बाद के इन 79 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए यूनिसेफ आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध, आपदा, घोर गरीबी, हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है।

1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब हमारे यहां यह नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्य कर रही है। बाल विकास और पोषाहार, बाल संरक्षण, शिक्षा, बाल पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चे और एड्स, सामाजिक नीति, नियोजन, निगरानी एवं मूल्यांकन, हिमायत और भागीदारी, आचरण परिवर्तन संदेश, आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग के अलावा यूनिसेफ द्वारा दुनियाभर में मौजूद अनेक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ मिलकर बच्चों को पानी, स्वच्छता, इंफेक्शंस आदि के लिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं। यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह संस्था 49 से भी अधिक देशों में एचआईवी/एड्स से बचाव की लड़ाई में निरन्तर कार्यरत है।

यूनिसेफ का 36 सदस्यों का कार्यकारी दल इसके कार्यों की देखरेख करता है, इसकी नीतियां बनाता है तथा यूनिसेफ के वित्तीय एवं प्रशासनिक योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान करता है। यूनिसेफ का अधिकांश कार्यक्षेत्र 190 देशों अथवा क्षेत्रों में मौजूद है।

150 से अधिक देशों के कार्यालय, मुख्यालय और यूनिसेफ के नेटवर्क से जुड़े अन्य कार्यालय तथा 34 राष्ट्रीय समितियां मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से यूनिसेफ के मिशन को पूरा करते हैं। सात क्षेत्रीय कार्यालय आवश्यकतानुसार सभी देशों में स्थित कार्यालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं।

भगवान जगन्नाथ ने जब बजरंगबली को बेड़ियों से बांधा

ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ का मंदिर है. ये मंदिर बहुत प्रसिद्ध है. इस मंदिर में जगत के पालनहार भगवान विष्णु श्री जगन्नाथ जी के रूप में विराजमान हैं. इस मंदिर में हर साल रथ यात्रा निकाली जाती है. श्री जगन्नाथ मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक फैली है. इस मंदिर के पास ही एक स्थान के पास बेड़ी हनुमान मंदिर है।

हनुमान जी का ये मंदिर भी काफी प्रसिद्ध है. इस बेड़ी हनुमान मंदिर की कथा श्री जगन्नाथ मंदिर से संबधित है. चलिए जानते हैं इस बारे में. एक पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार देवी-देवता भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी धाम पहुंचे. उनके साथ मनुष्य और गंधर्व भी भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए आए. समुद्र देव के मन भी भगवान के दर्शन की इच्छा जागी. इसके बाद वो भी मंदिर में प्रवेश कर गए।

श्री जगन्नाथ मंदिर में समुद्र कर गया प्रवेश

इस कारण मंदिर और भक्तों को काफी समस्या उठानी पड़ी. तब भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी को आदेश दिया कि वो पुरी धाम की रक्षा करें. भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी को समुद्र के किनारे तैनात कर दिया. कुछ समय तक हनुमान जी ने अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाई, लेकिन जब भी हनुमान जी के कानों में भगवान राम का भजन और किर्तन पड़ता तो वह तुरंत ही उस स्थान पर चले जाते. ऐसे में जैसे ही समुद्र को अवसर मिला वो मंदिर में प्रवेश कर गया।

भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी को बेड़ियों से बांधा

इसके बाद भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी को लोहे की बेड़ियों से बांध दिया. उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि समुद्र मंदिर में प्रवेश न कर पाए और हनुमान जी पुरी धाम की रक्षा करते रहे. इन बेड़ियों को दंड के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि ये कर्तव्य और भक्ति के बंधन को दर्शाती हैं. आज इस स्थान पर बेड़ी हनुमान मंदिर स्थापित है. इस मंदिर की भी प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैली है।

इस मंदिर को लोग दरिया महावीर मंदिर के नाम से भी जानते हैं. श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान के दर्शन के लिए आने वाले भक्त इस मंदिर में दर्शन के लिए भी जरूर करते हैं।

प्रयागराज का वो मंदिर जहां भक्तों की पूरी होती है मनोकामना

प्रयागराज को तीर्थों का राजा कहा जाता है। त्रिवेणी की अविरल धारा श्रद्धालुओं को आस्था से भर देती है। देश के कोने-कोने से लोग यहां संगम (गंगा, यमुना और सरस्वती) में डुबकी लगाने आते हैं। तीर्थनगरी प्रयागराज की पावन यमुना तट पर महादेव का दिव्य मनोकामना मंदिर स्थित है। मनकामेश्वर मंदिर आस्था, इतिहास और दिव्यता का अद्भुत संगम है।

मान्यता है कि सच्चे मन और सच्ची भक्ति से महादेव की पूजा करने पर श्रद्धालु की सारी मनोकामना पूरी होती है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही श्रद्धालु का मन भक्ति से भर जाता है। सावन मास में भक्तों की यहां बहुत भीड़ होती है। यमुना तट पर स्थित होने के कारण रुद्राभिषेक का बेहद महत्व है। कहा जाता है सावन और महाशिवरात्रि में इस मंदिर में रुद्राभिषेक करने से महादेव सारी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम ने माता सीता की मनोकामना पूर्ण करने के लिए यहां शिवलिंग की स्थापना किया था। तभी से यह स्थान सिद्धपीठ के रूप में विख्यात हुआ। भक्त यहां अपनी हर मनोकामना पूरा करने के लिए विश्वास लेकर आते हैं। आज भी इस पावन धाम में शिव की अलौकिक आभा और कृपा का अनुभव होता है, जो भक्तों के जीवन को सुख, शांति और आध्यात्मिक आनंद से भर देती है।

मंदिर परिसर में मनकामेश्वर शिव के अलावा सिद्धेश्वर और ऋणमुक्तेश्वर महादेव के शिवलिंग भी विराजमान हैं। भोलेनाथ के अलावा बजरंगबली की दक्षिणमुखी मूर्ति भी है।

कैसे पहुंचे

यह मंदिर प्रयागराज के नैनी पुल के समीप है। प्रयागराज जंक्शन से आपको ऑटो और ई-रिक्शा मिल जाएगी। यहां सरस्वती पार्क का आनंद ले सकते हैं। यमुना तट पर नौका विहार का भी लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही स्नैक्स के लिए कैफे भी है। इसके अलावा आप संगम से भी ऑटो या ई-रिक्शा बुक कर के भी आ सकते हैं।

अपनी चीजें केवल अपने लिए न रखें,उन्हें अन्य जरूरतमंद लोगों के साथ भी बांटें

हम व्यक्ति, वस्तु, पदार्थ, दृश्य और घटनाओं को भोगने की वृत्ति से बचें। जीवन में उपभोग नहीं, उपयोग की भावना होनी चाहिए। भोग आत्मकेंद्रित है, जबकि योग समर्पण का मार्ग है। जब हम सब कुछ केवल अपने लिए चाहते हैं, तो ये मेरा-मेरा की प्रवृत्ति है। शास्त्र कहते हैं- इदं न मम यानी ये सब सिर्फ मेरा नहीं है। महापुरुषों की शिक्षा है कि जो कुछ भी हमारे पास है, उसमें दूसरों का भी हिस्सा है। इसलिए जीवन में भोग करने की नहीं, बांटने की प्रवृत्ति अपनाएं। जीवन में भोग नहीं, सही उपयोग की भावना होनी चाहिए। अपनी चीजें केवल अपने लिए न रखें, उन्हें जरूरतमंद लोगों के साथ भी बांटें।

समस्याओं से छुटकारा दिलाएगा जायफल का शक्तिशाली उपाय

आर्थिक परेशानियों और लोन की चिंता आज हर किसी के जीवन में देखने को मिलती है। बढ़ती महंगाई और अनियमित खर्चों के कारण लोगों को अक्सर धन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में केवल मेहनत या योजनाओं पर निर्भर रहना ही पर्याप्त नहीं होता। माना जाता है कि कुछ प्राकृतिक और वास्तु उपाय आपकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। इनमें से एक प्रभावशाली उपाय है जायफल का प्रयोग। जायफल का उपयोग न केवल खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है, बल्कि इसे ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में सौभाग्य, धन और मानसिक शांति लाने वाला माना गया है। कहा जाता है कि यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने में सहायक होता है। इसके नियमित प्रयोग से मन शांत रहता है, निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और आर्थिक बाधाओं में कमी आती है।

-सौभाग्य का प्रतीक: जायफल को धन और सफलता लाने वाला माना जाता है।

-सकारात्मक ऊर्जा: यह घर और कार्यस्थल में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है।

-मानसिक शांति: मानसिक तनाव कम करने में मदद करता है, जिससे निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है।

-धन बाधाओं को कम करना: माना जाता है कि जायफल का प्रयोग आर्थिक परेशानियों को कम करता है।

पहला उपाय: कपूर के साथ जलाना

सबसे पहले ताजगी भरा जायफल लें।

गुरुवार या शुक्रवार के दिन इसे एक साफ कटोरी में रखें।

इसके साथ थोड़ी मात्रा में कपूर मिलाकर इसे साबुत जलाएं।

धुएं को घर के सभी कोनों में घुमाएं, जिससे सकारात्मक ऊर्जा घर में फैल सके।

इसके बाद कुछ जायफल को अपनी तिजोरी या पैसे रखने वाली जगह पर रखें।

चाहें तो ऑफिस की तिजोरी में भी यह उपाय कर सकते हैं, जिससे वहां की आर्थिक रुकावटें कम हो सकती हैं।

इस उपाय से न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है, बल्कि आर्थिक परेशानियों में भी कमी दिखाई देने लगती है।

दूसरा उपाय: लाल कपड़े में पोटली बनाना

कुछ जायफल लेकर इसे लाल कपड़े में पोटली के रूप में बांध लें।

इस पोटली को तिजोरी, कैश बॉक्स या पैसे रखने की जगह पर रखें।

चाहें तो इसे अपने पर्स में भी रखा जा सकता है।

नियमित रूप से इस पोटली के पास ध्यान दें और इसे साफ रखें।

यह उपाय विशेष रूप से धन वृद्धि और आर्थिक रुकावटों को कम करने के लिए कारगर माना जाता है।

उपाय करते समय ध्यान देने योग्य बातें

-उपाय करने का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। गुरुवार और शुक्रवार को ही इस उपाय को करना लाभदायक होता है।

-उपाय करते समय मन शांत और सकारात्मक विचारों से भरा होना चाहिए।

-प्रयोग के बाद जायफल और कपूर को सही तरीके से रखें ताकि इसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहे।

-उपाय नियमित रूप से करें, ताकि आर्थिक समस्याओं में सुधार महसूस हो।

आज के समय में, जब हर व्यक्ति लोन और आर्थिक दबाव से जूझ रहा है, ऐसे उपाय आपके जीवन में शांति और वित्तीय स्थिरता ला सकते हैं।

जन्म का दिन बताता है ग्रहों का प्रभाव किस दिन जन्मे लोग किस ग्रह से होते हैं प्रभावित ?

रविवार – सूर्य का असर

रविवार को जन्म लेने वाले लोग ऊर्जा, नेतृत्व और तेज व्यक्तित्व से पहचाने जाते हैं। सूर्य को शक्ति और आत्मबल का प्रतीक माना जाता है। ऐसे लोग आत्मविश्वासी होते हैं और हर काम में आगे रहना पसंद करते हैं। इनमें आदेश देने और परिस्थिति को संभालने की क्षमता स्वाभाविक होती है। इनका आकर्षण और मजबूत पहचान इन्हें भीड़ में अलग बनाती है। ये अपने लक्ष्य को लेकर बहुत साफ रहते हैं और सम्मान पाना इन्हें अच्छा लगता है।

सोमवार चंद्रमा का असर

सोमवार को जन्मे लोगों की पहचान उनका भावुक और संवेदनशील स्वभाव है। चंद्रमा मन और कल्पना का प्रतीक है, इसलिए ये लोग जल्दी भावुक हो जाते हैं लेकिन दिल के बहुत साफ होते हैं। इनके भीतर दूसरों की मदद करने और घर-परिवार से गहरा जुड़ाव रखने की सहज भावना होती है। कला, संगीत और रचनात्मक कामों में ये खूब चमकते हैं।

मंगलवार मंगल का असर

मंगलवार को जन्म लेने वाले लोग जोश, साहस और तेज निर्णय क्षमता के लिए जाने जाते हैं। मंगल ऊर्जा का प्रतिनिधि है इसलिए ये लोग मेहनती और निडर होते हैं। एक बार लक्ष्य तय कर लें तो उसे पूरा करने तक रुकते नहीं। खेल, फौज, फिटनेस और मशीनों से जुड़े कामों में ये बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

बुधवार बुध का असर

इस दिन जन्मे लोग दिमाग, बात-चीत और समझदारी में आगे होते हैं। इन्हें सीखना अच्छा लगता है और नई बातों को जल्दी समझ लेते हैं। बुध व्यापार और सोच का ग्रह माना जाता है, इसलिए ऐसे लोग लिखने-पढ़ने, बातचीत, गणना और जानकारी जुटाने में माहिर होते हैं। पत्रकारिता, शिक्षा, मार्केटिंग या व्यापार इनकी पसंदीदा दिशा हो सकती है।

गुरुवार बृहस्पति का असर

गुरुवार को जन्मे लोग सकारात्मक सोच, भरोसा और सीख देने वाले स्वभाव के होते हैं। बृहस्पति को ज्ञान और बढ़त का संकेत माना जाता है। ऐसे लोग दिल के उदार, सलाह देने में अच्छे और सही-गलत को समझने वाले होते हैं। समाज में सम्मान कमाते हैं। शिक्षा, कानून, सलाह और मार्गदर्शन जैसे क्षेत्रों में खूब आगे बढ़ते हैं।

शुक्रवार शुक्र का असर

शुक्रवार को जन्म लेने वाले लोग सुंदर चीजों, कला और रिश्तों को खास महत्व देते हैं। इनके पास आकर्षण और रचनात्मक सोच का प्राकृतिक गुण होता है। संगीत, सजावट, फैशन और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में ये खूब नाम कमा सकते हैं। ये रिश्तों को संभालने और प्यार से जुड़ी बातों को समझने में भी निपुण होते हैं।

शनिवार शनि का असर

शनिवार को जन्मे लोग गंभीर, मेहनती और जिम्मेदार स्वभाव के होते हैं। शनि को कर्म और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है। ऐसे लोग धीरे-धीरे लेकिन पक्के कदमों से आगे बढ़ते हैं। जीवन में सफलता देर से मिल सकती है, पर मजबूत और स्थायी होती है। इंजीनियरिंग, विज्ञान, सामाजिक सेवा या कानून इनके लिए अच्छे क्षेत्र माने जाते हैं।

सत्यवती के चलते ही देवव्रत को भीष्म पितामह कहा गया

तब दासराज ने शर्त रखी कि अगर आप मेरी बेटी के गर्म से पैदा पुत्र को ही अपनी राजा की गद्दी सौपेंगे तो मैं इसका विवाह आपके साथ कर सकता हूं। शांतनु वचन नहीं दे पाए और राजधानी लौट आए। हालांकि इसके बाद वह उदास रहने लगे। जब उनके पुत्र देवव्रत को इसका पता लगा तो वह खुद मछुआरे के घर गए और वचन दिया कि ना तो मैं आजीवन विवाह करूंगा तो इस वजह से मेरा कोई पुत्र भी नहीं होगा जो सत्यवती के बेटों की राह में आएगा।

देवव्रत की इसी प्रतिज्ञा पर उन्हें भीष्म पितामह कहा जाने लगा। अब सत्यवती का विवाह राजा शांतनु से हुआ। फिर सत्यवती के दो बेटे चित्रागंद और विचित्रवीर्य हुए। चित्रागंद की युद्ध में मृत्यु हो गई तो विचित्रवीर्य भी कुछ सालों बाद बीमारी से चल बसे। उनकी दो रानियां थीं। अंबिका और अंबालिका। दोनों बहनें थीं। दोनों बहनों का नियोग महर्षि व्यास से कराया गया, जिससे फिर पांडु और धृतराष्ट्र ने बेटों के रूप में जन्म लिया।

क्या है नियोग और इसको महर्षि व्यास ने क्यों किया

आप ये सोच रहे होंगे कि ये नियोग क्या होता है और इस नियोग को महर्ष व्यास से ही क्यों कराया गया। प्राचीन समय नियोग मनुस्मृति में पति द्वारा संतान उत्पन्न न होने पर या पति की अकाल मृत्यु की अवस्था में ऐसा उपाय था, जिसके अनुसार स्त्री अपने देवर अथवा सम्गोत्री से गर्भाधान करा सकती थी।' अब ये सत्यवती ने महर्षि व्यास से क्यों कराया, ये भी जानते हैं।

विचित्रवीर्य के बगैर किसी संतान के मृत्यु हो जाने पर सत्यवती ने जब अंबिका और अंबालिका का नियोग कराने की बात की तो उन्होंने व्यास को बुलाया। उसी समय उन्होंने भीष्म को बताया कि व्यास भी उनके बेटे हैं। इसके बारे में भी जानिए

सत्यवती के शरीर से पहले मछली जैसी गंध आती थी। मत्स्यगंधा नाव से लोगों को यमुना पार कराती थी। एक दिन ऋषि पाराशर वहां पहुंचे। ऋषि को यमुना पार जाना था। वे मत्स्यगंधा की नाव में बैठ गए। इसी दौरान उन्होंने सत्यवती से कहा कि वह उसके जन्म से परिचित हैं और उससे एक पुत्र की कामना करते हैं। और जब सत्यवती ने स्वीकृति दी तो कुछ समय बाद सत्यवती ने पाराशर ऋषि के पुत्र को जन्म दिया।

जन्म लेते ही वह बड़ा हो गया। वह द्वैपायन नाम द्वीप पर तप करने चला गया। द्वीप पर तप करने और इनका रंग काला होने की वजह से वे कृष्णद्वैपायन के नाम से प्रसिद्ध हुए। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया और महाभारत ग्रंथ की रचना की।

ऋषि पाराशर के वरदान से मत्स्यगंधा के शरीर से मछली की दुर्गंध खत्म हो गई। इसके बाद वह सत्यवती के नाम से प्रसिद्ध हुई। और इस तरह ये वंश महाभारत की लड़ाई तक जा पहुंचा पांडु के पांच बेटे थे, जो पांडव कहलाए और धृतराष्ट्र के सौ पुत्र हुए जो कौरव कहलाए लेकिन पांडव और कौरवों में कभी नहीं बनी, बाद में इन दोनों के बीच महाभारत का युद्ध हुआ। तो अब समझ गए होंगे कि किस तरह सत्यवती के जन्म के साथ महाभारत की कहानी की शुरुआत होती है। बाद में सत्यवती ने संन्यास लेकर जंगल की ओर कूच किया। वहीं उनका निधन हो गया। **(समाप्त)**

करीना कपूर को था अक्षय खन्ना के ऊपर क्रश

अक्षय खन्ना इन दिनों अपनी नई फिल्म 'धुरंधर' की वजह से सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनका खतरनाक डकैत रहमान का किरदार और वायरल एंट्री डांस लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। इसी बीच करीना कपूर का एक पुराना वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे खुलकर अक्षय खन्ना को अपना क्रश कहती नजर आ रही हैं।

करीना का क्रश

साल 2004 में फिल्म 'हलचल' के प्रमोशन के दौरान करीना ने कहा था, 'मैंने अक्षय की फिल्म 'हिमालयपुत्र' कम से कम 20 बार देखी है। उस समय मैं स्कूल में थी और अक्षय खन्ना सभी लड़कियों के क्रश थे। मैं भी उनके पीछे पूरी तरह पागल थी।'

कैसे इंसान हैं अक्षय?

करीना ने आगे कहा, 'अक्षय बहुत प्यारे, मनमोहक और बेहतरीन इंसान हैं। वे शानदार अभिनेता हैं। हॉलीवुड जाने के लिए सबसे परफेक्ट इंसान वही हैं। वह बहुत क्यूट हैं।"

साथ काम कर चुके हैं अक्षय और करीना

फिल्म 'हलचल' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। यह मलयालम फिल्म 'गॉडफादर' का हिंदी रीमेक थी। इस फिल्म में अक्षय खन्ना और करीना कपूर के अलावा सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, अमरीश पुरी, और परेश रावल ने अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में दो दुश्मन परिवारों के बीच की कॉमेडी दिखाई गई है।

अक्षय खन्ना और करीना का वर्कफ्रंट

2025 की शुरुआत में अक्षय ने फिल्म 'छावा' में औरंगजेब का किरदार निभाकर सभी को हैरान कर दिया। बहरहाल, अक्षय अब फिल्म 'धुरंधर' में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय खलनायक बने हैं। अक्षय खन्ना फिल्म 'महाकाली' में शुक्राचार्य के रोल में नजर आएंगे। फिल्म से उनका लुक पहले ही वायरल हो चुका है। इसके अलावा, करीना कपूर खान फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार करेंगी। इस फिल्म में करीना के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है।

कौन हैं माहिका शर्मा? जिनके आने से बदल गई हार्दिक पांड्या की जिंदगी

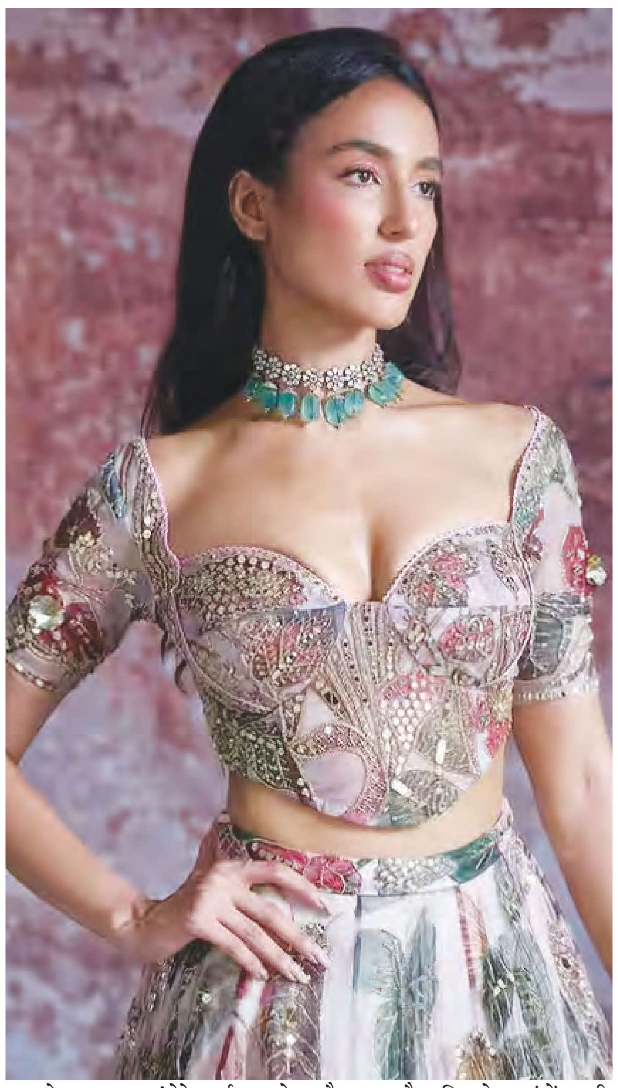

भारतीय स्टार क्रिकेटर हार्दिक पांड्या इन दिनों फिरसे सुर्खियों में हैं। क्योंकि एक ओर उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में शानदार प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी ओर हार्दिक अपने रिलेशनशिप को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। हार्दिक पांड्या इन दिनों माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं। कुछ वक्त पहले माहिका के साथ अपने रिलेशनशिप को कंफर्म करने के बाद हार्दिक अपनी लेडी लव पर प्यार जताने का कोई मौका नहीं छोड़ते।

मंगलवार को खेले गए साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 मुकाबले के बाद हार्दिक ने इशारों-इशारों में माहिका पर प्यार जताते हुए कहा, 'मेरे पार्टनर को खास धन्यवाद। जब से वह मेरी जिंदगी में आई हैं, तब से मेरी जिंदगी में बहुत अच्छी चीजें हो रही हैं।' इसके बाद माहिका ने भी बीसीसीआई के वीडियो पर रिएक्ट किया और कमेंट में लिखा, 'तुम्हारे जैसा कोई नहीं मेरे राजा'। इससे पहले हार्दिक ने माहिका की गलत तरीके से फोटो खींचने पर पैपराजी को भी फटकार लगाई थी। हार्दिक और माहिका एक-दूसरे पर प्यार जताने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

दिल्ली से माहिका ने की पढ़ाई

माहिका शर्मा एक मॉडल और अभिनेत्री हैं, जो अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फैशन और फिटनेस कंटेंट भी बनाती हैं। लिंकडिन प्रोफाइल के मुताबिक, माहिका ने अपनी स्कूली शिक्षा नई दिल्ली के नेवी चिल्ड्रन स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने इकॉनोमिक्स और फाइनेंस की पढ़ाई की। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद माहिका ने कई जगह इंटर्नशिप भी की है।

म्यूजिक वीडियो और फिल्मों में किया काम

पढ़ाई पूरी करने के बाद माहिका ने मॉडलिंग और एक्टिंग की ओर रुख किया। उन्होंने एक फ्रीलांसर के रूप में अपना करियर शुरू किया। इसके बाद वो रैपर रागा के लिए एक म्यूजिक वीडियो में दिखाई दीं और बाद में फिल्मों में भी उन्होंने कई छोटी भूमिकाएं निभाईं। इनमें ऑस्कर विजेता डॉक्यूमेंट्री निर्देशक ऑरलैंडो वॉन आइन्सिडेल की 'इनटू द डस्क' और ओमंग कुमार की 'पीएम नरेंद्र मोदी' (2019) भी शामिल है। इसमें वो विवेक ओबेरॉय के साथ नजर आई थीं। इसके अलावा वो कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में भी नजर आ चुकी हैं।

कई मशहूर फैशन डिजाइनर्स के लिए किया वॉक

एक्टिंग के अलावा माहिका ने फैशन में भी काफी अच्छा काम किया है। उन्होंने कई मशहूर फैशन डिजाइनर के लिए वॉक किया है। इनमें अनीता डोंगरे, रितु कुमार, तरुण तहिलियानी, मनीष मल्होत्रा और अमित अग्रवाल जैसे प्रमुख डिजाइनरों के नाम शामिल हैं। उनके काम के लिए उन्हें 2024 के इंडियन फैशन अवार्ड्स में मॉडल ऑफ द ईयर (न्यू एज) का पुरस्कार भी मिला। वो एले मैग्जीन द्वारा मॉडल ऑफ द सीजन भी रह चुकी हैं।

योगा टीचर भी हैं माहिका

माहिका के इंस्टाग्राम अकाउंट के मुताबिक, वह अभी 24 साल की हैं। 2023 में उन्होंने अपने 22वें जन्मदिन के जश्न की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिससे पता चलता है कि वह अब 24 साल की हो गई हैं। वह एक सर्टिफाइड लीन सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट भी हैं और एक ट्रेंड योगा टीचर भी हैं।

इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय हैं माहिका

माहिका इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 35.5 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स भी हैं। वो अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं।

ऐसे शुरू हुईं हार्दिक और माहिका के अफेयर की चर्चाएं

माहिका और हार्दिक के अफेयर की चर्चाएं तब शुरू हुईं जब एक वीडियो सामने आया, जिसमें लोगों ने ऐसे कयास लगाए कि माहिका की फोटो के पीछे हार्दिक पांड्या भी दिख रहे हैं। इसके अलावा माहिका ने अपनी उंगलियों पर 23 लिखे हुए भी एक वीडियो शेयर किया था। 23 हार्दिक का जर्सी नंबर है। इसके बाद हार्दिक ने इसी साल अक्तूबर में अपने 32वें जन्मदिन से ठीक पहले माहिका के साथ तस्वीरें शेयर कर अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। इसके बाद से दोनों एक-दूसरे पर प्यार लुटाते रहते हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर के शुरुआती दौर को किया याद

मुंबई पहुंचते ही प्रियंका चोपड़ा ने दी कपिल शर्मा को चुनौती, कॉमेडी शो में बनेंगी मेहमान!

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में अपने शुरुआती करियर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब वो नई-नई अभिनेत्री थीं, तो वो बहुत महत्वाकांक्षी थीं और कोई भी काम मिलता था तो हां कह देती थीं।

बहुत लालची थी

प्रियंका ने अबू धाबी के ब्रिज समिट के दौरान कहा, 'मैं अपने करियर के शुरुआती दौर में बिल्कुल चुनिंदा नहीं थी। जो काम मिलता, कर लेती थी क्योंकि काम मिलना अपने आप में बड़ी बात होती है। मैं अपने 20 के दशक में बहुत लालची थी। हर दिन काम करना चाहती थी।'

सफलता के लिए किए कई त्याग

प्रियंका ने बताया कि सफलता के लिए उन्होंने बहुत त्याग किए। प्रियंका ने कहा, 'मैंने जन्मदिन नहीं मनाए, दिवाली-क्रिसमस नहीं मनाए, और परिवार के साथ समय नहीं बिताया। जब मेरे पापा अस्पताल में थे, तब भी मैं उनके पास नहीं रह सकी। उस उम्र में मुझे इतनी मेहनत करनी पड़ी ताकि आज मैं वह जिंदगी जी सकूं, जो मैं आज जी रही हूं।'

प्रियंका को किस बात की है खुशी?

प्रियंका को आज इस बात की खुशी है कि उन्हें अपनी की हुई मेहनत का फल मिला है। उन्होंने कहा, 'आज मेरे पास ये लग्जरी है कि मैं फिल्मों को चुन सकती हूं कि कब हां (फिल्म) कहना है और कब ना। अगर मैंने तब इतनी मेहनत न की होती तो आज ये आजादी न मिलती। इसलिए मैं खुद को बहुत-बहुत थैंक यू कहती हूं।'

प्रियंका का वर्कफ्रंट

फिलहाल, प्रियंका इन दिनों निर्देशक राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू नजर आएंगे। हाल ही में उनकी हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' रिलीज हुई थी। 026 में उनकी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होगी।

बेटी के जन्म के बाद कियारा आडवाणी की सोशल मीडिया पर वापसी, फैंस हुए एक्साइटेड

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी बेटी साराया मल्होत्रा को जन्म देने के बाद पहली बार इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें पोस्ट की है। उन्होंने अपनी बेस्ट फ्रेंड के साथ नाइट आउट की स्टाइलिश फोटोज शेयर कीं। ये तस्वीरें उनकी शानदार वापसी का संकेत हैं।

कियारा का पोस्ट

कियारा ने इंस्टाग्राम पर नारंगी रंग की ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इस पोस्ट के साथ कियारा ने कैप्शन में लिखा, 'मम्माज नाइट आउट...'। कियारा की इन तस्वीरों पर उनके फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं।

फैंस के कमेंट्स

कियारा की इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस बहुत खुश हैं और कमेंट्स कर अपनी राय पेश कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'हमारी 'की' वापस आ गई', एक और फैन ने लिखा, 'साराया की प्यारी मम्मी', एक और फैन ने लिखा, 'वाह, पुरानी कियारा वापस लौट आई।'

बेटी का नाम रखा सरायाह मल्होत्रा

कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई 2025 को बेटी का स्वागत किया। उन्होंने बेटी के छोटे-छोटे ऊनी मोजों की फोटो शेयर कर नाम बताया- 'साराया मल्होत्रा'। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'हमारी प्रार्थनाओं से, हमारी गोद में, हमारी राजकुमारी साराया मल्होत्रा।'

कियारा-सिद्धार्थ की लव स्टोरी

कियारा और सिद्धार्थ पहली बार 'लस्ट स्टोरीज' की पार्टी में मिले थे। साल 2021 में फिल्म 'शेरशाह' में साथ काम किया, जहां उनकी केमिस्ट्री को बहुत पसंद किया गया। 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के जैसलमेर में शादी की। फैंस अब कियारा की आने वाली फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं। कथित तौर पर कियारा कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आ सकती हैं।

कौन हैं 'कांतारा चैप्टर 1' फेम रुक्मिणी वसंत? एक साल में दीं तीन बड़ी हिट

साउथ इंडियन सिनेमा में इन दिनों जिस अभिनेत्री का नाम तेजी से चर्चा में है, वो हैं रुक्मिणी वसंत। 'कातांरा चैप्टर 1' में उनके प्रभावशाली किरदार ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया, वहीं वह 29 साल की हो गई हैं। कम समय में रुक्मिणी ने अपनी सादगी, अभिनय की गहराई और मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस से इंडस्ट्री में अलग पहचान बना ली है।

सैन्य परिवार से कला की दुनिया तक का सफर

रुक्मिणी वसंत का जन्म एक अनुशासित परिवार में हुआ। उनके पिता कर्नल वसंत वेंगोपल भारतीय सेना के जांबाज अधिकारी थे और कर्नाटक से अशोक चक्र पाने वाले पहले सैनिक थे। साल 2007 में जम्मू-कश्मीर के उरी में ड्यूटी के दौरान उनका निधन हो गया। पिता की वीरता और अनुशासन ने रुक्मिणी के व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। वहीं उनकी मां सुभाषिनी वसंत एक जानी-मानी भरतनाट्यम नृत्यांगना रही हैं और बाद में सैनिक विधवाओं के लिए काम करने वाली संस्था से जुड़ीं। कला और संवेदनशीलता का यही संगम रुक्मिणी के अभिनय में भी साफ नजर आता है।

थिएटर में भी कर चुकीं काम

रुक्मिणी सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रहीं। उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखने के लिए लंदन स्थित रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट (RADA) से प्रशिक्षण लिया। थिएटर बैकग्राउंड होने की वजह से उनके अभिनय में ठहराव, भावनात्मक गहराई और संयम नजर आता है, जो उन्हें भीड़ से अलग बनाता है।

इन फिल्मों से बदली किस्मत

भले ही उन्होंने साल 2019 में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की, लेकिन असली पहचान उन्हें 'सप्ता सागरदाचे एलो' से मिली। इस फिल्म में उनके किरदार की भावनात्मक परतों ने दर्शकों को भीतर तक छू लिया। इसके बाद 'दिल मद्रासी', 'बघीरा' और अब 'कातांरा चैप्टर 1' जैसी फिल्मों ने उन्हें साउथ सिनेमा की भरोसेमंद अदाकारा बना दिया। एक ही साल में तीन बड़ी हिट देकर रुक्मिणी ने साबित कर दिया कि वह लंबी रेस की खिलाड़ी हैं।

बहुभाषी फिल्मों में मजबूत पकड़

रुक्मिणी वसंत की खासियत यह है कि वह कन्नड़, तमिल, तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में सहज हैं। यही वजह है कि वह मल्टी-लैंग्वेज फिल्मों में भी आसानी से फिट हो जाती हैं। 'कातांरा चैप्टर 1' में उनका योद्धा अवतार दर्शकों के लिए खास आकर्षण बना।

निजी जिंदगी में बेहद सादगी

चमक-दमक से दूर रुक्मिणी किताबें पढ़ना, स्केच बनाना और कविताएं लिखना पसंद करती हैं। वह हमेशा जमीन से जुड़ी रहना चाहती हैं और अपने काम से बोलने में विश्वास रखती हैं।

अभिनेत्री की आने वाली फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो रुक्मिणी जल्द ही यश की 'टॉक्सिक' और जूनियर एनटीआर की फिल्म 'ड्रैगन' में नजर आएंगी। 'केजीएफ' और 'सालार' फेम निर्देशक प्रशांत नील की 'ड्रैगन' को लेकर दर्शकों में पहले से ही जबरदस्त उत्साह है।

कृतिका कामरा ने कन्फर्म किया रिश्ता? क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर को कर रहीं डेट

वो कहते हैं न कि धुआं वहीं से उठता है, जहां कोई चिंगारी लगी होती है। पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री कृतिका कामरा और टेलीविजन प्रजेंटेटर गौरव कपूर के रिलेशनशिप को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। अब अंततः आज कृतिका ने इन चर्चाओं पर मोहर लगा दी और गौरव कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया। कृतिका ने एक पोस्ट के जरिए अपने रिश्ते को कंफर्म किया है।

बुधवार को कृतिका ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में कृतिका और गौरव दोनों नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों साथ में ब्रेकफास्ट करते और कॉफी पीते भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कृतिका ने कैप्शन में सिर्फ 'ब्रेकफास्ट विद' लिखा है। जाहिर है कि गौरव कपूर का यूट्यूब पर एक शो भी है 'ब्रेकफास्ट विद गौरव कपूर', जिसमें वो क्रिकेट सेलेब्स के साथ बातचीत करते हैं। इन तस्वीरों में कृतिका और गौरव की सेल्फी भी है। साथ ही एक वीडियो भी है, जिसमें दोनों के कॉफी मग पर बेबी लिखा हुआ है।

कृतिका और गौरव के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर महीनों से अफवाहें चल रही हैं। खासकर मुंबई में दोनों को साथ देखे जाने के बाद, इनके अफेयर की चर्चाएं बी-टाउन के गलियारों में जोरों पर थीं। लेकिन कपल अपने रिश्ते को छिपाए हुए था। कई बार कपल को बांद्रा के मशहूर रेस्टोरेंट में खाना खाते और अपने दोस्तों के साथ समय बिताते देखा गया था। हालांकि, दोनों ने पहले इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। लेकिन अब कृतिका ने अपनी इस पोस्ट के जरिए अपने रिश्ते को लगभग कंफर्म कर दिया है। इसके बाद अब सारी अटकलें खत्म हो गई हैं।

कृतिका कामरा के करियर की बात करें तो उन्होंने अपनी शुरुआत टेलीविजन की दुनिया से की थी। वो 'कितनी मोहब्बत है', 'कुछ तो लोग कहेंगे' और 'रिपोर्टर्स' जैसे हिट शोज में नजर आईं। यहां से उन्हें काफी पॉपुलर्टी भी मिली। इसके बाद उन्होंने वेब सीरीज और फिल्मों की दुनिया में कदम रखा, जहां से वो लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो गईं। कृतिका 'तांडव' (2021), 'बंबई मेरी जान' (2023) और 'भीड़' (2023) जैसी फिल्मों व वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं। कृतिका मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बरेली की रहने वाली हैं। वह नई दिल्ली के एनआईएफटी में फैशन कम्युनिकेशन की छात्रा रही हैं।

सर्दी के मौसम में हर महिला के पास होनी चाहिए इन शेड्स की लिपस्टिक

सर्दियों का मौसम न सिर्फ ठंड और हवा लेकर आता है, बल्कि ये महिलाओं के मेकअप स्टाइल में भी बदलाव लेक आता है। इस मौसम में हल्के और गर्म शेड्स वाली लिपस्टिक का ट्रेंड सबसे ज्यादा रहता है। गहरे और वार्म टोन वाली लिपस्टिक चेहरे को गर्माहट और ग्लैमरस लुक देती है।

चाहे ऑफिस में हों या दोस्तों के साथ पार्टी, सही शेड आपकी पर्सनैलिटी और स्किन टोन के अनुसार लुक को और आकर्षक बनाता है। ये बात आपको अच्छे से समझनी चाहिए कि सही शेड का चयन चेहरे को फ्रेश और चमकदार बनाता है और ठंड के मौसम में रूखी त्वचा पर भी परफेक्ट फिट रहती है। तो अब आइए जानें, सर्दियों में कौन-कौन से लिपस्टिक शेड्स आपको इस सीज़न में सबसे बेहतरीन लुक देंगे।

डीप रेड

डीप रेड शेड्स ठंडी हवा में चेहरे को ग्लैमरस और एलिगेंट लुक देते हैं। यह शेड पार्टी, डिनर या किसी भी फेस्टिव अवसर के लिए परफेक्ट है। यह हर स्किन टोन पर खूबसूरती से सूट करता है और लुक को बोल्ड बनाता है।

बेरी शेड्स

बेरी शेड्स गहरे पर्पल या प्लम रंग के होते हैं। ये शेड्स खास मौकों और शाम की पार्टियों के लिए बेहतरीन हैं। इस शेड के साथ आपका लुक ड्रामेटिक और स्टाइलिश लगता है।

ब्राउन टोन लिपस्टिक

ब्राउन टोन लिपस्टिक ऑफिस, मीटिंग या कैजुअल आउटिंग के लिए उपयुक्त हैं। यह शेड हल्का, सिंपल और रोजमर्रा के लुक में भी आकर्षण जोड़ता है।

गहरे गुलाबी शेड्स

गहरे गुलाबी शेड्स फ्रेश और यंग लुक के लिए अच्छे हैं। यह शेड कॉलेज, ब्रंच या दोस्तों की मीटिंग में परफेक्ट रहता है।

न्यूड और कॉपर शेड्स

न्यूड और कॉपर शेड्स रोजमर्रा के लुक और ब्राइट स्किन टोन पर शानदार दिखते हैं। न्यूड शेड हल्का लुक देता है, जबकि कॉपर शेड ग्लोइंग और स्टाइलिश लुक देता है।

ये टिप्स हैं काम की

लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाने और होंठों की शेप को बेहतर दिखाने के लिए लिप लाइनर का इस्तेमाल करना चाहिए। यह शेड को फिक्स करता है और फैलने नहीं देता।

सर्दियों में होंठ अक्सर रूखे और क्रैक हो जाते हैं। मॉइश्चराइजिंग लिपस्टिक इन्हें मुलायम और हाइड्रेटेड रखती है।

मैट लिपस्टिक बोल्ड और क्लासी लुक देती है, जबकि सैटिन फिनिश हल्का, ग्लोइंग और नैचुरल लुक के लिए अच्छा है।

टिप्स के तौर पर, सर्दियों में लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को एक्सफोलिएट और मॉइश्चराइज करना चाहिए। दिन और रात के अनुसार शेड चुनें। पार्टी और फोटोग्राफी के लिए ग्लॉसी फिनिश इस्तेमाल की जा सकती है।

35 के बाद गर्भधारण में आती हैं समस्याएं

मां बनना हर स्त्री के जीवन का सबसे खास मौका होता है। ये एक परिवर्तनकारी अनुभव होता है लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर की जैविक घड़ी धीरे काम करने लगती है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में करियर, स्थिरता और व्यक्तिगत लक्ष्यों के कारण कई महिलाएं देर से मातृत्व की ओर बढ़ रही हैं। भारतीय परिवारों में मातृत्व में हो रही देरी पर परिवार की चिंता स्पष्ट दिखने लगती है।

अधिकतक परिवारों में शादी के बाद से ही बच्चे के लिए दबाव बनाया जाने लगता है और देरी न करने की हिदायत दी जाती है। अक्सर कहते सुना होगा कि उम्र निकल जाएगी, या ज्यादा उम्र में बच्चे करने में समस्या होगी? लेकिन सवाल यही है कि क्या मां बनमे की कोई सही उम्र होती है? खासकर 35 के बाद क्या गर्भधारण वाकई कठिन हो जाता है?

दरअसल, मां बनने की सही उम्र स्वास्थ्य पर निर्भर करती हैं। 35 की उम्र में गर्भधारण करना शरीर का एक संकेत है कि अब ध्यान और जिम्मेदारी से ज्यादा चाहिए। साथ ही जिस तरह की लाइफस्टाइल लोगों की हो रही है, सेहत के लिहाज से महिलाओं को अधिक पोषण और देखभाल की जरूरत होती है। आइए जानते है कि स्वास्थ्य दृष्टि से मां बनने की सही उम्र क्या है और अगर आप 35 के बाद या देर से बच्चा चाहती हैं तो ये कितना संभव है व क्या सावधानी बरतने की जरूरत है।

मां बनने की आदर्श उम्र क्या मानी जाती है?

चिकित्सकीय दृष्टि से 20 से 30 वर्ष की आयु गर्भधारण के लिए सबसे सुरक्षित और स्वाभाविक रूप से अनुकूल मानी जाती है। इस उम्र में

अंडाणुओं की गुणवत्ता बेहतरीन होती है।

प्रजनन क्षमता उच्च होती है।

गर्भधारण जल्दी और स्वाभाविक रूप से संभव होता है।

गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं कम होती हैं।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि 30 के बाद या 35 के बाद मां बनना जोखिमपूर्ण या असंभव हो जाता है। आज लाखों महिलाएं 35, 38 यहां तक कि 40 के बाद की उम्र में भी स्वस्थ गर्भावस्था का अनुभव कर रही हैं। दीपिका पादुकोण 38 की उम्र तो वहीं कटरीना 42 की उम्र में मां बनीं। इसके लिए बस थोड़ी जागरूकता और डॉक्टर की सतर्क निगरानी जरूरी है।

35 के बाद गर्भधारण में क्यों आती हैं चुनौतियां?

आयु बढ़ने के साथ महिला के शरीर में कुछ प्राकृतिक जैविक परिवर्तन आते हैं, जैसे

अंडाणुओं की संख्या और गुणवत्ता में कमी

जन्म से ही अंडाणुओं का भंडार सीमित होता है। 35 के बाद अंडाणुओं की क्वालिटी कम होने लगती है, जिससे गर्भधारण की संभावना थोड़ी घट सकती है।

क्रोमोसोमल समस्याओं का जोखिम बढ़ना

उम्र बढ़ने पर भ्रूण में क्रोमोसोमल असमानताएं होने का खतरा बढ़ सकता है, जिससे गर्भपात या जन्मजात समस्याएं संभव हैं।

गर्भावस्था में जटिलताएं बढ़ सकती हैं

उच्च रक्तचाप, गेस्टेशनल डायबिटीज, प्री-एक्लेम्पसिया और समय से पहले डिलीवरी जैसी समस्याओं का जोखिम 35 के बाद बढ़ता है, लेकिन आधुनिक इलाज और नियमित जांच के साथ इन्हें अच्छी तरह नियंत्रित किया जा सकता है।

फर्टिलिटी घट सकती है

40 की उम्र के बाद प्राकृतिक गर्भधारण की संभावना काफी कम हो जाती है। कई बार IVF या अन्य विकल्पों की जरूरत पड़ सकती है।

35 के बाद भी स्वस्थ गर्भधारण कैसे संभव है?

प्रीकॉन्सेप्शन काउंसलिंग बेहद जरूरी

गर्भधारण की योजना बनाने से पहले महिलाओं को डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। चिकित्सक ब्लड टेस्ट, हार्मोन लेवल, पेल्विक एग्ज़ाम, अंडाणु रिज़र्व (AMH टेस्ट) जैसे टेस्ट की सालह देते हैं। इनसे आपको अपनी फर्टिलिटी स्थिति का सही अंदाजा मिलता है।

फॉलिक एसिड लें

गर्भधारण से 3 महीने पहले ही फॉलिक एसिड शुरू करना चाहिए। इससे न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट का खतरा कम होता है।

लाइफस्टाइल सुधारें

अगर आप मां बनने की योजना बना रही हैं तो सबसे जरूरी है कि जीवनशैली बदलें। धूम्रपान और शराब से दूरी बना लें। भरपूर नींद लें, मेडिटेशन से तनाव कम करें, संतुलित पोषण लें और योग व हल्का व्यायाम करें। 35 के बाद शरीर को अधिक देखभाल चाहिए। इसे अनदेखा न करें।

नियमित प्रेगनेंसी चेकअप्स अनिवार्य

गर्भधारण के बाद अधिक निगरानी की जरूरत होती है। हर 4 हफ्ते की जांच, स्क्रीनिंग और सोनोग्राफी गर्भावस्था को सुरक्षित बनाती है। अक्सर 35 की उम्र के बाद वाली गर्भवस्था को हाई रिस्क पर रखा जाता है ताकि डॉक्टर अधिक सतर्कता बरत सकें।

चेयर योग है बुजुर्गों के लिए फिटनेस का सबसे सुरक्षित तरीका! आज से शुरू करें

उम्र बढ़ना स्वाभाविक है। यह जीवन चक्र का एक जरूरी अध्याय है। जैसे जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर कमजोर होता जाता है।शरीर का लचीलापन कम होना, संतुलन खोना और धीरे धीरे ऊर्जा में कमी आना आदि ये बढ़ती उम्र के लक्षण हैं। बुजुर्ग चलने फिरने में कमजोरी महसूस करते हैं। उनके जोड़ों में दर्द बढ़ जाता है, जिसके कारण उठना बैठना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में योग से बुजुर्ग इन शारीरिक लक्षणों को कम कर सकते हैं।

हालांकि बुजुर्गों के लिए हर तरह के योग कर पाना भी आसान नहीं होता है। योगाभ्यास के दौरान शरीर का मुद्राएं ऐसी होती हैं जिसके अभ्यास के लिए बुजुर्ग संतुलन नहीं बना पाते हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए चेयर पोज वरदान है। जो बुजुर्ग फिट रहना चाहते हैं लेकिन भारी-भरकम व्यायाम या योगासन करने में कठिनाई महसूस करते हैं, चेयर योग उनके लिए असरदार आसन है।

चेयर योग यानी कुर्सी पर बैठकर किया जाने वाला योग सुरक्षित है, सरल है और हर उम्र, वजन तथा स्वास्थ्य स्थिति में किया जा सकता है। यह व्यायाम सिर्फ शारीरिक लाभ नहीं देता, बल्कि मन को शांत कर तनाव और अवसाद को भी कम करता है।

चेयर योग के फायदे

ये जोड़ों की समस्या में भी किया जा सकने वाला योग है, जो घुटने, कमर या पीठ दर्द में भी आसानी से किया जा सकता है।

इस आसन में गिरने का खतरा कम होता है, क्योंकि इसमें बैठे बैठे योग करना होता है, जिससे गिरने की आशंका लगभग खत्म हो सकती है।

इस योगके अभ्यास में मेहनत कम लगती है और ज्यादा सेहत प्रदान होती है।

इस आसन से दिल और दिमाग दोनों को फायदा मिलती है। श्वास अभ्यास से ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है।

चेयर योग के प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

इस आसन से मांसपेशियों में लचीलापन बढ़ता है। शरीर में अकड़न कम होती है औरर चलने-फिरने में आसानी लगती है।

नियमित अभ्यास से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। साथ ही हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है।

चेयर योग से तनाव और चिंता कम होती है। जिससे मानसिक शांति मिलती है और अच्छी नींद आती है।

संतुलन और कॉर्डिनेशन में सुधार होने के साथ ही गिरने की आशंका कम रहती है।

जो लोग जोड़ों के दर्द या पीठ में दर्द से परेशान रहते हैं, उन्हें आसन से राहत मिलती है और दर्द कम रहता है।

बुजुर्गों के लिए आसान चेयर योग

अभ्यास के लिए हमेशा सख्त और मजबूत कुर्सी का उपयोग करें। पहियों वाली कुर्सी न लें।

सिटेड माउंटेन पोज

इसमें कुर्सी पर बैठकर पर्वतासन का अभ्यास किया जाता है। इस आसन को करने के लिए पीठ सीधी, कंधे ढीले रखें। गहरी सांस लें और धीरे- धीरे छोड़ें।

नेक स्ट्रेचेज

इस आसन में गर्दन को स्ट्रेच करना होता है। इसके लिए किसी मजबूत कुर्सी पर आराम से बैठ जाएं। अब गर्दन को दाएं-बाएं और ऊपर से नीचे झुकाकर स्ट्रेचिंग करते हुए तनाव कम करें।

कंधे घुमाना

इस क्रिया को शोल्डर रोल्स कहते हैं, जिसमें कंधों को आगे और पीछे घुमाकर जमाव हटाते हैं।

सीटेड स्पाइनल ट्विस्ट

इस क्रिया से कमर की हड्डियों को लचीला बनाया जाता है। ये आसन पाचन में सुधार लाता है।

सिटेड मार्चिंग

इसके अभ्यास के लिए कुर्सी पर बैठकर दोनों पैरों को हल्का हल्का उठाना होता है। ये आसन पैरों की मांसपेशियों को सक्रिय रखता है।

एंकल सर्कल्स

यह पैरों और एड़ी में रक्त प्रवाह बेहतर करता है। इसमें एड़ियों को सर्कुलर मोशन में घुमाया जाता है।

कितनी देर करें अभ्यास

इन आसनों का अभ्यास दिन में 15 से 20 मिनट तक करना चाहिए। सप्ताह में 4 से 5 दिन अभ्यास करने से असर दिखाई देता है। हालांकि बुजुर्गों को धीरे-धीरे अभ्यास का समय बढ़ाना चाहिए। हर आसन को सहज रूप से और बिना जोर दिए करें।

अभ्यास के दौरान सावधानियों

हृदय रोगी, हाई बीपी के मरीज या सर्जरी के बाद इन आसनों का अभ्यास डॉक्टर की सलाह के बाद ही करें।

अगर दर्द या चक्कर आए तो तुरंत रुक जाएं। ऐसी स्थिति में योगाभ्यास नहीं करना चाहिए।

बुजुर्ग सांस रोककर कोई आसन न करें।

ध्यान रखें कि शरीर में पानी की कमी न होने दें।

35 के बाद भी जवान रहने के पांच 'मंत्र', पालन कर लिए तो हमेशा दिखेंगे जवां

उम्र बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन आप कितने 'जवां' दिखते हैं और महसूस करते हैं, यह पूरी तरह से आपकी दैनिक आदतों पर निर्भर करता है। 35 की उम्र के बाद, शरीर की कोशिकाएं और मेटाबॉलिज्म धीरे-धीरे बदलना शुरू कर देते हैं, जिसके लिए जीवनशैली में कुछ बदलाव करना जरूरी हो जाता है।

अगर हम अपनी दिनचर्या में कुछ सरल और विज्ञान-आधारित नियमों को शामिल कर लें, तो हम न केवल शारीरिक रूप से फिट रह सकते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं। ये आदतें लंबी उम्र, बेहतर संज्ञानात्मक कार्य और बीमारियों से बचाव की गारंटी देती हैं। इन्हीं महत्वपूर्ण आदतों के बारे में ब्रिटेन के फेमस डॉक्टर आमिर खान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करके बताया है। उन्होंने 35 के बाद हर व्यक्ति के लिए पांच नियमों को पालन करने का सुझाव दिया है, जिसके आपको भी जानना चाहिए।

सुबह की रोशनी लें

डॉ. खान के अनुसार, सुबह जल्दी उठकर प्राकृतिक रोशनी लेना बहुत आवश्यक है। सुबह की रोशनी सीधे हमारी सर्केडियन रिदम यानी शरीर की आंतरिक घड़ी को नियंत्रित करती है। यह मेलाटोनिन (नींद का हार्मोन) के उत्पादन को रोकती है और दिन की शुरुआत के लिए आवश्यक हार्मोन के उत्पादन को बढ़ाती है। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता सुधरती है और आप दिनभर अधिक सतर्क महसूस करते हैं।

रोज VO2 मैक्स को बढ़ाएं

मैक्स (अधिकतम ऑक्सीजन उपयोग क्षमता) आपके हृदय स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक है। इसे बढ़ाने के लिए रोजाना थोड़ी देर तेज इंटेंसिटी वाली कसरत करें। 20-30 सेकंड के लिए तेज दौड़ना या सीढ़ियां चढ़ना जैसी गतिविधियां करें। ये छोटी लेकिन तीव्र कसरत न केवल फेफड़ों की क्षमता, बल्कि हृदय की कार्यक्षमता को भी बेहतर बनाती है, जिससे आप लंबे समय तक जवां बने रहते हैं।

अपना ब्लड प्रेशर जानें

डॉ. खान जोर देते हैं कि 35 के बाद नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर जांचते रहें। हाई ब्लड प्रेशर को भी 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, क्योंकि इसके कोई लक्षण नहीं होते। ब्लड प्रेशर की जानकारी होने से आप हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने के लिए समय पर जीवनशैली में बदलाव या चिकित्सा उपचार शुरू कर सकते हैं।

अपने संतुलन का ट्रेनिंग करें

उम्र के साथ संतुलन बिगड़ने लगता है, जिससे गिरने का खतरा बढ़ जाता है। अपने न्यूरोमस्कुलर सिस्टम को एक्टिव रखने के लिए रोज एक पैर पर खड़े होने या योग जैसे अभ्यास करें। इससे चोट लगने का जोखिम कम होता है और तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियों के बीच बेहतर समन्वय बना रहता है।

मांसपेशियां और हड्डियां बनाएं

35 के बाद मांसपेशियों का नुकसान और हड्डियों का घनत्व कम होना शुरू हो जाता है। इससे बचने के लिए रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (जैसे वजन उठाना या पुश-अप्स) बहुत जरूरी है। यह न केवल मांसपेशियों को मजबूत करता है, बल्कि यह हड्डियों के घनत्व को बनाए रखने में भी मदद करता है, जिससे आप शारीरिक रूप से मजबूत और फुर्तीले बने रहते हैं।

दिसंबर में बर्फ ही बर्फ! भारत की इन जगहों पर करीब से देखें बर्फीले पहाड़

दिसंबर का महीना अपने साथ सिर्फ सर्दी लेकर नहीं आता, बल्कि रोमांस, खूबसूरती और बर्फबारी भी लेकर आता है। इस महीने में ठंडी हवा का स्पर्श, पहाड़ों पर दूरी तक फैली सफेद बर्फीली चादर मन को सम्मोहित करने के लिए पर्याप्त होती हैं। असली सर्दी तो वहीं होती है, जहां आसमान से रूई के फाहों सी बर्फ गिरती है। भले ही इस महीने में ठंडक बढ़ जाती है लेकिन अगर आपको बर्फबारी देखने का मन है तो कुछ खास स्थलों पर जाना बेहतर होगा।

कुछ पहाड़ी स्थलों पर दिसंबर के आखिरी और जनवरी फरवरी में बर्फबारी होती है तो कुछ जगहों पर सीजन की पहली बर्फबारी अब शुरू होने वाली है। अगर दिसंबर में बर्फबारी देखने का मन बेसब्र है, तो भारत की ये जगहें आपके दिल को ठंडक और सफर को गर्माहट दोनों देंगी।

भारत की बेहतरीन जगहें जहाँ दिसंबर में होती है बर्फबारी

मनाली, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश का लोकप्रिय हिल स्टेशन मनाली दिसंबर में घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यहां बर्फ और रोमांस का क्लासिक मेल देखने को मिलता है। मनाली की बर्फबारी कभी फैशन से बाहर नहीं होती। दिसंबर में यहां की पहाड़ियां, सेब के बाग, रोहतांग और सोलांग घाटी खूबसूरती की मिसाल बन जाते हैं। स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग और स्नो बाइकिंग मनाली को विंटर एडवेंचर की राजधानी बनाते हैं।

औली, उत्तराखंड

उत्तराखंड स्थित औली को भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। दिसंबर में औली की बर्फ ऐसी लगती है जैसे प्रकृति ने खुद सफेदी को तराशकर धरती पर बिछा दिया हो। यहां की ढलानें स्कीइंग के लिए विश्व-स्तरीय मानी जाती हैं और नंदा देवी पर्वत का दृश्य दिल में अटक जाता है, जैसे समय रुक गया हो।

गुलमर्ग, कश्मीर

बर्फबारी देखनी है तो कश्मीर से बेहतर कुछ नहीं। यहां गुलमर्ग में दिसंबर के महीने में बर्फबारी देखनो को मिलती है। इस दौरान धरती का स्वर्ग यानी कश्मीर बर्फ से ढक जाता है। कश्मीर की सर्दी सिर्फ ठंडी नहीं, बल्कि खूबसूरत भी लगती है। गुलमर्ग में दिसंबर से लेकर फरवरी तक भारी बर्फबारी होती है। यहां की गोंडोला राइड आपको बादलों से ऊपर की दुनिया दिखाती है जहां हर पेड़, हर छत, हर रास्ता बर्फ से लदा होता है।

शिमला, हिमाचल प्रदेश

विंटर हॉलीडे का सबसे पुराना और भरोसेमंद स्थान शिमला है। दिसंबर में अक्सर शिमला में शुरुआती बर्फबारी देखने को मिलती है। द रिज, कुफरी और मशोबरा जैसी जगहों पर सफेद बर्फ की परतें हर उम्र के यात्रियों को रोमांचित कर देती हैं। यह उन लोगों के लिए परफेक्ट है जो कम एडवेंचर और ज्यादा सुकून चाहते हैं।

तवांग, अरुणाचल प्रदेश

पूर्वोत्तर का यह हिल स्टेशन सर्दियों में जन्नत सा लगता है। तवांग का दिसंबर ऐसा है कि बर्फ भी मानो प्रार्थना बनकर गिरती हो। इस क्षेत्र में मॉनेस्ट्री, झीलें और पहाड़ सब कुछ सफेद बर्फ की चादर ओढ़कर खड़े रहते हैं। ये उन यात्रियों के लिए है जो कुछ अनूठा, भीड़ से दूर और आध्यात्मिक सुकून चाहते हैं। दिसंबर में यहां बर्फबारी भी देखने को मिलती है। वर्तमान में तवांग का तापमान 7 डिग्री सेल्सियस है।

सेंसेक्स 275 अंक गिरकर 84,391 पर बंद-निफ्टी भी 82 अंक लुढ़का

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार, 10 दिसंबर को शेयर बाजार में गिरावट है। सेंसेक्स 275 अंक गिरकर 84,391 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 82 अंक की गिरावट रही, ये 25,758 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर में तेजी और 11 में गिरावट रही। इंडिगो के शेयर में 3.17% की गिरावट रही।

वहीं बैंकिंग और आईटी शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली देखने को मिली है। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई इंडेक्स 0.10% गिरकर 50,602 पर और कोरिया का कोस्पी 0.21% बढ़कर 4,135 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.42% बढ़कर 25,540 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.23% गिरकर 3,900 के स्तर पर बंद हुआ।

गौतम अदाणी ने सत्य नडेला से की मुलाकात

एआई की अपार क्षमताओं पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि वे माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला से मिले और उन्होंने टेक्नोलॉजी के भविष्य को लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अपार क्षमताओं पर बात की। गौतम अदाणी की नडेला से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब माइक्रोसॉफ्ट ने अगले चार वर्षों में भारत में अपने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता का विस्तार करने के लिए 17.5 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा की है।

गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सत्य नडेला से मिलना और टेक्नोलॉजी के भविष्य को लेकर उनके बहुमूल्य विचारों को जान पाना हमेशा मेरे लिए खुशी का पल रहा है। एआई के इस युग में जहां फिजिकल और डिजिटल वर्ल्ड तेजी से बदल रहे हैं, हम अपनी 360 डिग्री पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

अदाणी ने आगे कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से तैयार किए जा रहे एआई ऐप्स का डेमो देखा, जो कि हैंड्स-ऑन लीडरशिप का एक और प्रमाण था, जिसे वास्तव में ग्रेट लीडर के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। नडेला ने बीते मंगलवार को पीएम मोदी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात को लेकर पीएम मोदी ने कहा था कि जब एआई की बात आती है तो दुनिया भारत को लेकर आशावादी बन जाती है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, सत्य नडेला के साथ एक प्रोडक्टिव बातचीत हुई। यह जानकर बेहद खुशी हो रही है कि माइक्रोसॉफ्ट ने एशिया में अपने सबसे बड़े निवेश के लिए भारत को चुना है। देश के युवाओं को इस अवसर के साथ इनोवेशन करने और एक बेहतर दुनिया तैयार करने के लिए एआई की क्षमताओं का इस्तेमाल करने का लाभ मिलेगा।

अमेजन करेगा भारत में 3.14 लाख करोड़ का निवेश

2030 तक 10 लाख नौकरियां पैदा करने का दावा

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन भारत में अपने सभी बिजनेस सेगमेंट में 2030 तक 35 अरब डॉलर यानी लगभग 3.14 लाख करोड़ रुपये के भारी निवेश की योजना बना रही है।

यह घोषणा कंपनी के अमेजन संभव शिखर सम्मेलन के दौरान की गई। अमेजन के उभरते बाजारों के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि कंपनी भारत में एआई आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात में तेजी और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस करेगी।

2030 तक 10 लाख अतिरिक्त नौकरियां पैदा करने का लक्ष्य

अग्रवाल के अनुसार, अमेजन का लक्ष्य है कि भारत से अपने प्लेटफॉर्म के माध्यम से होने वाले निर्यात को वर्तमान 20 अरब डॉलर से बढ़ाकर 80 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए। इसके साथ ही कंपनी 2030 तक 10 लाख अतिरिक्त नौकरियां बनाने का

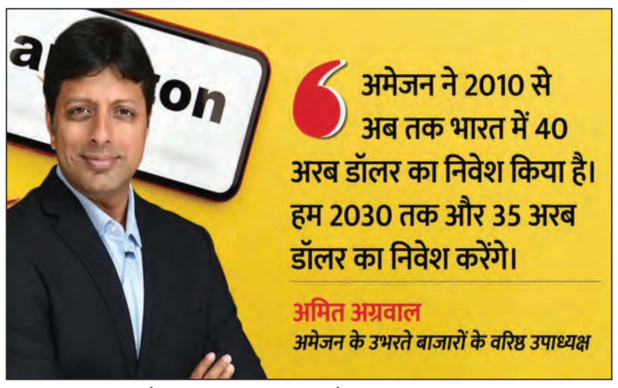

लक्ष्य भी रखती है, जिसमें प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, मौसमी और प्रेरित रोजगार शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि अमेजन ने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है।

सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से संकलित कीस्टोन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह भारत में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। अग्रवाल ने बताया कि मई 2023 में, अमेजन ने तेलंगाना और महाराष्ट्र में अपने स्थानीय क्लाउड और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में 2030 तक भारत में 12.7 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की। कंपनी 2016 और 2022 के बीच भारत में पहले ही 3.7 अरब डॉलर का निवेश कर चुकी है।

अमेजन ने दूसरे कंपनियों की तुलना में किया अधिक निवेश

अमेजन की निवेश योजना माइक्रोसॉफ्ट की 17.5 अरब डॉलर की निवेश योजना से दोगुनी और 2030 तक गूगल की 15 अरब डॉलर की निवेश योजना से लगभग 2.3 गुना है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है। इसमें पूर्ति केंद्र, परिवहन नेटवर्क, डेटा केंद्र, डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी विकास शामिल हैं।

अमेजन ने छोटे व्यवसायों के डिजिटलीकरण में निभाई अहम भूमिका

कीस्टोन रिपोर्ट के अनुसार, अमेजन ने 12 मिलियन से अधिक छोटे व्यवसायों का डिजिटलीकरण किया है और 20 अरब डॉलर के संचयी ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाया है, जबकि 2024 में भारत में विभिन्न उद्योगों में लगभग 2.8 मिलियन प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, प्रेरित और मौसमी नौकरियों का समर्थन किया है। भारत से निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए, अमेजन ने विनिर्माण-केंद्रित पहल एक्सेलेरेट एक्सपोर्ट्स शुरू की है।

भारत पर अमेरिकी टैरिफ को लेकर रघुराम राजन का बड़ा बयान

पाकिस्तान ने अच्छा खेला

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से भारतीय सामान पर लगाए गए भारी टैरिफ को लेकर पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन के बयान ने एक नई बहस खड़ी कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में राजन कहते हुए नजर आए हैं कि ट्रंप प्रशासन ने 50% टैरिफ रूस से तेल खरीद को लेकर नहीं, बल्कि भारत द्वारा ट्रंप की पाकिस्तान को लेकर की गई टिप्पणी का समर्थन न करने की वजह से लगाया। पाकिस्तान ने ट्रंप के हर दावे का किया समर्थन राजन ने स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए संघर्ष विराम पर ट्रंप ने जिस तरह दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को बातचीत के लिए मनाया, भारत ने उस दावे का समर्थन नहीं किया। इसके उलट पाकिस्तान ने इस दावे पर कोई आपत्ति नहीं जताई। राजन के मुताबिक भारत ने ट्रंप के बयान पर सहमति नहीं जताई, इसलिए भारत पर 50% टैरिफ लगाया गया, जबकि पाकिस्तान 'साथ खेला' और उसे केवल 19% शुल्क झेलना पड़ा। यह वीडियो 4 दिसंबर का बताया जा रहा है, वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर कई यूजर्स ने राजन पर सच तोड़ने-मरोड़ने और भारत को कमजोर दिखाने का आरोप लगाया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	वृश्चिक	मे	वृश्चिक	04-45 बजे
चंद्र	सिंह	मे	धनु	05-59 बजे
मंगल	धनु	मे	मकर	09-06 बजे
बुध	वृश्चिक	मे	कुंभ	11-05 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मीन	12-34 बजे
शुक्र	वृश्चिक	मे	मेष	14-10 बजे
शनि	मीन	मे	वृष	15-55 बजे
राहु	कुंभ	मे	मिथुन	17-54 बजे
केतु	सिंह	मे	कर्क	20-10 बजे
			सिंह	22-20 बजे
			कन्या	00-26 बजे
			तुला	02-52 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् -**1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -**2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय **06-39**
सूर्यास्त. **16-38**
कलियुग संवत् -**5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - पौष कृष्ण पक्ष गुरुवार **11 Dec**
तिथि - सप्तमी **13-57** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी **03-55** रात्रि तक उप उ.फाल्गुनी
योग - विष्कुंभ **11-40** तक उप प्रीति
करण - बव **13-57** तक बालव

त्योहार - कालाष्टमी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
13-33
14-56

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	06-39 - 08-00	शुभ		अमृत	17-38 - 19-19	शुभ	
रोग	08-00 - 09-23	अशुभ		चंचल	19-19 - 20-56	शुभ	
उत्पात	09-23 - 10-46	अशुभ		रोग	20-56 - 22-33	अशुभ	
चंचल	10-46 - 12-10	शुभ		काल	22-33 - 00-10	अशुभ	
लाभ	12-10 - 13-33	शुभ		लाभ	00-10 - 01-47	शुभ	
अमृत	13-33 - 14-56	शुभ		उत्पात	01-47 - 03-24	अशुभ	
काल	14-56 - 16-19	अशुभ		शुभ.	03-24 - 05-01	शुभ	
शुभ	16-19 - 17-38	शुभ		अमृत	05-01 - 06-39	शुभ	

इंडिगो संकट के बीच आईएटीए का बयान

भारत के पायलट नियम अन्य देशों से ज्यादा सख्त

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय विमानन संगठन आईएटीए ने कहा है कि भारत में पायलटों के लिए लागू किए गए नए नियम वैश्विक मानकों की तुलना में काफी अधिक कठोर हैं। आईएटीए के प्रमुख विली वाल्श ने कहा कि स्थिति सामान्य होने में समय लगेगा। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पिछले एक सप्ताह में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को ड्यूटी नियमों के चलते बड़े स्तर पर परिचालन बाधाओं का सामना करना पड़ा।

इस दौरान सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और हजारों यात्री प्रभावित हुईं। बता दें कि 1 नवंबर से लागू हुए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) मानदंडों के दूसरे चरण को लागू करने में उचित योजना की कमी इंडिगो की उड़ान व्यवधानों के प्रमुख कारणों में से एक है, जो अब लगभग स्थिर हो चुके हैं। वाल्श ने कहा कि भारत के नए नियम अन्य देशों के नियमों की तुलना में कहीं अधिक प्रतिबंधात्मक प्रतीत होते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आपको हमेशा यह स्वीकार करना होगा।

चांदी 7,457 रुपये बढ़कर 1.86 लाख रुपये किलो के ऑलटाइम हाई पर

इस साल कीमत 1 लाख रुपये बढ़ी-सोना 1.28 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। चांदी आज यानी 10 दिसंबर को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार चांदी 7,457 रुपए बढ़कर 1,86,350 रुपए किलोग्राम हो गई है।

इससे पहले कल ये 1,78,893 रुपए पर थी। इस साल इसकी कीमत 1,00,333 रुपए बढ़ चुकी है। वहीं सोना 116 रुपए बढ़कर 1,28,090 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1,27,974 रुपए

पर था। सोने ने 17 अक्टूबर को 1,30,874 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए अलग-अलग शहरों के रेट्स अलग-अलग होते हैं। पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक गोल्ड लोन रेट तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है ।आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं ।अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है ।अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे | इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है |

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है ।आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है ।आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रेपो रेट में कटौती के बाद आरबीआई गवर्नर ने बैंकों से कहा-मध्यस्थता लागत को कम करें

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सरकारी और कुछ चुनिंदा निजी बैंकों के प्रबंधक निदेशकों और सीईओ को कहा कि अपने बैंकिंग सिस्टम में मध्यस्थता लागत को कम करें और दक्षता को बढ़ाएं। आरबीआई गवर्नर यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब हाल ही मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की ओर से ब्याज दर को 25 आधार अंक या 0.25 प्रतिशत कम किया गया है, जिससे रेपो रेट कम होकर 5.25 प्रतिशत हो गया है, जो कि पहले 5.50 प्रतिशत था। इस फरवरी से आरबीआई रेपो रेट में 125 आधार अंक की कटौती कर चुका है।

आरबीआई ने आधिकारिक बयान में कहा, गवर्नर ने कहा है कि 125 आधार अंकों की ब्याज दर में कमी और प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग से मध्यस्थता लागत कम होगी और दक्षता बढ़ेगी, जिससे सतत विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा। बयान में कहा गया कि ये बातचीत जनवरी 2025 में हुई इसी तरह की बैठकों के बाद विनियमित संस्थाओं के वरिष्ठ प्रबंधन के साथ रिजर्व बैंक की चल रही सहभागिता का हिस्सा है। साथ ही,मल्होत्रा ने बैंकों से शिकायतों को कम करने और आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते जोखिमों पर फोकस करने और बढ़ते मजबूत, इंटेलिजेंस आधारित सुरक्षा उपायों को बैंकों को अपनाने को कहा। आरबीआई गवर्नर ने बैंकों द्वारा रीकेवाईसी और अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स के संबंध में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए,सक्रिय संपर्क और सतत जागरूकता अभियानों को प्रोत्साहित किया। बयान में कहा गया है कि मुलाकात में प्रतिभागियों ने नीति, पर्यवेक्षण और परिचालन संबंधी विभिन्न मामलों पर अपनी प्रतिक्रिया और दृष्टिकोण साझा किए। आरबीआई के मौद्रिक संचरण आंकड़ों से पता चला है कि फरवरी और सितंबर के बीच बैंकों की भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में 102 आधार अंकों की गिरावट आई है, जबकि नए रुपए ऋण पर ब्याज दर में 73 आधार अंकों की कमी आई है।

कमजोर रुपये व कच्चे तेल की महंगाई से बढ़ा आयात बिल

› 1.21 लाख करोड़ मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स इंपोर्ट

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देश का आयात बिल एक बार फिर तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह कमजोर रुपया, सोने और कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में तेजी और आयातित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर लगातार निर्भरता है। इससे अक्तूबर में व्यापार घाटा बढ़कर 41.68 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कमजोर रुपया भारत के बढ़ते आयात बोझ का सबसे बड़ा कारण है। मुद्रा का मूल्य कम होने से भारत को उतनी ही मात्रा में विदेशी सामान खरीदने के लिए अधिक खर्च करना पड़ता है। चूंकि देश बड़े पैमाने पर कच्चा तेल, सोना व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात करता है, इसलिए रुपये में मामूली गिरावट भी कुल आयात बिल को बढ़ा देती है। 3 दिसंबर को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 90 से भी नीचे पहुंच गया। यह एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया।

इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट का बड़ा कदम

100 नई उड़ानें रोजाना शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट इस शीतकालीन सत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने घोषणा की कि वह 100 अतिरिक्त दैनिक उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है, ताकि मौजूदा विमानन बाजार में क्षमता की कमी को दूर किया जा सके।

इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट की घोषणा महत्वपूर्ण

स्पाइसजेट ने बयान में कहा कि प्रमुख रूटों पर हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है, इसलिए, अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जा रही हैं। नई उड़ानें नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद शुरू की जाएंगी। इंडिगो में चल रही परिचालन बाधाओं के बीच यह कदम एयरलाइन उद्योग में क्षमता संतुलित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दो महीनों में 17 विमानों को किया शामिल

एयरलाइन ने बताया कि पिछले दो महीनों में उसने 17 विमानों को सक्रिय सेवाओं में शामिल किया है, जिनमें डैम्प-लीज पर लिए गए विमान और उसके अपने पुराने विमान शामिल हैं जिन्हें दोबारा सेवा में लाया गया है। स्पाइसजेट के अनुसार, बेड़े में इस बढ़ोतरी से कंपनी को उच्च मांग वाले रूटों पर अतिरिक्त क्षमता तैनात करने और नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने में मदद मिलेगी।

बिड़ला को मिला दुनिया के सबसे ताकतवर इंसान का साथ

किस बिजनेस में होने वाला है धमाल?

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक अब आदित्य बिड़ला ग्रुप में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है। ब्लैकरॉक बिड़ला ग्रुप के रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी एबीआरईएन में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। इसके बदले में ब्लैकरॉक को इस बिजनेस में एक छोटी हिस्सेदारी मिलेगी। ग्रुप का यह बिजनेस ग्रासिम इंडस्ट्रीज के तहत आता है। डील के लिए इसका वैल्यूएशन 14,600 करोड़ रुपये आंका गया है। इस डील में शुरुआत में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश और जरूरत पड़ने पर 1,000 करोड़ रुपये का ग्रीन शू ऑप्शन शामिल है। ब्लैकरॉक ग्रुप का हिस्सा ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स (जीआईपी) आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी में यह निवेश करेगी। एबीआरईएन ने बताया कि कंपनी ने पूरे

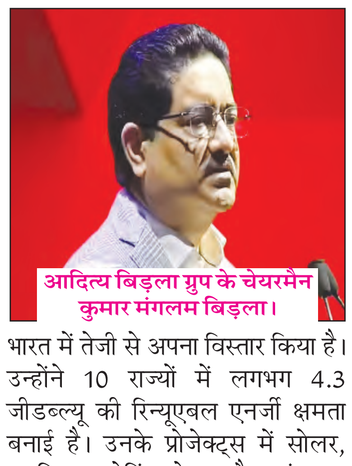

आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला।

भारत में तेजी से अपना विस्तार किया है। उन्होंने 10 राज्यों में लगभग 4.3 जीडब्ल्यू की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता बनाई है। उनके प्रोजेक्ट्स में सोलर, हाइब्रिड, फ्लोटिंग सोलर और राउंड-द-क्लॉक (आरटीसी) रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इससे देश के ग्रीन एनर्जी सेक्टर में कंपनी की स्थिति और मजबूत हुई है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने इस निवेश को भारत के बड़े एनर्जी ट्रांजिशन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि जीआईपी का निवेश हमारी विकास यात्रा में एक अहम मोड़ है। यह हमारे रिन्यूएबल्स प्लेटफॉर्म को तेजी से बढ़ाने के लिए एक मजबूत नींव रखता है, क्योंकि हम आने वाले वर्षों में 10 जीडब्ल्यू से अधिक क्षमता का लक्ष्य रख रहे हैं। इससे पहले कतर की कंपनी नीब्रास पावर ने भी आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स में 49% हिस्सेदारी खरीदने की कोशिश की थी, लेकिन वह डील नहीं हो पाई थी। उस समय, ब्लैकरॉक सहित कई दूसरे ग्लोबल निवेशक भी इस कंपनी में दिलचस्पी दिखा रहे थे। ब्लैकरॉक के सीईओ और चेयरमैन लैरी फिंक को दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान माना जाता है। इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट $13.46 ट्रिलियन है जो भारत की जीडीपी का करीब तीन गुना है।

सरेंडर नक्सलियों का केस वापस लेगी छत्तीसगढ़ सरकार

जिला स्तर पर बनेगी कमेटी, 14 कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव, 2025–26 सप्लीमेंट्री एस्टीमेट होगा पेश

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार सरेंडर नक्सलियों का केस वापस लेगी। साय कैबिनेट की मीटिंग में बुधवार को मंजूरी मिली है। इसके लिए कैबिनेट सब कमेटी और जिला स्तरीय कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। अच्छे व्यवहार और नक्सल हिंसा छोड़ने वाले लोगों को राहत दी जाएगी।

इसके साथ ही कानूनों को और सरल बनाने के लिए जन विश्वास विधेयक-2025 के दूसरे संस्करण को भी मंजूरी मिली। इसके तहत 11 विभागों के 14 अधिनियमों के 116 प्रावधानों में बदलाव करके छोटे उल्लंघनों पर प्रशासनिक सजा और तेज निपटारे की व्यवस्था की जाएगी।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए इसे सरलीकरण किया जाएगा। साथ ही प्रथम अनुपूरक अनुमान 2025-26 के लिए छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक को भी स्वीकृति दी गई।छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां जन विश्वास विधेयक का द्वितीय संस्करण लाया जा रहा है।

कैसे काम करेगी जिला-स्तरीय समिति

सरेंडर करने वाले नक्सलियों के खिलाफ केस वापस लेने की प्रक्रिया की देखरेख के लिए एक जिला-स्तरीय समिति बनाई जाएगी। यह समिति सरेंडर करने वाले नक्सली के खिलाफ आपराधिक मामलों को वापस लेने के संबंध में पुलिस मुख्यालय को एक रिपोर्ट सौंपेगी। पुलिस मुख्यालय अपनी सिफारिशों के साथ प्रस्ताव आगे बढ़ाएगा। कानून विभाग की राय लेने के बाद, सरकार मामलों को कैबिनेट उप-समिति के सामने पेश करेगी। उप-समिति के सुझाए गए मामलों को अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। केंद्रीय कानूनों या केंद्र सरकार से संबंधित मामलों के लिए भारत सरकार से जरूरी अनुमति ली जाएगी। अन्य मामलों को अदालत में सरकारी वकील के जरिए केस वापस लेने की कार्रवाई के लिए जिला मजिस्ट्रेट को भेजा जाएगा।

इसके पहले कैबिनेट बैठक में लिए गए थे ये अहम निर्णय

पिछली कैबिनेट ने मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान (एम-यूआरजेए) को मंजूरी दी, जिससे 1 दिसंबर 2025 से घरेलू उपभोक्ताओं को 100 से बढ़ाकर 200 यूनिट तक 50 प्रतिशत बिजली छूट मिलेगी। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने के लिए 1 किलोवॉट सोलर प्लांट पर 15,000 रुपए और 2 किलोवॉट या अधिक पर 30,000 रुपए अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी, जो बिजली खपत को शून्य करने में मददगार साबित होगी। उच्च शिक्षा मजबूत करने को छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2025 और दुकान-स्थापना संशोधन विधेयक 2025 को मंजूरी मिली, जो ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाएंगे और रोजगार सृजन को गति देंगे।

बिल्डर के घर 20 लाख की चोरी का मामला

महिला समेत चार आरोपी गिरफ्तार सीसीटीवी से हुई आरोपियों की पहचान

जमशेदपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में बिल्डर अमित सोलंकी के घर हुई 20 लाख रुपए की चोरी के मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई की। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी आलोक मुखी, उसका बहनोई धीरज, धीरज की पत्नी ज्योति और चोरी का सोना खरीदने वाला सुनील शामिल है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के आभूषण और 70 हजार रुपए नगद जब्त किए हैं। धीरज और ज्योति के साथ उनका दो साल का बच्चा भी है।

यह घटना रविवार दोपहर को हुई थी। बिल्डर अमित सोलंकी के घर की महिलाएं दोपहर 2:30 बजे से 3:30 बजे तक छत पर धूप सेंकने गई थीं। जब वे एक घंटे बाद वापस लौटीं, तो कमरे में सामान बिखरा हुआ था और अलमारी टूटी हुई थी। तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। जांच में सामने आया कि चोर गैराज के मुख्य गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे थे। सीसीटीवी फुटेज में एक कचरा चुनने वाला व्यक्ति घर में घुसते और चोरी के बाद कंधे पर बैग लेकर जाते हुए दिखाई दिया। इसी फुटेज के आधार पर पुलिस ने छानबीन शुरू की। एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी आलोक मुखी ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। उसने चोरी के आभूषण अपने बहनोई धीरज को दिए। धीरज ने ये आभूषण सुनील को 70 हजार रुपए में बेच दिए। आलोक मुखी पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है।

6 साल बड़ी गर्लफ्रेंड को काट डाला-शव जलाया

दुर्ग-भिलाई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में एक शादीशुदा युवक ने युवती को जलाकर मार डाला। दोनों साथ में केटरिंग का काम करते थे। इसी बीच नजदीकियां बढ़ी और प्यार हो गया।

जब युवती ने शादी का दबाव बनाया तो परेशान होकर युवक ने उसे चापर से मारकर मौत के घाट उतारा। पहचान मिटाने के लिए पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मामला उतई थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, युवती भी शादीशुदा थी।

केंदुआडीह में जहरीली गैस रिसाव मामला

कोल इंडिया अध्यक्ष बोले-स्थानांतरण जरूरी गैस की मात्रा खतरनाक स्तर से ऊपर

धनबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद के केंदुआडीह में जहरीली गैस रिसाव का संकट लगातार गहराता जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को कोल इंडिया के अध्यक्ष सनोज कुमार झा ने प्रभावित इलाके का दौरा किया और विस्तृत निरीक्षण किया। तकनीकी टीमों से रिपोर्ट लेने के बाद उन्होंने मौजूदा हालात को 'अत्यंत गंभीर' बताया। उन्होंने कहा कि स्थिति में अपने आप सुधार की संभावना नहीं है। इसलिए लोगों की जान बचाने के लिए अस्थायी रूप से सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण ही एकमात्र विकल्प है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह स्थायी विस्थापन नहीं, बल्कि जानलेवा गैस के बढ़ते स्तर से बचने का तत्काल कदम है। कई इलाकों में कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा खतरनाक स्तर से ऊपर पाई गई है। प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत बातचीत की गई है। वहीं, पीड़ितों का कहना है कि पहले गैस रिसाव को बंद किया जाए इसके बाद कोई बात करें। बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) की ओर से राहत केंद्रों में भोजन, रहने और चिकित्सा की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। गैस निकासी और तकनीकी समाधान पर टीमें लगातार काम कर रही हैं, लेकिन इसमें समय लग सकता है। कोल इंडिया के तकनीकी निदेशक अच्युत घटक ने भी स्थिति को गंभीर बताया।

मदनवाड़ा हमले से हिल गया था देश, एसपी समेत 29 जवान हुए थे बलिदान

घटना में शामिल नक्सली समेत चार ने किया सरेंडर

कांकेर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। नक्सल मोर्चे पर सुरक्षाबलों को एक और सफलता मिली है। मदनवाडा हमले में शामिल रही महिला नक्सली समेत चार नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। 2009 में हुए मदनवाडा हमले ने पूरे देश को हिला दिया था जिसमें राजनांदगांव जिले के एसपी विनोद चौबे समेत 29 जवान बलिदान हो गए थे।

आज आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में मंजुला उर्फ लक्ष्मी पोटाई भी शामिल है, जिस पर पांच लाख का इनाम घोषित था। इसके अलावा काजल उर्फ रजिता कंपनी नंबर 10 की सदस्य जिस पर आठ लाख का इनाम घोषित था। विलास उर्फ चैतु उसेंडी जिस पर पांच लाख और रामसाय उर्फ लखन पर पांच लाख का इनाम घोषित था।

कांकेर एसपी आई कल्याण एलिसेला ने बताया कि आज समर्पण करने वाले नक्सली कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहे हैं।

नक्सली कांकेर जिले के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी सक्रिय रहे है, उन्होंने बताया कि सरकार की पुनर्वास नीति और फोर्स के बढ़ते दबाव के कारण लगातार नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। कांकेर जिले में अब बहुत सीमित संख्या में नक्सली बचे है जो जल्द ही आत्मसमर्पण कर सकते हैं। आज आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50-50 हजार की सहायता राशि भी पुलिस की तरफ से प्रदान की गई है।

इससे पहले छत्तीसगढ़ में एक करोड़ के इनामी रामधेर मज्जी सहित 12 नक्सलियों ने सरेंडर किया था । इन नक्सलियों में छह महिलाएं भी शामिल थीं। बता दें कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की पुलिस के लिए नक्सली रामधेर बड़ी चुनौती था। सरेंडर नक्सली रामधेर मज्जी एमएमसी जोन में सीसी मेंबर के रूप में काम कर रहा था। राजनांदगांव पुलिस लाइन में एमएमसी जोन सीसी मेंबर रामधेर सहित 12 नक्सलियों ने सरेंडर किया है,आत्मसमर्पित नक्सलियों पर मध्य प्रदेश,महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में कुल 2 करोड़ 95 लाख रुपए का इनाम घोषित था। शासन की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

नायब तहसीलदार पर धान तस्करी का आरोप लगा ग्रामीणों ने किया हंगामा, जांच शुरू

कबीरधाम, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में धान खरीदी का सीजन जारी है। वहीं अवैध धान के परिवहन और खपाने को रोकने के लिए जिला प्रशासन विशेष निगरानी रख रहा है। इसी बीच रेंगाखार जंगल क्षेत्र (एमपी–सीजी बॉर्डर) से एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां नायब तहसीलदार पर धान तस्करी में शामिल होने के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने ही धान परिवहन के दौरान दो वाहन समेत नायब तहसीलदार को पकड़ा है। इस दौरान नायब तहसीलदार के साथ ग्रामीणों के बीच विवाद भी हुआ है।

मामला रेंगाखार जंगल तहसील क्षेत्र का है, ये एरिया एमपी-सीजी बॉर्डर पर है। इस मामले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होते ही मंगलवार देर रात 11.45 बजे जिला प्रशासन प्रेस रिलीज भी जारी की है। इसमें बताया गया कि रेंगाखार क्षेत्र में रात्रि गश्ती के दौरान धान के अवैध परिवहन पर कार्रवाई के लिए पहुंची तहसील की टीम और स्थानीय लोगों के बीच भ्रम की स्थिति निर्मित हुई। जिसके कारण मौके पर उचित कार्रवाई नहीं हो पाई। एसडीएम बोड़ला ने बताया कि उक्त घटना के दौरान पहुंचे दोनों वाहनों पर कार्रवाई की गई है। इन्हें जब्त कर झलमला थाना के सौंप दिया गया है। जांच में एक वाहन में धान व एक वाहन में कोदो होना पाया गया। इसके बाद मंडी सचिव द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जवान बोला–कमांडेंट ने 6 महीने में 4 बार ट्रांसफर किया

कहा-60 हजार मांगे, नहीं देने पर तबादला किया, अफसर बोलीं-आरोप झूठे

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग की एक महिला अधिकारी पर पैसे लेने का आरोप लगा है। तीसरी बटालियन, अमलेश्वर के जवान नवदीप पांडे ने एक वीडियो जारी कर कमांडेंट मेघा टेम्भूरकर पर ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर पैसे मांगने का आरोप लगाया है। जवान के अनुसार, उनसे 60 हजार रुपए की मांग की गई थी। पैसे न देने पर सिर्फ छह महीनों में उन्हें चार बार ट्रांसफर कर दिया गया, और उनके आवेदन भी विभाग ने नहीं सुने।

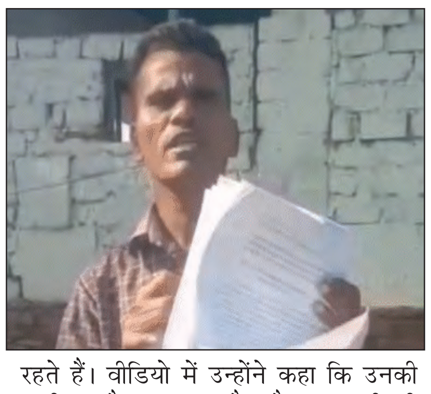

नवदीप पांडे का दावा है कि उनकी बटालियन की कमांडेंट सीधे पैसे मांगती हैं। जब उन्होंने पैसे देने से मना किया, तो छह महीने में चार बार ट्रांसफर कर दिया गया। वहीं, मेघा टेम्भूरकर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नवदीप पोस्टिंग से बचने के लिए ऐसा आरोप लगा रहा है। उन्होंने बताया कि नवदीप एक डिफॉल्टर सिपाही हैं और उनके खिलाफ विभागीय जांच भी चल रही है।

6 महीने में 4 पोस्टिंग दी गई

नवदीप पांडे रायपुरा में किराये के मकान में रहते हैं। वीडियो में उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी का पैर टूटा हुआ है, और वह पत्नी की देखभाल के साथ-साथ घर का काम भी करते हैं। नवदीप ने बार-बार आवेदन दिए, लेकिन विभागीय अफसरों ने उनके निवेदन स्वीकार नहीं किए। कंपनी कमांडर और हवलदार ने तो पावती तक देने से इनकार कर दिया।

इसके अलावा, नवदीप ने स्टेनो चंद्रशेखर तिवारी और कमांडेंट मेघा टेम्भूरकर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि छह महीने के भीतर उन्हें महासमुंद, जशपुर और बस्तर में पोस्टिंग दी गई। इसके बाद उन्होंने अपनी पिछली पोस्टिंग दुर्ग जिले में लौटाने की मांग की। नवदीप इस मामले को लेकर हाईकोर्ट तक जा चुके हैं।

जब जवान ही सुरक्षित नहीं, तो जनता कैसे सुरक्षित- उज्जवल दीवान

इस मामले को लेकर पुलिस कल्याण संघ के अध्यक्ष उज्जवल दीवान ने कहा कि आम जनता द्वारा पुलिस पर रिश्वत के आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब एक पुलिस जवान अपने ही सीनियर अधिकारी पर ट्रांसफर के नाम पर पैसे लेने का आरोप लगाता है, तो यह मामला गंभीर हो जाता है।

उज्जवल दीवान के अनुसार, 'क्या एक एसपी स्तर के अधिकारी को इतना कम वेतन मिलता है कि उसे जवानों से पैसे लेकर पोस्टिंग करनी पड़े। अगर जवानों के साथ ऐसा हो रहा है, तो आम जनता के साथ क्या होता होगा। राज्य में सुशासन की बातें हो रही हैं, और पुलिस विभाग सुधार के दावे कर रहा है।'

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेंड्रा में शराब पार्टी का वीडियो वायरल

स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

गौरेला पेंड्रा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेंड्रा से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें स्वास्थ्य केंद्र का पूरा स्टाफ दोपहर में पार्टी करते हुए दिखाई दे रहा है। इस वीडियो में शराब की बोतलें भी स्पष्ट रूप से नजर आ रही हैं, और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) ए. आई. मिंज सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे। सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की इस तरह की गतिविधि सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में गहरा रोष व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पार्टी शनिवार को सेकेंड शिफ्ट शुरू होने से पहले की बताई जा रही है।

टीचर्स कुत्तों के बाद अब सांप-बिच्छू भगाएंगे

शिक्षकों ने कहा-हमारी जान कौन बचाएगा, गरिमा का ख्याल रखे सरकार, अफसर बोले-एससी का आदेश

बिलासपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने नया निर्देश जारी किया है। अब सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को आवारा कुत्तों की निगरानी करने के साथ ही सांप-बिच्छू पर भी ध्यान रखने को कहा गया है। टीचर्स को जहरीले जीव-जंतुओं को स्कूल परिसर में आने से रोकना होगा। यह आदेश प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, प्राचार्यों और प्रधान पाठकों को दिया गया है। डीपीआई ने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया है। वहीं आदेश को लेकर प्राचार्य और हेडमास्टर में नाराजगी है। उन्होंने इस आदेश को बेतुका बताया है।

वहीं आदेश पर टीचर्स एसोसिएशन ने कहा कि सांप-बिच्छू और जहरीले जीव-जंतु से टीचर को भी खतरा हो सकता है। ऐसे जहरीले जंतुओं से शिक्षकों को कौन बचाएगा। सरकार को अपनी गरिमा का ख्याल रखना चाहिए। आदेश के मुताबिक स्कूल परिसर में खेलते हुए बच्चे अगर नदी या तालाब चले जाएं और कोई घटना हो जाए, तो उसकी सीधी जवाबदेही प्राचार्य, प्रधान पाठक और शिक्षकों की होगी। स्कूल भवन जर्जर होने से छात्रों को चोट लगने पर भी यही शिक्षक जिम्मेदार माने जाएंगे। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता खराब मिलने पर कार्रवाई शिक्षकों पर होगी। बच्चों का आधार आईडी, जाति प्रमाण पत्र, एसआईआर और स्मार्ट कार्ड बनवाने की जिम्मेदारी भी शिक्षकों को दी गई है। स्कूल खुलते ही सरकारी स्कूलों में बच्चों को भेजने के लिए अभिभावकों से घर-घर जाकर संपर्क करने का काम भी शिक्षक कर रहे हैं।

महिला डीएसपी के लव-ट्रैप में फंसा रायपुर का कारोबारी

पीड़ित बोला-2 करोड़ कैश, महंगी कार, हीरे की अंगूठी गिफ्ट में ली; चैट के स्क्रीनशॉट वायरल

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर के होटल कारोबारी दीपक टंडन ने दंतेवाड़ा की डीएसपी कल्पना वर्मा पर रिश्वत, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। कारोबारी टंडन का दावा है कि डीएसपी ने पहले उन्हें लव ट्रैप में फंसाया। शादी का झांसा देकर उनसे करोड़ों रुपए, महंगी गाड़ी और कीमती गहने ले लिए। वहीं बवाल के बीच डीएसपी कल्पना के पिता हेमंत वर्मा ने 2 महीने पहले पंडरी थाने में दीपक टंडन के खिलाफ लेन-देन को लेकर शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि दीपक ने बिजनेस लेन-देन का पैसा नहीं लौटाया। जब चेक दिया गया तो बाउंस हो गया। चेक बाउंस का मामला कोर्ट में चल रहा है। इसके बाद होटल कारोबारी दीपक टंडन ने खम्हारडीह थाने में डीएसपी कल्पना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोप लगाया कि डीएसपी कल्पना से दोस्ती थी। कल्पना और उसके परिवार ने 75 लाख के लेन-देन की फर्जी शिकायत दर्ज कराई है।

दीपक टंडन ने आरोप लगाया कि कल्पना ने साजिश के तहत फंसाया है। 2021 और 2025 के बीच उसने कल्पना को 2 करोड़ रुपए कैश, एक हीरे की अंगूठी, एक सोने की चेन और एक कार दी थी, जिसे उसने अपने पास रख लिया है। हालांकि पुलिस ने दोनों मामलों में बयान दर्ज कर लिया है। जांच में मामला आपसी लेन-देन का विवाद पाया गया। फिलहाल दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डीएसपी कल्पना वर्मा ने सभी आरोपों को निराधार और साजिश बताया है।

नींबू पहाड़ खनन घोटाले की सीबीआई करेगी जांच

सुप्रीम कोर्ट ने जांच पूरी करने का दिया आदेश, सरकार की दलीलें कर दी खारिज

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के साहिबगंज जिले में नींबू पहाड़ स्थित अवैध पत्थर-खनन केस में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पूरी स्वतंत्रता के साथ जांच जारी रखने का आदेश दिया है। यह फैसला जस्टिस आलोक राठे और जस्टिस संजय कुमार की दो-सदस्यीय पीठ ने सुनाया। पीठ ने साफ कहा कि हाई कोर्ट ने सीबीआई को जो जिम्मेदारी दी थी, वह सही है। इसे सीमित दायरे में नहीं देखा जा सकता। कोर्ट ने झारखंड सरकार और याचिकाकर्ता विजय हांसदा की सभी दलीलें खारिज कर दीं। साहिबगंज का यह मामला करीब 1,500 करोड़ रुपये के अवैध पत्थर-खनन घोटाले से जुड़ा है। वर्ष 2022 में ईडी ने इसकी जांच शुरू की थी।

झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र

भाजपा विधायकों ने सरकार को सात वचन की याद दिलाई, गीत गाकर किया विरोध

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन बुधवार को सदन का माहौल पूरी तरह से राजनीतिक तकरार और हंगामे से भरा रहा।

विपक्षी भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार को उसके सात वचनों की याद दिलाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। भाजपा विधायक नीरा यादव ने हाथों में तख्ती लेकर फिल्मी गीत 'क्या हुआ तेरा वादा, भूल गए वो दिन' गाकर सरकार पर तंज कसा। उनके इस अंदाज में अन्य भाजपा विधायक भी शामिल हुए और सरकार की वादाखिलाफी को जनता के सामने रखने की कोशिश की।

भाजपा विधायकों का आरोप है कि हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में आने से पहले सात प्रमुख वादे किए थे, जिनमें साढ़े चार सौ रुपये में गैस सिलिंडर, हर साल दस लाख युवाओं को रोजगार, तथा गरीबों को समय पर छात्रवृत्ति जैसे मुद्दे शामिल थे। लेकिन सरकार एक भी वचन पर खरी नहीं उतर सकी है। उनका कहना है कि सरकार विकास योजनाओं की बजाय बालू और संसाधनों की बंदरबांट में व्यस्त है। छात्रवृत्ति, विधवा पेंशन और मइया सम्मान योजना जैसी कई लाभकारी योजनाएं ठप पड़ी हैं, जिससे जनता निराश है। बीजेपी विधायकों ने कहा कि सात वचनों को पूरा होने तक वे सदन से सड़क तक आंदोलन जारी रखेंगे।

जहरीली गैस रिसाव पर भी उदासीन है ये सरकार

इधर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास कोई ठोस आंकड़ा नहीं है और वे सिर्फ बालू जैसे मुद्दों से जनता को भटका रहे हैं। भाजपा विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि सदन में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है और सरकार धनबाद कोलियरी क्षेत्र में हो रहे जहरीली गैस रिसाव पर भी उदासीन है।

भाजपा पर ड्रामेबाजी का आरोप लगाया

विधायक पूर्णिमा साहू ने भी सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया। वहीं, कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की और मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने बीजेपी पर ड्रामेबाजी का आरोप लगाया और कहा कि खजाना खाली करने का काम 2014-2019 में भाजपा सरकार ने ही किया था। कुल मिलाकर, सदन का वातावरण पूरे दिन हंगामेदार बना रहा।

बैठे-बैठे हार्ट अटैक इंदौर में कस्टमर का मोबाइल फाइनेंस कर रहा था, गिरा तो उठा नहीं

इंदौर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर के भंवरकुआ इलाके में इलेक्ट्रानिक दुकान पर निजी फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी को अचानक हार्ट अटैक आ गया। वह गश खाकर गिर गया। उसे नजदीक के अस्पताल ले जाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है, बुधवार को इसका वीडियो सामने आया है। भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक, मृतक का नाम शिवनारायण मालवीय (31) निवासी मूसाखेड़ी है।

वह तीन ईमली के पास अजय इंटरप्राइजेस नाम की मोबाइल दुकान में काम करता था। वह कस्टमर का मोबाइल फाइनेंस कर रहा था। तभी कुर्सी से नीचे गिर पड़ा। मृतक शिवनारायण के भाई रामगोपाल ने बताया, सुबह तक भाई ठीक था। घर से अच्छे से निकला। इसके बाद दोपहर में दुकान के कर्मचारी का फोन आया, उसने बताया कि भाई चक्कर खाकर गिर गया है। फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। प्रारंभिक तौर पर साइलेंट अटैक की बात कही गई है।

प्रह्लाद जोशी ने राहुल गांधी को बताया 'पार्ट-टाइम' राजनेता

आगामी जर्मनी दौरे को लेकर साधा निशाना

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला किया। उन्होंने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राहुल गांधी का जर्मनी का दौरा इस बात का उदाहरण है कि कांग्रेस सांसद एक 'पार्ट टाइम' राजनेता हैं। जोशी ने पत्रकारों से कहा, 'राहुल गांधी हमेशा संसद सत्र के दौरान अधिकांश समय विदेश में रहते हैं और बाद में कहते हैं कि उन्हें बोलने का मौका नहीं मिलता। बिहार चुनाव के दौरान भी वह विदेश में थे। वह पार्ट टाइम हैं, गंभीर राजनेता नहीं हैं।

राहुल गांधी के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर भाजपा के साथ मिलीभगत के आरोप पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस हर बार ईवीएम और चुनाव आयोग को दोष देती है जब उसे हार का सामना करना पड़ता है। जोशी ने कहा, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जब आप कर्नाटक में जीत गए तो क्या कहा? झारखंड में इंडिया ब्लॉक की जीत पर क्या कहा? तेलंगाना में जीत पर क्या कहा? लेकिन जब हारते हैं, तो ईवीएम और चुनाव आयोग को दोष देते हैं। वह यह कहना चाहते हैं कि जीत के समय यह उनकी वजह से है और हार के समय यह प्रणाली (सिस्टम) की वजह से। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आगामी बर्लिन दौरे ने सियासी हलचल मचा दी है। भाजपा ने उन पर लोकसभा के अहम शीतकालीन सत्र के दौरान विदेश जाने के को लेकर हमला किया है। राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के एक प्रमुख कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वह पूरे यूरोप से आईओसी के नेताओं से मुलाकात करेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) ने इस दौरे को दुनिया से संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अहम पहल बताया। आईओसी ने घोषणा की कि राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करेंगे। इस दौरान यूरोप भर के आईओसी के अध्यक्ष एकत्र होंगे, ताकि प्रवासी भारतीयों के मुद्दों, कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और पार्टी के वैचारिक दायरे को बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा हो सके। आईओसी के ऑस्ट्रिया के अध्यक्ष ऑसफ खान ने कहा कि संगठन राहुल गांधी की मेजबानी पर सम्मानित महसूस कर रहा है। उन्होंने सैम पित्रोदा और आरती कृष्णा जैसे वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, हम राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। वह 17 दिसंबर, 2025 को बर्लिन में भारतीय प्रवासी समुदाय से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम में यूरोप भर के इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सभी अध्यक्ष एकत्र होंगे और राहुल गांधी के साथ मुख्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे, खासतौर से कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने, एनआरआई मुद्दों और आईओसी की भूमिका को बढ़ाने पर। हम राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, आरती कृष्णा और अन्य माननीय नेताओं से अमूल्य मार्गदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

राहुल गांधी पर कंगना रनौत का विवादित बयान

संसद परिसर में कहा- 'उनके चरित्र में कोई ताकत नहीं '

मंडी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। दरअसल, राहुल गांधी का 15 दिसंबर से जर्मनी दौरा है। वे लोकसभा के शीतकालीन सत्र के बीच में ही विदेश दौरे पर जा रहे हैं। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद कंगना रनौत ने बड़ी विवादित बात कह दी है। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने कहा, मैं उनके (राहुल गांधी) के दौरों की कोई खबर नहीं रखती हूं, न ही उनके बारे में कोई न्यूज पढ़ती हूं। उनकी खबरें हमेशा बेकार ही होती हैं। कंगना रनौत ने आगे कहा, यह सबके लिए प्रत्यक्ष है कि उनकी पार्टी (कांग्रेस) क्यों सिंगल डिजिट पर आ गई है। इस तरह के किरदार और चरित्र पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती क्योंकि उनके चरित्र में कोई ताकत नहीं है। इसलिए मेरे पास उनके बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है।

इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है कि राहुल गांधी जर्मनी की यात्रा पर आ रहे हैं। वो भारत की वैश्विक भूमिका को लेकर यहां बातचीत करेंगे। इसके अलावा, राहुल गांधी जर्मनी के सांसदों से भी मुलाकात करेंगे। इतना ही नहीं, राहुल गांधी जर्मनी में रहने वाले भारतीयों से मिलेंगे और उनसे बातचीत करेंगे। इस बात की पुष्टि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस यूके के महासचिव विक्रम दुहान ने की है।

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ दर्ज होगा मुकदमा

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- 'इनकी जगह जेल में है '

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महिलाओं पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य की मुश्किल बढ़ गई है। बीते अक्टूबर 2025 में अपनी कथा के दौरान महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने के मामले में कोर्ट ने अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ आधिकारिक रूप से परिवाद दर्ज कर लिया है। अब कथावाचक को कोर्ट में पेश होकर जवाब देना होगा। इसको लेकर अब उद्धव ठाकरे गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की प्रतिक्रिया आई है।

प्रियंका चतुर्वेदी से जब सवाल किया गया कि महिलाओं पर की गई टिप्पणी को लेकर अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। इसपर वो क्या कहना चाहेंगी? जवाब में शिवसेना यूबीटी की सांसद ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि कोर्ट ने संज्ञान लेकर अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

इतना ही नहीं, प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, एक गुरु, जिनकी इतनी बड़ी फॉलोइंग है, वो महिलाओं को लेकर ऐसे बयान देते हैं तो सोसाइटी करप्ट होती है। प्रियंका चतुर्वेदी के अलावा, कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने अपील की है कि लोग ऐसे बाबाओं के पास जाना बंद करें। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश हमारे देश में ऐसे बहुत सारे बाबा हैं जिनकी जगह जेल में है। उन्हें सुना नहीं जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने यह भी सवाल उठाया कि ऐसे बाबाओं को लोग मुंह क्यों लगाते हैं? ऐसे बाबाओं के पास जाना बंद करिए, उनकी दुकान बंद करिए। ये खुद ही अपने मुंह पर टेप लगा लेंगे।

दरअसल, अक्टूबर के महीने में अनिरुद्धाचार्य ने कथा के दौरान देश की बेटियों पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि आजकल बेटियों की शादियां 25 की उम्र में होती हैं। पहले जल्दी शादियां होती थीं तो ठीक था। अब देर से होती हैं, तब तक लड़कियां कई लड़कों के साथ दोस्ती कर चुकी होती हैं। उन्होंने विवादित बयान देते हुए यह कहा था- 'इस उम्र तक लड़कियां कई जगह मुंह मार चुकी होती हैं।'

अपने खिलाफ केस को लेकर अनिरुद्धाचार्य ने खुद कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया था। वकीलों के साथ उनका मंथन चल रहा है। मामले में अगली सुनवाई एक जनवरी को होगी। तभी याचिकाकर्ता का बयान दर्ज किया जाएगा।

लड़की के चक्कर में दोस्त बना दुश्मन, युवक के हाथ-पैर और सिर काटकर कुएं में फेंका

अहमदाबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात से हत्या का एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। 20 वर्षीय युवक पिछले कई दिनों से लापता था और अब उसकी लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। उससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि कातिल कोई और नहीं बल्कि उसका दोस्त ही है। गुजरात के नखत्राणा स्थित मुरु गांव में रहने वाला रमेश महेश्वरी 6 दिन से लापता था।

परिजनों ने 2 दिसंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। जांच में शक की सुई रमेश के दोस्त किशोर की तरफ घूमी और पुलिस के डर से किशोर ने सारा सच उगल दिया। किशोर ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच एक महिला को लेकर झगड़ा हो गया था। लड़ाई इतनी बढ़ी कि किशोर ने रमेश का कत्ल कर दिया। गुजरात पुलिस के अनुसार, किशोर ने एक महिला को इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। किशोर उस महिला पर रिलेशनशिप में आने का दबाव बना रहा था।

गुजरात में निर्भया जैसा कांड

6 साल की बच्ची के साथ हैवानियत; प्राइवेट पार्ट में डाली रॉड

राजकोट, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट जिले के जसदन तालुका के आटकोट गांव में छह साल की बच्ची के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। आरोपी ने बच्ची के साथ न सिर्फ रेप करने की कोशिश की बल्कि उसके प्राइवेट पार्ट में रॉड भी डाल दिया। खून से लथपथ हालत में बच्ची को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस ने मुख्य आरोपी 30 वर्षीय रामसिंह तेरसिंह को पास के ही खेत से गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, मज़दूर परिवार की बच्ची खेत में खेल रही थी, तभी आरोपी ने घिनौनी हरकत की। रामसिंह उसे खेत के पास एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ गंदी हरकत की। यह घटना 4 दिसंबर की है। पुलिस ने 100 संदिग्धों से पूछताछ कर मामले को सुलझाया। मुख्य आरोपी रामसिंह तेरसिंह की पहचान

कर पुलिस ने उसे घटना के बगल वाले खेत से गिरफ्तार किया।

एसपी विजय सिंह गुर्जर ने बताया कि वर्षीय बच्ची का परिवार खेत में 'भाग्यु' (बटाई) के तौर पर खेती करता है। यह श्रमिक परिवार मूल रूप से दाहोद जिले का रहने वाला है। आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। दुष्कर्म का प्रयास विफल होने पर, आरोपी ने बच्ची के गुप्तांगों पर चोट पहुंचाई।

पुलिस को सूचना मिलते ही बच्ची को राजकोट जनाना अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए 10 अलग-अलग टीमें बनाईं। पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ की और आसपास के गांवों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले। आरोपी मध्य प्रदेश का रहने वाला है। आरोपी भी शादीशुदा है और वह बगल के खेत में ही 'भाग्यु' पर खेती करता था।

पुलिस ने बताया कि 4 दिसंबर को बच्ची खेतों के पास खेल रही थी, जबकि उसके माता-पिता पास में ही काम कर रहे थे। एक अनजान आदमी कथित तौर पर उसे अगवा करके ले गया और उसके साथ रेप करने की कोशिश की। जब बच्ची चिल्लाई, तो हमलावर ने कथित तौर पर उसके प्राइवेट पार्ट्स में एक मेटल की रॉड डाल दी, जिससे बहुत ज़्यादा खून बहने लगा, और फिर वह मौके से भाग गया। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, उसकी हालत अभी स्थिर है और अगले दो से तीन दिनों में उसे डिस्चार्ज किए जाने की संभावना है।

जमीनों पर भू-माफियाओं की है नजर

हाईकोर्ट ने कहा- खुद की जमीन भी सुरक्षित रखना चुनौती, महिला को जमीन बेचने की अनुमति

जबलपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में उत्तरप्रदेश में रहने वाली एक महिला ने याचिका दायर करते हुए जमीन बेचने की अनुमति मांगी थी, जिसे कोर्ट कुछ शर्तों के साथ स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी टिप्पणी की है कि पूरे देश में खुद की जमीन भी भू-माफियाओं से सुरक्षित रख पाना चुनौती बन गई है। जमीनों की कीमतें भी हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है। दरअसल, उत्तरप्रदेश के गाजी नगर में रहने वाली ज्योतिराज बालादास की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए बताया गया कि उनके पति रेलवे में लोको पायलट थे। 2022 में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने जीवित रहते हुए शहडोल के ग्राम सोखी में कुछ जमीन खरीदी थी। अब जबकि वह बच्ची के साथ उत्तरप्रदेश में रह रही है, ऐसे में शहडोल की जमीन पर नजर बनाए रखना में कठिनाई जा रही है। ज्योतिराज बालादास ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करते हुए जमीन बेचने की अनुमति मांगी थी। सुनवाई के दौरान जमीन की सुरक्षा से जुड़े मामले में जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इन दिनों देश के सभी हिस्सों में भू-माफिया सक्रिय हैं। जमीन की कीमतें हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। ऐसे में व्यक्ति के लिए अपनी जमीन को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मां के सामने कुछ शर्तें भी रखी हैं।

एमपी के सागर में बड़ा हादसा, पुलिस वैन और कंटेनर की भिड़ंत में 4 जवानों की मौत

सागर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में बड़े हादसे की खबर है। सागर के नेशनल हाईवे-44 पर बांदरी के पास बुधवार (10 दिसंबर) की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार कंटेनर और पुलिस के बीडीडीएस वाहन में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में पुलिस वाहन में सवार 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है। यह टीम बालाघाट में ड्यूटी पूरी कर मुरैना लौट रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। बीडीडीएस टीम का डॉग सुरक्षित है। जानकारी के अनुसार, मुरैना जिले का बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड बालाघाट में ड्यूटी पर तैनात था। वहां से वे बीडीडीएस वाहन (क्रमांक एमपी 03 एए 4883) में सवार होकर वापस मुरैना लौट रहे थे।

इसी दौरान नेशनल हाईवे पर बांदरी के पास झिंझनी घाटी पर सामने से आ रहे कंटेनर से पुलिस वाहन की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डॉग मास्टर समेत चार जवानों की जान चली गई। कंटेनर और पुलिस वाहन की भिड़ंत इतनी भीषण थी कि ड्राइवर और जवान गाड़ी के अंदर ही फंस गए। बीडीडीएस का वाहन आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस ने जेसीबी की मदद से वाहन की बॉडी काटकर शवों को बाहर निकाला। इसके बाद शवों का पंचनामा बनाकर बांदरी अस्पताल भेजा गया। जांच में मृतकों की पहचान जवान प्रधुमन दीक्षित, अमन कौरव और चालक परमलाल तोमर (तीनों निवासी मुरैना) के रूप में हुई है। वहीं, चौथे मृतक डॉग मास्टर विनोद शर्मा भिंड के निवासी थे। हादसे में आरक्षक राजीव चौहान (निवासी मुरैना) गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

गोवा अग्निकांड में एक और गिरफ्तारी

गोवा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के नाइट क्लब में लगी भीषण आग और 25 लोगों की मौत का मामला चर्चा में है। इस कांड में बर्च बाय रोमियो लेन के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा थाइलैंड भाग चुके हैं लेकिन आज गोवा पुलिस को बड़ी सफलता मिला है। गोवा पुलिस ने दिल्ली से अजय गुप्ता नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। अजय, सौरभ और गौरव का काफी करीबी है। अजय गुप्ता के खिलाफ पहले ही लुक आउट सर्कुलर जारी किया जा चुका था, पहले ये घर पर नहीं मिला था। अजय गुप्ता, सौरभ और गौरव का बिजनेस पार्टनर बताया जाता है।

आज गोवा में 'बर्च बाय रोमियो लेन' क्लब के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया गया। लूथरा ब्रदर्स के वागाटोर बीच पर बने रोमियो लेन क्लब के एक बड़े हिस्से पर सीएम सावंत के आदेश पर बुलडोजर चलाया गया। ये बुलडोजर क्लब के उस हिस्से पर चला, जिसे अतिक्रमण करके बनाया गया था। गोवा टूरिज्म डिपार्टमेंट के डिप्टी डायरेक्टर धीरज ने बताया कि इस साल जुलाई में भी क्लब के इस हिस्से को गिराया गया था लेकिन फिर से अतिक्रमण कर लिया गया था। बता दें कि लूथरा ब्रदर्स के क्लब का साम्राज्य देश के 22 शहरों और 4 देशों तक फैला है। लूथरा ब्रदर्स के साथ ही अजय गुप्ता नाम का शख्स भी काम करता है। यही वजह है कि गोवा पुलिस ने इस शख्स को अरेस्ट किया है।

गर्लफ्रेंड को आश्रय गृह भेजा जाने लगा तो प्रेमी गाड़ी के पीछे दौड़ा, फूट-फूटकर रोया और गिड़गिड़ाया; बेहोश होकर गिरा

रतलाम, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कलेक्ट्रेट में दोपहर उस समय भावुक माहौल बन गया, जब एक युवक अपनी प्रेमिका को उज्जैन आश्रय स्थल भेजे जाने का विरोध करते हुए गाड़ी के पीछे दौड़ पड़ा और बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। परिजन उसे एक्टिवा से तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। दरअसल, यह मामला रतलाम के 20 वर्षीय युवक और 19 वर्षीय युवती के प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। दोनों कुछ दिन पहले घर से भाग गए थे और 2 दिसंबर को स्टांप पर साथ रहने का एग्रीमेंट भी बनाया था। इसके बाद 4 दिसंबर को युवती के परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने बाद में युवती को बरामद कर लिया।

थाने में युवती ने अपने माता-पिता के साथ रहने से इनकार करते हुए युवक के साथ रहने की इच्छा जताई लेकिन युवक की उम्र 21 साल से कम होने के कारण पुलिस ने नियमानुसार युवती को वन स्टॉप सेंटर भेजने का निर्णय लिया।

रोहिंग्या पर सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणी

के समर्थन में आए 44 पूर्व जज

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में रोहिंग्याओं से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान और सवालों की 44 रिटायर्ड जजों ने आलोचना की है। इन रिटायर्ड जजों ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत की टिप्पणी पर सवाल उठानेवालों को आड़े हाथों लिया है और एक लेटर जारी करते हुए सीजेआई का समर्थन किया है। हाल ही में हाईकोर्ट रिटायर्ड जजों, सीनियर वकीलों और लीगल स्कॉलर्स ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नाम एक ओपेन लेटर लिखकर उनकी टिप्पणी को अविवेकपूर्ण बताया था। अब इसी कैंपेन के खिलाफ रिटायर्ड जज उतर पड़े हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में मशहूर लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ। रीता मनचंदा की याचिका पर सुनवाई हो रही थी। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि भारत में रोहिंग्या शरणार्थियों को हिरासत में लेकर गायब कर दिया गया है। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा था कि रोहिंग्याओं को शरणार्थी का दर्जा किसने दिया।

आप (रोहिंग्या) पहले सुरंग खोदकर या बाड़ पार करके अवैध रूप से दाखिल होते हैं, फिर खाना, पानी और पढ़ाई का हक मांगते हैं। चीफ जस्टिस की इस टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए उन्हें घेरने की कोशिश की गई थी। 44 रिटायर्ड जजों ने अपनी चिट्ठी में लिखा कि हम, रिटायर्ड जज, रोहिंग्या माइग्रेंट्स से जुड़ी कार्यवाही में माननीय चीफ जस्टिस की टिप्पणियों के बाद उन्हें (माननीय चीफ जस्टिस) निशाना बनाने वाले सोचे-समझे कैंपेन पर अपनी कड़ी आपत्ति जताते हैं।

चिट्ठी में लिखा गया- न्यायिक कार्यवाही की निष्पक्ष, तर्कपूर्ण आलोचना हो सकती है और होनी भी चाहिए। हालांकि, हम जो देख रहे हैं, वह सिद्धांतों पर असहमति नहीं है, बल्कि एक रूटीन कोर्टरूम कार्यवाही को भेदभाव वाला काम बताकर ज्यूडिशियरी को गलत साबित करने की कोशिश है। चीफ जस्टिस पर सबसे बुनियादी कानूनी सवाल पूछने के लिए हमला किया जा रहा है: कानून के हिसाब से, कोर्ट के सामने जिस स्टेटस का दावा किया जा रहा है, वह किसने दिया है?

अधिकारों या हकों पर कोई फैसला तब तक आगे नहीं बढ़ सकता जब तक इस सीमा पर पहले ध्यान नहीं दिया जाता। इसी तरह, इस अभियान में सुप्रीम कोर्ट की बेंच की इस साफ़ बात को आसानी से नज़रअंदाज़ कर दिया गया है कि भारत की ज़मीन पर किसी भी इंसान, नागरिक या विदेशी को टॉर्चर, गायब या अमानवीय बर्ताव का शिकार नहीं बनाया जा सकता, और हर इंसान की रिस्पेक्ट जाना चाहिए। इसे दबाना और फिर कोर्ट पर "अमानवीयकरण" का आरोप लगाना, असल में कही गई बात को बहुत ज़्यादा तोड़-मरोड़कर पेश करना है।

ट्रेन में सोता रह गया मुंबई का कारोबारी, चोरों ने उड़ाया 5 करोड़ के गोल्ड से भरा बैग

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सोलापुर से मुंबई जा रहे एक व्यापारी की ट्रेन में अचानक आंख लग गई। कुछ देर की झपकी के बाद जब वो नींद से जागा, तो उसकी आंखें फटी की फटी रह गईं। व्यापारी के करोड़ों के गहने गायब हो चुके थे। इस घटना से पूरी ट्रेन में हड़कंप मच गया। यह मामला सिद्धेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन का है। मुंबई के इस व्यापारी ने 6 दिसंबर की रात को सोलापुर के लिए ट्रेन पकड़ी थी। मगर, मुंबई पहुंचने से पहले व्यापारी के सारे गहने चोरी हो गए। इन गहनों की कीमत 5.53 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

कल्याण में स्थित जीआरपी पुलिस के अनुसार, व्यापारी के पास 2 ट्रॉली बैग थे, जिनमें 4,456 ग्राम सोने के गहने मौजूद थे। यह बैग उसने अपनी सीट के नीचे रखकर चेन से बांध दिए थे। रात में जब उसकी आंख लग गई, तो चोर ने चेन तोड़कर ट्रॉली बैग उठाए और मौके से फरार हो गया। यह घटना सोलापुर से कल्याण (ठाणे) के बीच हुआ। कुछ देर बाद जब व्यापारी की आंख खुली तो उसने देखा कि बैग गायब थे। उसने फौरन पुलिस को चोरी की जानकारी दी।

14 बच्चों को जन्म देने वाली 45 साल की मां ने

पैसे के लिए 6 बच्चे बेच डाली

जांच के लिए बनी कमेटी

नासिक, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में एक महिला ने 2 या 3 नहीं बल्कि पूरे 14 बच्चों को जन्म दिया। 45 साल की उम्र में यह महिला 14 बच्चों की मां बन गई। इस मां ने 14 बच्चों के साथ एक हैरान करने वाला काम किया। आरोप है कि महिला ने पैसे के लिए अपने छह बच्चों को बेच दिया। जानकारी के मुताबिक नाशिक के त्र्यंबकेश्वर तालुका के टाके देगांव स्थित बरड्याची वाडी और वावीहर्ष पाड़े में रहने वाली 45 वर्षीय आदिवासी महिला बच्चूबाई हंडोगे ने अब तक 14 बच्चों को जन्म दिया है। आर्थिक समस्याओं और बच्चों की बीमारी में उचित इलाज न मिल पाने के कारण इन 14 बच्चों में से 6 बच्चों को बेचने का शक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता ने जताया है।

पैसों के लिए अपने ही बच्चे को बेचने की आशंका ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। इसके बाद स्थानीय प्रशासन भी हरकत में आ गया। फिलहाल इस पूरे प्रकरण में बच्चों के माता-पिता की मानें तो उन्होंने हाल ही में हुए एक बच्चे को बेचने के बजाय रिश्तेदारों को गोद दे दिया है। हालांकि, उस बच्चे को कोई चिकित्सा उपचार नहीं मिला। अब इस मामले में जिला प्रशासन एक समिति का गठन किया है और जिला कलेक्टर ने भी इस समिति के माध्यम से पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। घोटी पुलिस ने इन बच्चों की तलाश के लिए शाहपुर, ठाणे और अन्य क्षेत्रों में तीन टीमें तुरंत भेजी हैं। दरअसल, एक कार्यक्रम के तहत आशा वर्कर्स नवजात बच्चों के घर जाकर उनकी जांच करती हैं।

ग्रामीण अस्पताल में एक महिला की 14 बार डिलीवरी हो चुकी है। हाल ही में एक बच्चे का जन्म के बाद उसका वजन कम था। जब आशा वर्कर्स जांच के लिए जब वहां पहुंची तो पता चला बच्चा उस महिला के पास नहीं था और उसने कहा कि उसने किसी को दे दिया।

'जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी'

पीयूष गोयल ने बताया क्यों सबसे भरोसेमंद हैं राजस्थानी

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में आज पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया। आयोजन के शुभारंभ के साथ ही एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग शुरू हुई, जो राजस्थान में औद्योगिक विकास की नई राह खोलने वाला कदम माना जा रहा है। इस मौके पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि वे राजस्थान के ब्रांड एंबेसडर बनकर राज्य के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। गोयल ने कहा कि दुनियाभर में एक करोड़ से अधिक प्रवासी राजस्थानी रहते हैं और यदि हर व्यक्ति अपने गांव व क्षेत्र के विकास में योगदान दे व राज्य में निवेश को बढ़ावा दे तो राजस्थान को देश में नंबर एक बनने से कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राजस्थान के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले दो वर्षों में नवाचारों के जरिए लोगों व निवेशकों को जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल की है। गोयल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू में से लगभग एक चौथाई निवेश अब जमीन पर उतर चुका है, जो राज्य की आर्थिक प्रगति का संकेत है।

राजस्थानियों के योगदान को सराहा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रवासी राजस्थानी दिवस पर दुनिया भर में बसे राजस्थानियों के योगदान को सराहते हुए कहा, विश्व के हर कोने में एक सफल राजस्थानी अवश्य मिलता है, जो न सिर्फ अपनी मेहनत और लगन से पहचान बनाता है, बल्कि भारत का नाम भी रोशन करता है।

उन्होंने बताया कि आज एक करोड़ से अधिक प्रवासी राजस्थानी विदेशों में रहते हैं, जो जहां भी गए वहां समाज, व्यापार और रिश्तों के जरिए सम्मान हासिल किया। गोयल ने प्रसिद्ध कहावत "जहां ना

पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी" का उल्लेख करते हुए कहा, आप सभी ने इस कहावत को अपने काम और सफलता से सही साबित किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थानियों ने कभी किसी चुनौती के आगे सिर नहीं झुकाया। विपरीत परिस्थितियों में भी मेहनत, जिद और कर्मठता ने उन्हें आगे बढ़ाया और वैश्विक मंच पर अलग पहचान दिलाई।

निवेश और व्यापार के संदर्भ में विश्वास को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए गोयल ने कहा, राजस्थानियों की सबसे बड़ी ताकत उनकी विश्वसनीयता है। उन्होंने कहा, राजस्थान के लोग भरोसे के प्रतीक हैं। वे जो वादा करते हैं, उसे निभाते हैं। यही डिपेंडेबिलिटी हर रिश्ते और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि यह भरोसा और समर्पण ही वह पूंजी है, जिस पर देश और दुनिया राजस्थान के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकते हैं।

इससे पहले कार्यक्रम का आगाज उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के स्वागत संबोधन से हुआ। मंच से उन्होंने कहा, जहां मातृभूमि है, वहीं घर है। परंपरा, प्रगति और अपनेपन की धरती राजस्थान आपके स्वागत के लिए तैयार है।उन्होंने बताया कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ईज ऑफ बिजनेस को सरल बनाया गया है, नए औद्योगिक क्षेत्रों का विस्तार किया गया है। साथ ही कई पुराने जटिल कानून समाप्त कर दिए गए हैं।

'निवेशकों की पहली पसंद बन रहा राजस्थान'

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, आज भारत में आने वाला हर बड़ा निवेशक राजस्थान को अपनी प्राथमिक पसंद के रूप में देखने लगा है। उन्होंने बताया कि पांच दशक पहले किसी को अंदाजा नहीं था कि राजस्थान की धरती के नीचे इतनी बड़ी मात्रा में खनिजों का वैश्विक भंडार छिपा है।

पंजाब के उदाहरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जैसे पंजाब पूरे देश का पेट भरता है, उसी तरह राजस्थान में पूरी दुनिया की जरूरत के खनिज उपलब्ध कराने की क्षमता है। अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि अब राज्य में खनन गतिविधियों को विस्तार देने का सही समय है, क्योंकि यहां जितने विविध खनन क्षेत्र (पैचेज) मौजूद हैं, वैसा भूगोल दुनिया में कहीं और नहीं मिलता।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की भूमिगत संपदा इतनी विशाल है कि इस पर वे पूरी रात चर्चा कर सकते हैं। प्रदेश में खनिजों के 40 अनोखे पठार हैं, जो दुनिया में किसी और जगह नहीं पाए जाते। अग्रवाल ने बताया कि वेदांता समूह राज्य में एक इंडसट्रियल पार्क शुरू करने जा रहा है, जहां दो करोड़ से 200 करोड़ रुपए तक की इकाइयां स्थापित की जा सकेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में व्यापार और उद्योग के लिए माहौल पहले की तुलना में काफी सुगम हुआ है। वेदांता अब तक प्रदेश के राजकोष में तीन लाख करोड़ रुपये टैक्स के रूप में जमा करा चुका है। अग्रवाल ने कहा कि उनका सपना है कि राजस्थान में देश का सबसे बड़ा फर्टिलाइजर प्लांट स्थापित हो। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि प्रदेश में चोप स्टेडियम का निर्माण कार्य जल्द गति पकड़े।

मारवाड़ी गौरव गाथा पर आधारित विशेष फिल्म दिखाई

कार्यक्रम में एक विशेष फिल्म 'जहां न पहुंचे बैलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी' दिखाई गई। इसमें दर्शाया गया कि किस तरह मारवाड़ी व्यापारियों ने देश-दुनिया में अपनी पहचान और सफलता की अनूठी मिसाल पेश की। प्रवासी राजस्थानियों के बीच यह फिल्म आकर्षण का केंद्र रही।

सीएम ने की पूजा, प्रदर्शनी बनी आकर्षण

कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि की कामना की। जेईसीसी परिसर में 'प्रगति पथ' थीम पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें राज्य सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास यात्रा को दर्शाती फिल्में और पैनल प्रदर्शित किए गए। इसका उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को राज्य की प्रगति से सीधे जोड़ना था ताकि वे 'बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान' की भावना के साथ लौटें।

बड़े उद्योगपतियों की मौजूदगी

इस अवसर पर वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल तथा टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी प्रवीर सिन्हा ने भी उद्बोधन दिया। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव और जयंत चौधरी की उपस्थिति ने आयोजन को और महत्व दिया।

अजमेर दरगाह और कलक्ट्रेट को 6 दिन में दूसरी बार बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

अजमेर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट और कोटा में कलक्ट्रेट के बाद अब बुधवार सुबह अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह और अजमेर कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की फिर धमकी मिली है। छह दिन में दूसरी बार धमकीभरा ई-मेल मिलने से शहर में हड़कंप मच गया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर दरगाह और कलक्ट्रेट परिसर को खाली कराया है। मौके पर बम निरोधक दस्ते ने पहुंचकर तलाशी शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार दरगाह कमेटी और अजमेर जिला कलक्टर की ऑफिशियल आईडी पर सुबह धमकी का ई-मेल आया। इसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को सूचित किया गया। बम की खबर के बाद बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड, पुलिस और सेना के जवान मौके पर पहुंचे। चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा रही है। अभी तक विस्फोटक या अन्य कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली हैं।

राजस्थान में इस महीने चौथी बार धमकी, अब कोटा कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर करवाया खाली, सर्च में जुटे सेना के जवान

गौरतलब है कि राजस्थान में इस महीने पांचवीं बार धमकी मिली है। इससे पहले 3 दिसंबर को जयपुर कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। 4 दिसंबर को अजमेर कलक्ट्रेट और गरीब नवाज की दरगाह को बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल मिला था। 5 दिसंबर को जयपुर में राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हालांकि, कहीं पर भी विस्फोटक नहीं मिला था।

पुलिस ने दरगाह क्षेत्र और अजमेर जिला कलक्ट्रेट रोड पर आमजन की आवाजाही को रोक दिया। जिसके चलते शहर के अन्य मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। संबंधित दोनों जगहों पर भारी पुलिसबल तैनात होने से शहर में भय का माहौल बना रहा।

धमकी मामले पर गृह विभाग का कहना है कि ई-मेल उन वीपीएन के माध्यम से आया था जो उन देशों से लिंक हैं जिनके साथ भारत की संधि नहीं है। इस वजह से उन वीपीएन तक पहुंचने में कठिनाई आ रही है और केंद्र सरकार स्तर पर इस परेशानी के समाधान के प्रयास चल रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष चांदमल जैन और परिवार के 9 सदस्यों पर एफआइआर दर्ज, एसीबी ने शुरू की जांच

बांसवाड़ा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के बड़ोदिया पंचायत में मिलीभगत कर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष व उनके परिवार के 9 सदस्यों के नाम पर मुख्यमार्ग से सटी करोड़ों की जमीन के पट्टा आवंटन में भ्रष्टाचार को लेकर एसीबी ने शिकंजा कसा है। एक ही परिवार के 9 सदस्यों सहित 11 व्यक्तियों के खिलाफ जयपुर मुख्यालय ने प्रकरण दर्ज किया है।

एसीबी सूत्रों के अनुसार 12 अक्टूबर-2021 से 16 फरवरी-2022 के बीच हुए 2.40 करोड़ की जमीन के गड़बड़झाले में तत्कालीन वीडीओ राजकुमार शर्मा, सरपंच और मौजूदा प्रशासक रमेश डोडियार के साथ कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष चांदमल पुत्र मीठालाल जैन, उनकी पत्नी नाथीबाई, बेटा नीतेश, पुत्रवधू राजमती, विकास, पुत्रवधू नीलम, प्रियंका पत्नी मयंक जैन और पोते-पोती सेजल और तक्ष जैन को आरोपी बनाया गया है। एसीबी मुख्यालय ने केस दर्ज कर अनुसंधान ब्यूरो डूंगरपुर के डीएसपी को सौंपा है।

बड़ोदिया निवासी जयंतलाल भट्ट ने 2021 में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, जिला प्रशासन और फिर एसीबी में शिकायत की थी। विभागीय जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई। टीम ने पाया कि जो जमीन आवंटित की गई, वह राजस्व रिकॉर्ड में बड़ोदिया पंचायत के आबादी विस्तार के लिए आरक्षित गैरमुमकीन आबादी दर्ज है। मिलीभगत कर जैन परिवार के सदस्यों को उ€क्त जमीन के नियम विरुद्ध पट्टे आवंटित किए गए। कमेटी ने आवंटन गलत बताते हुए नतीजा रिपोर्ट पेश की।

उधर, जयपुर एसीबी ने इस मामले की जांच एसपी पुलिस प्रशासन जयपुर पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ को सौंपी। राठौड़ ने विभागीय जांच की पत्रावली हासिल कर दोबारा पड़ताल की। इसमें आरोप प्रमाणित पाए गए। रोड साइड के कुल 9 प्लॉट हैं। कुल जमीन करीब एक बीघा है। बाजार कीमत करीब पांच करोड़ रुपए से ज्यादा है। जांच में यह भी सामने आया कि दान की श्रेणी में दिखाई गई जमीन के पट्टे जारी करना पंचायत के क्षेत्राधिकार से बाहर है।बावजूद इसके, बिना वैध प्रस्ताव और नीलामी प्रक्रिया अपनाए, जैन परिवार के नाम पर प्रशासन गांवों के संघ अभियान के दौरान पट्टे जारी कर, सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया गया।

भाभी-पड़ोसी को काट डाला था *हत्यारे भाइयों को फांसी की सजा*

शादी नहीं कराने से नाराज थे, परिवार पर किया हमला

भीनमाल, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। शादी नहीं कराने पर भाभी और पड़ोसी की हत्या करने वाले दो भाइयों को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। दोनों भाइयों ने पारिवारिक रंजिश में बड़े भाई और उसके परिवार पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। जालोर के भीनमाल एडीजे कोर्ट ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। एडीजे राजेंद्र साहू ने दोनों पर 10 लाख रुपए का अर्थदंड (जुर्माना) भी लगाया गया है। कोर्ट ने 2 साल और 8 महीने बाद मामले में फैसला सुनाया। अपर लोक अभियोजक भरत आर्य ने बताया- रामसीन थाना क्षेत्र के मोदरान गांव में 3 अप्रैल 2023 को दो भाइयों डूंगर सिंह (45) और पहाड़ सिंह (46) ने बड़े भाई रतन सिंह (48), उनकी पत्नी इंदिरा कंवर (45) और बेटी रिंकू कंवर (20) पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया था। हमले में इंदिरा कंवर और उनको बचाने आए पड़ोसी हरिसिंह (33) की मौत हो गई थी। वहीं रतन सिंह और बेटी रिंकू घायल हो गए थे। दोनों दोषियों डूंगर सिंह और पहाड़ सिंह की शादी नहीं हुई थी। वे अपनी शादी के लिए बड़े भाई रतन सिंह पर दबाव बना रहे थे। दोनों की उम्र ज्यादा हो गई थी। दोनों बेरोजगार भी थे। इधर बड़े भाई रतन सिंह ने बेटी रिंकू कंवर का आटा-साटा में विवाह करने से इनकार कर दिया था। इसी कारण दोनों ने बड़े भाई के परिवार पर हमला कर दिया था। हमले के बाद घटना स्थल पर पहुंचे ASI सुरेंद्र सिंह से भी दोनों ने झगड़ा किया, जिसमें वे घायल हो गए थे। पुलिस ने दोनों भाइयों को घर से पकड़ लिया था। दोनों की गिरफ्तारी के बाद तत्कालीन और वर्तमान थानाधिकारी अरविंद सिंह ने 56 दिन में जांच पूरी कर कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया। मामले में कुल 30 गवाह पेश किए गए। परिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता (वकील) पृथ्वी सिंह बागोड़ा ने पैरवी की।

सरकारी स्कूलों का हाल देख शिक्षा मंत्री के भी उड़े होश!

विधायकों को देना पड़ सकता है एमएलए फंड

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति पर चिंताजनक डेटा सामने आया है। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कार्यालय से जारी डेटा के अनुसार, राज्य में 3,768 सरकारी स्कूलों की पूरी बिल्डिंग खराब हालत में हैं, जिन्हें पूरी तरह से रिकंस्ट्रक्शन की जरूरत है। विभाग के तकनीकी शिक्षकों के सर्वे के मुताबिक, 83,783 क्लासरूम और 16,765 टॉयलेट भी पूरी तरह से खराब हालत में पाए गए हैं। राज्य में कुल 65,000 सरकारी स्कूल हैं। इसके अलावा, 2,19,902 क्लासरूम और 29,753 टॉयलेट की मरम्मत की तत्काल जरूरत है।

एमएलए फंड का 20% मांगा

मंत्री दिलावर ने इस गंभीर

स्थिति से निपटने के लिए सोमवार को सभी एमएलए को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने स्कूल बिल्डिंग्स की मरम्मत के लिए एमएलए लोकल एरिया डेवलपमेंट फंड (1 करोड़ रुपये) का 20% देने का अनुरोध किया है। मंत्री ने पत्र में कहा कि, 'इस साल भारी मॉनसून बारिश को देखते हुए, पुरानी बिल्डिंग्स की जगह नई बिल्डिंग्स बनाने की तुरंत जरूरत है। इन बड़े कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी फंड की जरूरत है।'

यह विस्तृत सर्वे और फंड की मांग जुलाई में झालावाड़ जिले में एक स्कूल बिल्डिंग गिरने की घटना के बाद आई है, जिसमें सात बच्चों की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना के बाद ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घोषणा की थी कि MLA फंड का 20% सालाना ₹MLA शिक्षा का साथी योजना₹ के तहत स्कूल बिल्डिंग्स पर खर्च होगा। इससे पहले, 2 दिसंबर को राजस्थान हाई कोर्ट ने खराब स्कूल बिल्डिंग्स की मरम्मत के लिए पूरा रोडमैप जमा करने में विफल रहने पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने 5 दिसंबर तक शिक्षा सचिव के हलफनामे के साथ एक बदला हुआ रोडमैप और बजट की पूरी डिटेल्स जमा करने का निर्देश दिया था।

विधायक अनिल कुमार कटारा ने छात्रावास का किया औचक निरीक्षण, वार्डन को हटाया

डूंगरपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। नाना भाई खांट छात्रावास झलाप का विधायक अनिलकुमार कटारा ने निरीक्षण किया। छात्रावास में 50 छात्रों का नामांकन दर्ज है, लेकिन निरीक्षण के समय केवल 5 छात्र ही उपस्थित मिले। छात्रों ने बताया कि उन्हें समय पर खाद्य सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इधर, विधायक के निरीक्षण के बाद टीएडी हरकत में आया तथा उपायुक्त सत्यप्रकाश कस्वा ने छात्रावास अधीक्षक किरणकुमार डामोर को हटाते हुए महात्मा गांधी विद्यालय मेदला के लिए कार्यमुक्त कर दिया है। साथ ही छात्रावास का अतिरिक्त कार्यभार करणसिंह डामोर को सौंपा।

विधायक के निरीक्षण में सामने आया कि विभाग स्तर से स्वीकृत मूलभूत सुविधाएं छात्रों तक नहीं पहुंच रही हैं। किराए के भवन में संचालित छात्रावास में न तो बल्ब हैं, न पंखे, और न ही रहने योग्य अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं हैं। निरीक्षण के समय हॉस्टल वार्डन अनुपस्थित पाया गया। ग्रामीणों ने छात्रावास अधीक्षक को हटाने की मांग की।

छात्रों ने बताया कि कड़ाके की ठंड के बावजूद गर्म पानी की सुविधा नहीं होने के कारण वे ठंडे पानी से नहाने को मजबूर हैं। छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण भी समय पर नहीं होता हैं। इस पर विधायक अनिल कटारा ने छात्रावास की व्यवस्था को आदिवासी छात्रों के भविष्य से जुड़ी जिम्मेदारी बताते हुए विभाग को कड़ी चेतावनी दी है कि जल्द व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए।

'कुंवारे की कभी ना कभी शादी तो होती ही है'

मंत्रिमंडल विस्तार पर सतीश पूनियां बोले- दिल्ली में संपर्क रखने वालों को जितनी जानकारी है, उतनी ही मुझे है

कोटा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार पर बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा- दिल्ली में संपर्क रखने वालों को जितनी जानकारी है, उतनी ही मुझे है। चर्चाओं का माहौल बने रहना भी अच्छा है, इससे लोगों में उम्मीद कायम रहती है।

जैसे किसी कुंवारे व्यक्ति को शादी का इंतजार रहता है, वैसे ही कुछ लोगों को मंत्री बनने की आस होगी। देखते हैं क्या होता है, थोड़ा इंतजार करना चाहिए। आखिरकार, कुंवारे की कभी न कभी तो शादी होती ही है।

पूनियां ने राज्य सरकार के 2 साल के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें विरासत में एक ऐसी सरकार मिली थी जो पेपर लीक, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बदतर कानून व्यवस्था से जूझ रही थी। उन्होंने यह बातें कोटा के सर्किट हाउस में मीडिया से कहीं।

डोटासरा के इस आरोप पर कि इस सरकार में यमुना का पानी नहीं आएगा, पूनिया ने जवाब देते हुए कहा- वे अपनी बात कह रहे हैं, क्योंकि वे पिछले 50 सालों में पानी लाने में विफल रहे थे। उन्हें इस बात की तकलीफ है कि कोई और पानी लाएगा। पूनिया ने आरोप लगाया कि डोटासरा हमेशा से आशंकित (संदेह युक्त) रहे हैं और इसी कारण उन्होंने मोदी सरकार की योजनाओं को पिछले कार्यकाल में पूरा नहीं होने दिया, बल्कि उन्हें विफल करने का काम किया, चाहे वह जल जीवन मिशन हो या आयुष्मान योजना।

पूनिया ने कहा- भारतीय जनता पार्टी की सरकार यमुना के एमओयू को जल्द ही धरातल पर लाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसकी डीपीआर तैयार की जाएगी।

सतीश पूनिया ने कहा- प्रवासी दिवस के मौके पर आज का दिन अहम है, क्योंकि राजस्थान में देश व दुनिया के प्रवासी जुटे हैं। सरकारी जानकारी के अनुसार 7 लाख करोड़ के जो एमओयू हुए थे, वे धरातल पर उतरे हैं। मुझे लगता है कि राजस्थान में पिछले दो वर्षों में जो बड़ा काम हुआ है, वह निवेश का काम है। इससे बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा, राजस्थान की आर्थिक तरक्की को ताकत मिलेगी, और बाकी अन्य सेक्टर में भी अभिनव काम किया गया है।

रिटायर्ड डिप्टी जेलर के घर 10 तोला सोना

एक किलो चांदी और कीमती सामान चोरी; मची सनसनी

भरतपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के चिकसाना थाना क्षेत्र स्थित न्यू पुष्प वाटिका कॉलोनी में रात के समय एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। रिटायर्ड डिप्टी जेलर सुरजीत सिंह के घर चोरों ने धावा बोलते हुए सोना, चांदी और कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना के समय परिवार के सदस्य पास ही पड़ोसी के घर एक कार्यक्रम में शामिल थे। पीड़ित सुरजीत सिंह ने बताया कि वे रूपवास में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम में गए हुए थे। उनकी पत्नी किरनदेई और नातिन घर पर मौजूद थीं, लेकिन रात करीब नौ बजे वे भी घर पर ताला लगाकर पड़ोसी के यहां चले गईं। इसी दौरान चोरों ने घर को खाली पाकर वारदात को अंजाम दिया। रात करीब ग्यारह बजे सुरजीत सिंह जब घर लौटे और पत्नी को साथ लेकर अंदर पहुंचे तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर अलमारियां खुली थीं और सारा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चोर 10 तोला सोना, लगभग एक किलो चांदी के जेवर, करीब 15 हजार रुपये की कीमती घड़ी और अन्य सामान चोरी कर ले गए।

घटना की जानकारी मिलते ही चिकसाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर का निरीक्षण किया। पुलिस ने चोरी से जुड़े सुराग जुटाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

मास्टरमाइंड ने प्रिंटिंग प्रेस में किससे खरीदा पेपर

कहां गए 1.50 करोड़ रुपए? एसओजी पूछताछ में खुलेंगे कई राज

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान एसओजी ने वनपाल भर्ती परीक्षा–2022 के पेपर लीक प्रकरण में गिरफ्तार 50 हजार के इनामी जबराराम जाट से प्रिंटिंग प्रेस के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपी को बांसवाड़ा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 7 दिन के रिमांड पर एसओजी को सौंपा गया। आरोपी को जयपुर मुख्यालय लाकर एसओजी की टीम पूछताछ में जुटी हुई है।

आरोपी जबराराम जाट ने जिस प्रिंटिंग प्रेस से परीक्षा से पहले पेपर लिया था, उस

प्रेस का कौन सा कर्मचारी गिरोह में शामिल था, इसकी भी जांच की जा रही है। साथ ही फरारी के दौरान वह कहां छिपा रहा और पेपर बेचने पर मिले डेढ़ करोड़ रुपए कहां निवेश किए, इसका भी पता लगाया जा रहा है। आरोपी ने पूछताछ में कबूल किया था कि उसने पेपर सीधे प्रिंटिंग प्रेस से ही खरीदा था, जिसके लिए लगभग 25 लाख रुपए का भुगतान किया था। बाद में पेपर को कई गिरोह में बेचकर करीब 1.5 करोड़ रुपए जुटाए। अब एसओजी यह पता लगाने में जुटी हुई है कि आरोपी ने किसके पेपर लिया था और 1.5 करोड़ रुपए कहां निवेश किए। गौरतलब है कि जबराराम जाट मूलतः पचपद्गण (बालोतरा), हाल नहर कॉलोनी, रामजी का गोल, बाड़मेर निवासी है, जो लंबे समय से फरार चल रहा था।

चंबल नदी में गिरी कार

बड़ी अनहोनी टली, 9 जनों को सुरक्षित बाहर निकाला

कोटा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा में चंबल नदी की रियासतकालीन पुलिया के यहां बड़ी अनहोनी टली। सामने के वहां की रोशनी की गलफत में अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार पुलिया से नदी में जा गिरी। गनीमत यह रही की नदी में जिस जगह कार गिरी वहां पानी कम था। ऐसे में कार में सवार सभी 7 महिलाएं और दो पुरुष सकुशल बच गए। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस-नगर निगम बचाव दल ने सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। नयापुरा थाना पुलिस के मुताबिक स्कॉर्पियो कार में सवार सभी लोग खाटूश्याम के दर्शन कर कोटा लौटे थे। राहत की है कि हादसे में किसी को ज्यादा चोट नहीं आई है।

घरेलू सिलेंडर में गैस ट्रांसफर करते वक्त हुआ भयानक हादसा, चार लोग बुरी तरह झुलसे

श्रीगंगानगर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। शादी के बाद बचे कमर्शियल गैस सिलेंडर की बाकी गैस को घरेलू सिलेंडर में भरने के चक्कर में सादुलशहर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक गैस लीक हो गई और पास में जल रहा चूल्हा आग का गोला बन गया। देखते ही देखते आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में चार लोग बुरी तरह झुलस गए, जिनमें तीन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

घटना सादुलशहर के वार्ड नंबर-19 स्थित मुखराम नायक के घर की है। कुछ दिन पहले घर में शादी थी। शादी में हलवाइयों ने मिठाई और खाना बनाने के लिए कई कमर्शियल सिलेंडर मंगवाए थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद मुखराम ने बचे हुए कमर्शियल सिलेंडरों में बाकी गैस को घरेलू सिलेंडरों में ट्रांसफर करने का फैसला किया। गैस निकालते वक्त अचानक एक सिलेंडर पलट गया और भारी मात्रा में गैस लीक हो गई। लीक हुई गैस पास में जल रहे चूल्हे तक पहुंची और जोरदार धमाका करते हुए आग भभक उठी। आग इतनी तेज थी कि पलभर में दूसरे सिलेंडरों तक भी पहुंच गई।

इस दौरान घर में मौजूद पड़ोसन इमरती देवी, संतोष देवी, रोहित और खुद मुखराम नायक आग की लपटों में आ गए। चारों बुरी तरह झुलस गए। चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़े और किसी तरह आग पर काबू पाया। घायलों को तुरंत सादुलशहर के निजी अस्पताल ले जाया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

ई-निविदा सूचना सं.डीवाय.सीई/जीएस/ एससी/10/2025/ओटी, दि.05-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सं._10_जीएस_एससी_25_ओटी कार्य विवरण: मौजूदा लेखा विभाग व गति शक्ति हेतु आदिमान स्पेस युटिलाइजेशन व आफिस एकमाडेशन हासिल करने के लिए लेखा भवन बिल्डिंग का रि-आर्गनाइजेशन करना। अनुमानित निविदा मूल्य रु.: 13,20,74,951.00, पूर्व धरोहर राशि: रु.8,10,400.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 06 महिने, मानक योग्यता मानदंड के तत्समान समझे जानेवाले कार्य: सी-2 : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्य/ज़ोनल कार्यों को छोड़कर), बोली बंद करने की तिथि: 29-12-2025

1. निविदाकार, ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही इसमें भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युअल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।
2. निविदा शर्तें/अन्य विवरण आईआरईपीएस वेबसाइट: ireps.gov.in पर उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा इससे जुड़े परिवर्तन कोई हो तो, उसका अवलोकन किया जा सकता है।
3. सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन/पेमेन्ट्स के माध्यम से ही पूर्व धरोहर राशि-पूर्ण का भुगतान करें।
4. इस निविदा सूचना को, सीपीएम/जीएस/एससी का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद के कार्यालय के नोटिस बोर्ड भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।
5. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।
6. सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि जीएसटीआयएन संख्या प्राप्त करें तथा उसे अपने आफर सहित प्रस्तुत करें।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/सिकंदराबाद

निविदा सं.जीटीएल-इएम-56-2025, दि.09-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/खरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-जीटीएल-इएम-56-2025, दि.09-12-2025-26, कार्य विवरण: गुंटकल : 1. 11 युनिट्स टाइप IV-स्टाफ क्वार्टर्स का प्रस्तावित निर्माण--बिजली व्यवस्थाएं। 2.अधिकारियों हेतु टाइप-V-यूनिट्स स्टाफ क्वार्टर्स का प्रस्तावित निर्माण। अनुमानित मूल्य रु.86,89,076.17

बंद करने की तिथि व समय: 30-12-2025 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग एवं अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो, उसे आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकारों द्वारा निःशुल्क रूप में निविदा दस्तावेज को http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, खरखाव, गुंटकल

निविदा सं. जीटीएल-इएम-62-2025-26, दि. 09-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/खरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. जीटीएल-इएम-62-2025-26, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन-1. गुंटकल में एसी सुविधा सहित लेडीज टीटीइज रेस्ट रूम का सुधार कार्य--बिजली व्यवस्थाएं। 2. टीटीइज एवं एसी सुविधा सहित रसोई, डाइनिंग, सैनिटरी व्यवस्थाएं एवं क्युबिकल्स का प्रावधान। 3. क्युबिकल्स तत्संबंधित सुविधा सहित 30 गद्देवाला (बेड्स) क्षमता युक्त नई टीटीइज रेस्ट हाउस का प्रावधान--बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.93,94,382,67.00

बंद करने की तिथि व समय: 30-12-2025 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग एवं अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो, उसे आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकारों द्वारा निःशुल्क रुप में निविदा दस्तावेज को http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, खरखाव, गुंटकल

सं. ई29सी टीआरडीएससी_03_2025_26 ईपीसी1 दि.09-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से , मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु टेंडरिंग की दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, एनआयटी सं. ई29सी टीआरडीएससी_03_2025_26ईपीसी1 दि.04-12-2025 कार्य विवरण: निविदा सं. ई29सी टीआरडीएससी_03_2025_26ईपीसी1 दि.04-12-2025, दमरे के नांदेड डिवीजन में अकोला, अमलाखुर्द पर 2 नंबर्स के टीएसएस (2x25केवी) डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण व कमीशन हेतु आरएफ्सी-प्रस्ताव हेतु अनुरोध, गंगाखेड/एसएसपी पर2 नंबर्स के एसएसपी(2x25केवी) तथा परली बैजनाथ/एसएसपी पर तत्संबंधित कार्य,2x25केवी टीएसएस (रोटेगांव व वडगांव निला) पर एफएल का प्रावधान तथा मौजूदा 1x25केवी (टीएसएस रोटेगांव व वडगांव निला) पर ईपीसी पध्दति में माडिफिकेशन करना। अनुमानित मूल्य रु.73,14,84,776.91, पूर्ण/बोली सुरक्षा रु. 38,07,400.00, दस्तावेज मूल्य रु. निःशुल्क रूप में निविदा दस्तावेज को आनलाइन में डाउनलोड किया जा सकता है, कार्य पूरा करने की अवधि: /18 महिने, बंद करने की तिथि:09-03-2025 के 15.00 बजे

1. बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट: http://ireps.gov.in पर लागिन करें।
2. बोलीदाता द्वारा ireps.gov.in के माध्यम से बोली सुरक्षा राशि की व्यवस्था करना होगी या इस बोली सुरक्षा राशि को,किसीभी भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारंटी बांड के रूप मे प्रस्तुत करना होगा। यह बैंक गारंटी बांड जो एफ़ेलिक्स-VII नुसार होना चाहिए एवं यह, बोली वैधता अवधि से परे, 90 दिनों की अवधि तक वैध होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रिसीप्ट्स, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युएल पेमेंट्स अमान्य है।
3. निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में, निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद होने की तिथि से पंद्रह दिनों की अवधि के पहले , प्रस्तुत कर सकते है।
4. निविदाकार, किसीभी शुध्दिपत्र को (केवल आनलाइन में जारी) निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

A1984 मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, सिकंदराबाद

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

65 बसें 373 कॉलोनियों को जोड़ेगी : पोन्नम प्रभाकर

मंत्री ने नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजधानी की सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ईवी ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के साथ मिलकर रानीगंज डिपो से 65 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। ये बसें टीजीएसआरटीसी की 500 लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक सिटी बस परियोजना के तहत शामिल की गई हैं। नई बसों के सम्मिलन से हैदराबाद में स्वच्छ, आधुनिक और भरोसेमंद सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। रनिगंज डिपो के लिए आवंटित 100 बसों में से 65 का संचालन शुरू हो गया है। यह डिपो अब सीएनटी, मियापुर, एचसीयू और हयातनगर के साथ परियोजना के पांच प्रमुख परिचालन केंद्रों में शामिल हो गया है। 500 इलेक्ट्रिक बस परियोजना में कुल 450 नॉन- एसी और 50 एसी लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। अब तक 325 बसें निगम को मिल चुकी हैं, जबकि शेष 175 बसें जनवरी 2026 तक दिए जाने की योजना है। इससे शहर में इलेक्ट्रिक बस नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। रानीगंज डिपो में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर, टीजीएसआरटीसी के वीसी एवं एमडी वाई. नागी रेड्डी, हैदराबाद की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, और ईवी ट्रांस के सीईओ संदीप राइजादा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर ने कहा कि नई बसें 373 कॉलोनियों को जोड़ेगी। उन्होंने बताया कि दो वर्षों में बस बेड़ा 40 प्रतिशत बढ़ा है और बेहतर सेवाओं के लिए नए कर्मचारियों की भर्ती भी शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वच्छता, इलेक्ट्रिक बसों की बढ़ोतरी और नए डिपो स्थापित करने पर विशेष जोर दे रही है। ईवी ट्रांस के सीईओ संदीप राइजादा ने बताया कि यह भारत में कंपनी का 69वां और तेलंगाना में पांचवां डिपो है। देशभर में कंपनी 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 3,100 से अधिक बसें संचालित कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शेष बसें भी जनवरी 2026 तक उपलब्ध करा दी जाएंगी। 12 मीटर लंबी ये लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं, जिनमें लिथियम-आयन बैटरी, रीजनरेटिव ब्रेकिंग, रियल टाइम ट्रैकिंग, फायर डिटेक्शन सिस्टम, यूएसबी चार्जिंग, डिजिटल डिस्प्ले, पन्यूमैटिक डोर और दिव्यांगजन के लिए विशेष सुविधाएँ शामिल हैं। 36 सीटों वाली ये बसें सिकंदराबाद, कोंडापुर, रामायमपेट, इस्नापुर, बोरा बंदा, गाचीबौली और मियापुर जैसे प्रमुख मार्गों पर संचालित होंगी। नई इलेक्ट्रिक बसों से प्रदूषण और ध्वनि को कम करने के साथ-साथ परिचालन लागत में कमी आएगी और यात्रियों को शांत, सुगम और पर्यावरण अनुकूल यात्रा का अनुभव मिलेगा। यह कदम टीजीएसआरटीसी और एमआईएल समूह की इकाई ईवी ट्रांस द्वारा विश्वस्तरीय और हरित शहरी परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति माना जा रहा है।

ओयू में सीएम के दौरे से पहले छात्र नेताओं की गिरफ्तारी

छात्र संगठनों ने सरकार पर असहमति दबाने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के बुधवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय के दौरे से पहले पुलिस ने कई छात्र नेताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया, जिससे परिसर में हलचल मच गई। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान संभावित विरोध की आशंका में पुलिस ने बीआरएसवी के महासचिव जंगैया, जे अनिल, मिथुन, माला छात्र जेएसी के मदासु राहुल राव, माला छात्र संघ ओयू के अध्यक्ष नामा सैदुलु और एबीवीपी ओयू के अध्यक्ष द्रुहन सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया। बीआरएसवी के राज्य उपाध्यक्ष डॉ. तुंगा बालू को भी सुबह उनके घर से उठाया गया। मुख्यमंत्री कला महाविद्यालय में अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के साथ बैठक करेंगे तथा विश्वविद्यालय में विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे।

छात्र संगठनों ने आरोप लगाया कि पूरे परिसर में बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं और विरोध की आशंका में आम छात्रों को भी हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने इसे छात्रों के असहमति व्यक्त करने के अधिकार का दमन बताया। बीआरएसवी नेताओं ने इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री छात्रों के विरोध से डर रहे हैं, इसलिए परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। संगठन ने कांग्रेस सरकार पर अपने चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप लगाया-जैसे नौकरी कैलेंडर जारी करना, दो लाख पद भरना, 5 लाख रुपये का विद्या भरोसा कार्ड, शिक्षा मंत्री की नियुक्ति, विश्वविद्यालयों में स्टाफ भर्ती और छात्राओं को स्कूटर वितरण। बीआरएसवी नेताओं ने मांग की कि मुख्यमंत्री पहले अपने वादे पूरे करें, उसके बाद ही विश्वविद्यालय का दौरा करें।

नवनियुक्त आईपीएस प्रोबेशनरी अधिकारियों ने डीजीपी से की मुलाकात

हैदराबाद, 10 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। राज्य को नव-आवंटित आईपीएस प्रोबेशनरी अधिकारियों ने बुधवार को महानिदेशक पुलिस बी. शिवधार रेड्डी से मुलाकात की।

बैठक में 2023 बैच के अधिकारी मंधारे सोहम सुनील, राहुल कांत, आयशा फ़ातिमा और 2024 बैच की मनिषा नेहरा ने भाग लिया। डीजीपी ने उन्हें राज्य में अपराध की स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्हें तेलुगु भाषा तथा उसकी तेलंगाना बोली को शीघ्र सीखने की सलाह भी दी गई।

तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में अपना प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, इन प्रोबेशनरों को जिलेवार प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न यूनिटों में तैनात किया जाएगा। मंधारे सोहम सुनील, जो महाराष्ट्र से हैं, का प्रशिक्षण करीमनगर कमिश्नरेट में होगा; झारखंड के राहुल कांत आदिलाबाद ज़िले में प्रशिक्षित होंगे; मध्य प्रदेश की आयशा फ़ातिमा का प्रशिक्षण सिद्दिपेट कमिश्नरेट में होगा; और राजस्थान की मनिषा नेहरा मुलुगु ज़िले में प्रशिक्षित होंगी।

हैदराबाद के मुकेश शर्मा ने माया खुबानी मेमोरियल प्रथम पुरस्कार जीता

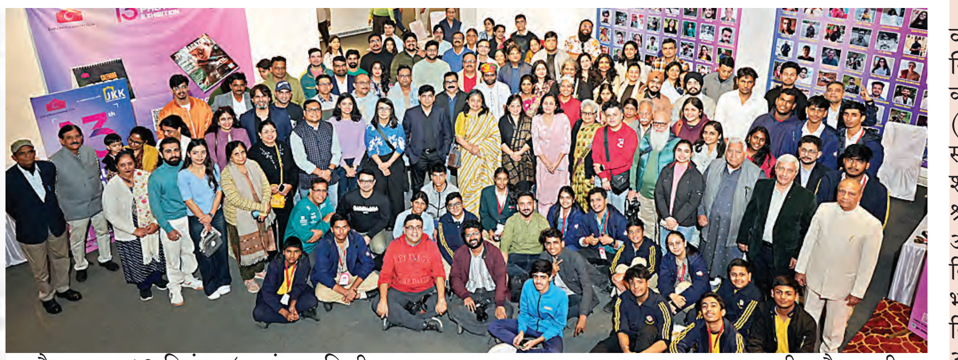

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर फोटोग्राफर्स क्लब द्वारा आयोजित चार दिवसीय 13वीं वार्षिक फोटोग्राफी प्रदर्शनी का समापन जवाहर कला केंद्र में आयोजित पुरस्कार समारोह के साथ हुआ। प्रदर्शनी में विभिन्न देशों से आए 115 फोटोग्राफर्स की 134 चयनित तस्वीरें प्रदर्शित की गईं, जिनमें विविधता और उत्कृष्ट क्रिएटिविटी देखने को मिली।

फोटोग्राफर्स ने स्ट्रीट, वाइल्डलाइफ़, फैशन, फूड, पोर्ट्रेट, मैक्रो, आर्किटेक्चर, ट्रैवल, लैंडस्केप, लाइफस्टाइल, प्रोडक्ट और मोबाइल फोटोग्राफी जैसे कई थीम्स पर छायाचित्र प्रस्तुत किए। पुरस्कार वितरण समारोह में आईआईएचएमआर जयपुर की डायरेक्टर डॉ. ललित्या गुप्ता, अभिनव मिश्रा, पवन अग्रवाल, सत्यप्रकाश भारती और खुशीराम चौधरी ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। समारोह का मुख्य आकर्षण रहा प्रतिष्ठित माया खुबानी स्मृति पुरस्कार, जिसे मुकेश शर्मा (हैदराबाद) को प्रथम पुरस्कार के रूप में प्रदान किया गया।

द्वितीय पुरस्कार बिवेकानंद पत्र (मुंबई) को और तृतीय पुरस्कार अरिजीत गांगुली को मिला। संस्थापक अनिल खुबानी ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मंच फोटोग्राफर्स को प्रेरित करता है और रचनात्मक दुनिया को जोड़ता है।

श्री आईमाताजी वडेर में बधावा कार्यक्रम 13 को

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाताजी मंदिर (वडेर) में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के तत्वावधान में शनिवार 13 दिसम्बर धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंहजी एवं श्री आईमाताजी के बैल का बधावा व विशाल शोभा यात्रा का आयोजन भव्यरुप से किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल ने संयुक्त रुप से बताया कि समाज बन्धुओं के तत्वावधान में मंदिर प्रांगण में मध्यान् 2 बजे से विशाल शोभा यात्रा, धर्मगुरु दीवान साहब एवं श्री आईमाताजी के बैल का बधावा का बधावा भव्यरुप से आयोजित किया जाएगा। समाज बन्धुओं के लिए भोजन- प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर, उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे व सफल बनावे।

बंडलागुडा स्थित सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित श्री आईमाताजी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के पाँचवे दिवस प्रात: वेला मे अखण्ड ज्योत की पूजा-अर्चना, समाज बन्धुओं द्वारा हवन-यज्ञ, भोजन-प्रसादी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरण व बोलियों के कार्यक्रम मे भजन प्रस्तुत करते हुए रमेश माली, अनिता जांगिड़ व मंच संचालक शैतानसिंह राजपुरोहित। अवसर पर उपस्थित अध्यक्ष वेनाराम चोयल, सचिव प्रकाश सेपटा, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, पदाधिकारी, सदस्यगण व समाज बन्धु। छठें दिवस प्रात: वेला में हवन पूर्णाहुति, वैल व दीवान साहब का बधावा, कलश यात्रा, गैर नृत्य एवं जागरण का कार्यक्रम होगा।

राष्ट्रपति निलयम 11 से 25 दिसंबर तक आम जनता के लिए बंद

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति निलयम, सिकंदराबाद के बोलारम में स्थित भारत के राष्ट्रपति का आधिकारिक विश्राम गृह, 11 से 25 दिसंबर तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। यह जानकारी बुधवार को राष्ट्रपति निलयम द्वारा जारी आधिकारिक बयान में दी गई। अधिकारियों के अनुसार, वार्षिक शीतकालीन दक्षिणी यात्रा के तहत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने परिवार के सदस्यों के साथ कम से कम एक सप्ताह के लिए राष्ट्रपति निलयम में ठहरेंगे। उनके आगमन से एक सप्ताह पहले मुख्य भवन का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद में राजभाषा जागरूकता कार्यकारी एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन) , भारत सरकार , क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) ने राजभाषा संबंधी संविधिक प्रावधानों और हिंदी अनुवाद टूल कंठस्थ के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। डॉ बिजय कुमार बेहेरा, मुख्य कार्यपालक, राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड ने प्रतिभागियों से अपने कामकाज में अधिक से अधिक उपयोग करने का आग्रह किया। राधाकृष्ण, परामर्शदाता (हिंदी) ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें . द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

वाय/सी. ई-नीलामी/एचवायबी/2025-26, दि.08-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, द्वारा हैदराबाद डिवीजन पर पार्किंग स्टैण्ड ठेकों, पे एण्ड यूज टायलेट्स, वाणिज्यिक प्रचार ठेकों को प्रदान करने तथा छिटपुट स्थैतिक सेवा श्रेणी हेतु आईआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in के ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित हैं। ई-नीलामी अनुसूची विवरण नीचे दिया गया है।

क्रम सं.-01, श्रेणीः पार्किंग, सूचीःएचवायबी-एनएफआरपीआरकेजी-050, विवरणः 02 स्थानों जैसे सिकंदराबाद (ईस्ट) एवं निजामाबाद (बस स्टैण्ड के सामने) पर एनएफआर पार्किंग लाट्स प्रदान करना, रेलवे स्टेशनों के अलावा। नीलामी तिथिः 16-12-25, नीलामी शुरु समयः10.00 बजे, नीलामी बंद करने का समयः10.40 बजे

क्रम सं.-02, श्रेणीःपे एण्ड यूज टायलेट्स,, सूचीःएचवायबी-पीएनयु-007, विवरणः काचीगुडा पर पीएफ नं.1 पर तथा कामारेड्डी रेलवे स्टेशनों पर पीएफ नं.1 (मीडल) तथा पीएफ नं.2/3 पर एण्ड यूज टायलेट्स का संचालन व रखरखाव। नीलामी तिथिः 16-12-25, नीलामी शुरु समयः10.00 बजे, नीलामी बंद करने का समयः10.40 बजे

क्रम सं.-03, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-एसटीपीडी-इवीसी-101-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-इवी चार्जिंग स्टेशन्स), सूचीःएचवायबी-एनएफआर-मिक्स्ड, विवरणः रेल निलयम परिसरों मे इवी चार्जिंग स्टेशन्स। नीलामी तिथिः 19-12-25, नीलामी शुरु समयः12.00 बजे, नीलामी बंद करने का समयः12.30 बजे

क्रम सं.-04, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-एसटीपीडी-इवीसी-117-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-इवी चार्जिंग स्टेशन्स), सूचीःएचवायबी-एनएफआर-मिक्स्ड, विवरणः हैदराबाद भवन परिसरों मे इवी चार्जिंग स्टेशन्स। नीलामी तिथिः 19-12-25, नीलामी शुरु समयः12.10 बजे, नीलामी बंद करने का समयः12.40 बजे

क्रम सं.-05, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-एलजीडीएच-बीएस-113-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स), सूचीःएचवायबी-मिक्स्ड-53, विवरणः लालागुडा हाल्ट स्टेशन के परीसंचरण क्षेत्र में बैटरी स्वैपिंग कियोस्क। नीलामी तिथिः 22-12-25, नीलामी शुरु समयः11.30 बजे, नीलामी बंद करने का समयः12.00 बजे

क्रम सं.-06, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-एसएफएक्स-बीएस-112-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स), सूचीःएचवायबी-मिक्स्ड-053, विवरणः सफीलगुडा हाल्ट स्टेशन के परीसंचरण क्षेत्र में बैटरी स्वैपिंग कियोस्क। नीलामी तिथिः 22-12-25, नीलामी शुरु समयः11.40 बजे, नीलामी बंद करने का समयः12.10 बजे

क्रम सं.-07, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-युआर-जीजेड-115-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-गेम जोन), सूचीःएचवायबी-मिक्स्ड-053, विवरणः उमदानगर रेलवे स्टेशन पर स्नैक्स बार सहित गेमिंग जोन। नीलामी तिथिः 22-12-25, नीलामी शुरु समयः11.40 बजे, नीलामी बंद करने का समयः12.20 बजे

क्रम सं.-08, श्रेणीः एमएसएस-एसबीबीजे-एसटीजीइएन-109-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-स्टेटिक जनरल), सूचीःएचवायबी-मिक्स्ड-053, विवरणः श्री बाल ब्रह्मेश्वरा जोगुलांबा हाल्ट स्टेशन पर एसी/नान -एसी रिटायरिंग रूम, पार्किंग व फूड ट्रक का संचालन व रखरखाव। नीलामी तिथिः 22-12-25, नीलामी शुरु समयः11.50 बजे, नीलामी बंद करने का समयः12.30 बजे

क्रम सं.-09, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-केसीजी-पीएस-116-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-प्रीमीयम स्टोर्स), सूची सं.:एचवायबी-मिक्स्ड-053, विवरणः काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर प्रीमीयम ब्रांड स्टोर्स/स्टाल्स/आउटलेट्स। नीलामी तिथिः 22-12-25, नीलामी शुरु समयः12.10 बजे, नीलामी बंद करने का समयः12.40 बजे

क्रम सं.-10, श्रेणीः पार्किंग, सूची सं.-एचवायबी-पीआरकेजी-50 विवरणः 03 स्थानों जैसे शादनगर जडचरला व गदवाल रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग लाट्स प्रदान करना। नीलामी तिथिः 22-12-25, नीलामी शुरु समयः12.00 बजे, नीलामी बंद करने का समयः12.50 बजे

A1993 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'घुसपैठिए तय नहीं ...

शाह ने कहा कि विपक्ष एसआईआर का मुद्दा छेड़कर बहस को भटकाना चाहता था, जबकि सरकार व्यापक चुनावी सुधारों पर सार्थक चर्चा चाहती थी। गृह मंत्री ने कहा, चुनाव के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार है, यह व्यवस्था जब बनी, तब हम थे ही नहीं। अनुच्छेद 324 में चुनाव आयुक्त को विशेष अधिकार दिए गए। अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता तय की गई है। मनीष तिवारी कह रहे थे कि एसआईआर का अधिकार चुनाव आयोग को है ही नहीं, तो उनको बताना चाहता हूं कि यह अधिकार चुनाव आयोग को अनुच्छेद 327 में है। अमित शाह ने कहा कि 2000 के बाद तीन बार एसआईआर हुआ और दो बार भाजपा-एनडीए की सरकार थी, एक बार मनमोहन सिंह की सरकार थी। तब किसी ने विरोध नहीं किया। यह चुनाव को पवित्र रखने की प्रक्रिया है। चुनाव जिस आधार पर होते हैं, वह वोटर लिस्ट ही अशुद्ध है, तो चुनाव कैसे पवित्र हो सकते हैं। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठिए यह तय नहीं कर सकते कि सीएम-पीएम कौन हो। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एसआईआर हुआ। चुनाव आयोग की ड्यूटी है यह तय करना कि कौन मतदाता है और कौन नहीं।

राहुल गांधी के परमाणु बम वाले दावे पर अमित शाह ने कहा कि वह हरियाणा का एक मकान नंबर बताते हुए दावा करते हैं कि इस घर में इतने वोटर हैं। चुनाव आयोग ने वेरिफिकेशन किया तो यह दावा ही गलत था। वोट चोरी का फर्जी नैरेटिव बनाने की कोशिश हो रही है।

राहुल गांधी: अगर आपने गृह मंत्री की प्रतिक्रिया सुनी तो यह उनका डरा हुआ रिस्पॉन्स है। वे डरे हुए हैं।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती करते राजेंद्र अग्रवाल, दिया अग्रवाल,संध्या रानी अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, पीसी जैन, विनोद टिकमानी, अशोक लाखोटिया, गोपाल बलदवा, विठ्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले,अशोक सरायवाला पीडब्लूआर मूर्ति विजय कुमार थंबी प्रमोद कुमार अग्रवाल सरायवाला राहुल सिंघल एवं भक्तगण।

निम्स नर्सिंग स्टाफ का एक घंटे का विरोध जारी

शिकायतों के समाधान की मांग, काले बैज पहनकर प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) के नर्सिंग स्टाफ ने अपनी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर प्रतिदिन एक घंटे का शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रखा है। बुधवार को नर्सिंग यूनियन के सदस्यों ने कहा कि वे लगभग एक साल से अस्पताल प्रबंधन से कई शिकायतों के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक उचित प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसी वजह से वे लगातार विरोध कर रहे हैं।

विरोध के दौरान नर्सिंग अधिकारियों ने काले बैज पहने और एक घंटे तक सामूहिक प्रदर्शन किया।

नर्सिंग स्टाफ की प्रमुख मांगों में संविदा नर्सिंग अधिकारियों के अभिभावकों के लिए चिकित्सा सेवाओं की बहाली, रिक्त पदों की नियुक्ति, अर्जित अवकाश का नकदीकरण, कैडर समीक्षा, नर्सिंग कॉलेज के व्याख्याताओं को उचित दर्जा और उनका वेतन एम्स मानदंडों के अनुसार तय करना शामिल है। नर्सिंग यूनियन ने प्रशासन से जल्द से जल्द इन मांगों पर कार्रवाई करने की अपील की है और कहा है कि समाधान मिलने तक उनका शांतिपूर्ण विरोध जारी रहेगा।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईसीसी वनडे रैंकिंग में रोहित-कोहली का जलवा

रोहित नंबर-1, साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 शतक लगाने वाले विराट नंबर-2, दोनों में सिर्फ 8 पॉइंट्स का अंतर

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के दो दिग्गजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर पिछले कुछ समय से टीम इंडिया में जगह को लेकर बहस जारी है। हालांकि, इन दोनों ही दिग्गजों ने अपने बल्ले से करारा जवाब दिया है और खूब रन बनाए हैं।

इसी कड़ी में अब आईसीसी ने वनडे की ताजा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में इन दोनों दिग्गजों का जलवा देखने को मिल रहा है। रोहित शर्मा पहले स्थान पर बरकरार हैं, जबकि विराट कोहली ने छलांग लगाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

रोहित शर्मा पहले नंबर पर बरकरार

रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन कर वनडे में पहला स्थान हासिल किया था। इसके बाद उन्हें एक सप्ताह के लिए डेरिल मिशेल ने रिप्लेस किया था लेकिन इसके बाद उन्होंने पहला स्थान हासिल कर लिया।

रोहित शर्मा ने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज में दो अर्धशतक लगाया था। उन्होंने पहले और तीसरे मुकाबले में फिफ्टी जड़ी थी। ऐसे में वे 781 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं।

विराट कोहली ने हासिल किया दूसरा स्थान

टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट ने ताजा रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया है। इससे पहले कोहली चौथे पायदान पर मौजूद थे लेकिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन का कोहली को इनाम मिला है।

विराट के मौजूदा समय में 773 अंक हैं और वे दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। विराट ने अफ्रीकी टीम के खिलाफ पहले और दूसरे मुकाबले में शतक लगाया था। इसके अलावा तीसरे मैच में भी नाबाद 65 रनों की पारी खेली थी। ऐसे में वे अब रोहित से मात्र 8 पॉइंट पीछे हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ प्रदर्शन

साउथ अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खेली गई वनडे सीरीज में कोहली ने शानदार प्रदर्शन किया था। कोहली ने 3 मैचों में 2 शतक और एक अर्धशतक के साथ 302 रन बनाए थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

कोहली के अलावा रोहित का प्रदर्शन भी अच्छा रहा था। हालांकि, वे बड़ी पारी नहीं खेल सके थे। रोहित ने 3 मैचों में खेलते हुए 48.67 की औसत के साथ 146 रन बनाए थे, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल थे।

आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे छोटा खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी के बाद अफगानिस्तान से वहीदुल्लाह जादरान छोटे उम्र खिलाड़ी की ऑक्शन में एंट्री

कोलकाता, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। खेल डेस्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल ऑक्शन में बिकने वाले इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी है। वैभव सूर्यवंशी को पिछले सीजन के ऑक्शन में बिके थे। अब उनके बाद आईपीएल 2026 के ऑक्शन में भी एक खिलाड़ी ऐसा है, जिसकी उम्र कोई ज्यादा नहीं है। बल्कि, वो आईपीएल 2026 के ऑक्शन में एंट्री लेने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी भी है। हम जिस खिलाड़ी की बात कर रहे हैं, उसका नाम वहीदुल्लाह जादरान है। अफगानिस्तान का ये क्रिकेटर 16 दिसंबर 2025 को होने वाले IPL ऑक्शन में सबसे युवा चेहरा होगा।

आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे छोटा खिलाड़ी

अब सवाल है कि वहीदुल्लाह जादरान की उम्र आखिर कितनी कम है, जिसके चलते वो ऑक्शन में एंट्री लेने वाले 350 खिलाड़ियों के बीच सबसे युवा हैं? अफगानिस्तान से आने वाले वहीदुल्लाह जादरान की उम्र 18 साल से थोड़ी ही ज्यादा है। आईपीएल 2026 के ऑक्शन वाले दिन वो बस 18 साल और 31 दिन के होंगे। इस उम्र के साथ वो ऑक्शन में भाग ले रहे खिलाड़ियों के बीच सबसे यंग होंगे।

19 टी20 मुकाबलों में झटके हैं 28 विकेट

वहीदुल्लाह जादरान दाएं हाथ के स्पिनर हैं और आईपीएल ऑक्शन में उतरने से पहले उनके पास 19 T20 खेलने का तजुर्बा है, जिसमें उन्होंने 28 विकेट चटकाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट परफॉर्मेन्स 22 रन पर 4 विकेट लेने का है। वहीदुल्लाह जादरान के पास आईपीएल 2026 के ऑक्शन में एंट्री लेने से पहले आईएलटी 20 में खेलने का भी अनुभव है। वहीदुल्लाह जादरान ने आईपीएल ऑक्शन में अपनी बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखी है।

अफगानिस्तान की अंडर 19 टीम के लिए खेली ट्राएंगुलर सीरीज

वहीदुल्लाह जादरान ने हाल ही में खत्म हुई भारत की दो अंडर 19 टीम के साथ खेली ट्राएंगुलर वनडे सीरीज में अफगानिस्तान की अंडर 19 टीम का प्रतिनिधित्व किया था। भारतीय जमीन पर खेली उसी अंडर सीरीज के 3 मैचों में 3 मैच में 3 विकेट लिए थे। इसके अलावा उन्होंने बल्लेबाजी में 2 पारियों में 12 रन बनाए थे।

अंडर-19 कोच की पिटाई, सिर में 20 टांके, कंधा फ्रैक्चर

टीम से ड्रॉप किए गए तीन खिलाड़ियों ने किया हमला, पुडुचेरी की है घटना

पुडुचेरी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पुडुचेरी क्रिकेट एसोसिएशन विवादों में घिर गया है। सोमवार को एसोसिएशन के अंडर-19 टीम के हेड कोच एस वेंकटारमन पर तीन लोकल खिलाड़ियों ने हमला कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) की टीम से ड्रॉप किए जाने से नाराज थे।

यह हमला CAP के इंडोर नेट्स में हुआ। वेंकटारमन को गंभीर चोटें आईं हैं। उनके सिर पर 20 टांके लगे और कंधे में फ्रैक्चर हुआ। इस मामले की शिकायत सेडारापेट पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। वेंकटारमन पहले CAP के सचिव भी रह चुके हैं।

CAP ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जबकि इसके CEO राजू मेहता ने एसोसिएशन के कामकाज का बचाव करते हुए कहा कि शासन में जीरो टॉलरेंस फॉर करप्शन नीति लागू है।

आरोपी खिलाड़ी फरार हैं

सेडारापेट थाने के सब-इंस्पेक्टर एस राजेश ने कहा, वेंकटारमन को सिर पर 20 टांके लगे हैं, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। जिन खिलाड़ियों पर आरोप है वे फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है। अपनी शिकायत में वेंकटारमन ने सीनियर क्रिकेटर कार्तिकेयन जयराम सुन्दरम, फर्स्ट क्लास खिलाड़ी ए अरविंदराज और एस संतोष कुमारन के नाम बताए हैं।

उन्होंने भरतिदासन पुडुचेरी क्रिकेटर्स फोरम के सचिव जी। चंद्रन पर खिलाड़ियों को भड़काने का भी आरोप लगाया। वेंकटारमन ने दावा किया है कि अरविंदराज ने मुझे पकड़ा, कार्तिकेयन ने संतोष कुमारन का बैट लेकर मुझ पर हमला किया। वे कह रहे थे कि चंद्रन ने कहा है कि मुझे मारोगे तभी टीम में जगह मिलेगी।

भरतिदासन फोरम ने इस आरोप से साफ इंकार किया है। इसके अध्यक्ष सेंथिल कुमारन ने कहा कि वेंकटारमन का पहले भी लोकल खिलाड़ियों से विवाद रहा है और उन पर कई शिकायतें थीं।

सीएपी में बाहरी खिलाड़ियों को बढ़ावा

इससे एक दिन पहले इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी जांच में दावा किया था कि सीएपी में बाहरी खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही पुडुचेरी में जन्मे खिलाड़ियों के साथ भेदभाव करने के लिए डोमिसाइल डॉक्यूमेंट्स में हेरफेर की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 के बाद से सिर्फ पांच पुडुचेरी में जन्में खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी में खेले हैं। उसी रिपोर्ट में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इन आरोपों को गंभीर बताते हुए कहा था कि मामले की जांच की जाएगी।

श्रीलंका सीरीज के लिए भारत की विमेंस टी-20 टीम अनाउंस

21 से 30 दिसंबर तक 5 मुकाबले

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ 5 टी-20 की सीरीज के लिए भारत की विमेंस टीम रिलीज हो चुकी है। बीसीसीआई विमेंस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। हरमनप्रीत कौर ही टीम की कप्तान और स्मृति मंधाना उप कप्तान रहेंगी। स्पिनर वैष्णवी शर्मा और विकेटकीपर जी कमलिनी को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिला।

भारत और श्रीलंका के बीच 5 मैचों की सीरीज 21 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी। शुरुआती 2 मुकाबले विशाखापट्टनम और बाकी 3 मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।

भारत का स्क्वॉड

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रॉड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

टीम इंडिया की यह सीरीज पहले बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली थी, लेकिन उस सीरीज को कैंसिल कर दिया गया। बांग्लादेश की जगह ही श्रीलंका के खिलाफ सीरीज प्लान की गई।

वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह इंडिया विमेंस की पहली क्रिकेट सीरीज है। भारत ने इसी साल 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल जीतकर पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट की ट्रॉफी जीती थी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज भी किया था।

गांगुली ने फिर शमी के लिए चिंता जाहिर की

कहा- 35 साल के मोहम्मद शमी का सिलेक्शन टीम इंडिया को मजबूती दे सकता है

कोलकाता, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भले ही अभी टीम इंडिया के स्क्वाड में शामिल नहीं हैं, लेकिन डोमेस्टिक क्रिकेट में उनका जलवा हर बार देखने को मिल रहा है। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपने पिछले 3 मैचों में 11 विकेट लिए हैं। हाल ही में शमी पुडुचेरी के खिलाफ 3/34 और हरियाणा के खिलाफ 4/34 लेने में सफल हुए हैं, इससे पहले उन्होंने सर्विसेज के खिलाफ 4/13 का शानदार प्रदर्शन किया था।

घरेलू क्रिकेट में चमके शमी

इंडियन नेशनल क्रिकेट टीम से बाहर होने के बावजूद शमी घरेलू टूर्नामेंट्स में हमेशा ये साबित कर रहे हैं, टीम इंडिया को उनकी जरूरत है। रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके सामने विपक्षी बल्लेबाज टिक नहीं पा रहा है। ऐसे में इंटरनेशनल मैचों के लिए उनका सिलेक्शन न होना सवालों के घेरे में है।

सौरव गांगुली ने उठाए सवाल

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने नेशनल टीम से शमी को बाहर रखने पर सवाल उठाए हैं। इस सिचुएशन ने शमी और सिलेक्टर्स के चेयरमैन अजीत अगरकर के बीच टेंशन को उजागर किया है, जिसमें तेज गेंदबाज ने कम्यूनिकेशन की कमी को लेकर चिंता जाहिर की। गांगुली ने एक प्रोग्राम के दौरान कहा, 'मुझे यकीन है कि सिलेक्टर्स देख रहे होंगे। मुझे यकीन है कि मोहम्मद शामी और चयनकर्ताओं के बीच बातचीत हो रही होगी; मुझे नहीं पता। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, फिटनेस और स्किल के मामले में, ये वही मोहम्मद शमी हैं जिन्हें हम जानते हैं। इसलिए मुझे सच में कोई वजह नहीं दिखती कि वो टेस्ट मैच, वनडे और टी20 क्रिकेट में भारत के लिए खेलना क्यों नहीं जारी रख सकते, क्योंकि स्किल बहुत बड़ा है।'

इंजरी बनी थी विलेन

शमी का इंटरनेशनल करियर आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के बाद उनकी टखने की सर्जरी के बाद उथल-पुथल का सामना कर रहा है। उनकी रिकवरी को बाद में हुई इंजरी ने मुश्किल बना दिया। वो ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का हिस्सा नहीं बन सके, हालांकि उन्हें सिलेक्शन के लिए कंसीडर किया गया था। टीम इंडिया के लिए उनका आखिरी प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी में था, जहां उन्होंने 5 मैचों में 9 विकेट लिए थे।

टीम इंडिया को शमी की जरूरत

35 साल के मोहम्मद शमी का सिलेक्शन टीम इंडिया को मजबूती दे सकता है। वो जसप्रीत बुमराह की जिम्मेदारियों का बोझ थोड़ा हल्का कर सकते हैं। साथ ही फास्ट पिचेज पर मोहम्मद सिराज को भी एकसाथ शामिल करना बेहतर फैसला हो सकता है। जिससे विरोधी टीम पर हावी हुआ जा सके। खासकर हाल ही मेंस टेस्ट क्रिकेट में जो भारतीय टीम का बुरा हाल हुआ है, उसे देखते हुए शमी के बारे में विचार करना और भी जरूरी हो गया है।

9वीं नेशनल हेपकिडो चैंपियनशिप में राजस्थान ओवरऑल विजेता

झालावाड़ के खिलाड़ियों ने 58 पदक जीते

झालावाड़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ के एम.पी. पीजी कॉलेज में दो दिवसीय 9वीं नेशनल हेपकिडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान राज्य ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झालावाड़ जिले के 50 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने शानदार खेल से सबका ध्यान आकर्षित किया। खिलाड़ियों ने 15 स्वर्ण, 18 रजत और 25 कांस्य पदक हासिल कर कुल 58 पदक जीतते हुए जिले के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। चित्तौड़गढ़ से झालावाड़ लौटने पर खिलाड़ियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय स्तर की सहभागिता और आयोजन संरचना

चैंपियनशिप हेपकिडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में तथा हेपकिडो डेवलपमेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की मेजबानी में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में देश के 17 राज्यों से 500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिससे आयोजन का स्तर और प्रतिस्पर्धा दोनों उच्च रहे।

विविध आयु वर्ग और तकनीकी स्पर्धाएं

हेपकिडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मास्टर प्रेमजीत सेन एवं महासचिव मास्टर रजनीश चौधरी के अनुसार 5 वर्ष से लेकर 50 वर्ष तक के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में प्रतिस्पर्धा की। प्रतियोगिता में कोरगी, स्पीड फेस्टिवल, लॉन्ग फॉलो, हाई फॉलो और होशीन शूल सहित कुल पांच इवेंट आयोजित किए गए।

राज्यभर में मिली सराहना और निर्णायक जीतें

झालावाड़ के खिलाड़ियों ने मुकाबले दमदार अंदाज में जीते और कई वर्गों में एकतरफा जीत दर्ज की। उनके प्रदर्शन की पूरे राजस्थान में सराहना हो रही है, जिससे जिले की पहचान राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और सुदृढ़ हुई है।

राष्ट्रीय रेफरी के रूप में नई उपलब्धि

इस आयोजन में झालावाड़ के रोहित यादव, भारत नगर और अभिषेक राठौर ने राष्ट्रीय रेफरी परीक्षा उत्तीर्ण कर नेशनल रेफरी बनने की उपलब्धि भी हासिल की, जिसे जिले के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है।

हेपकिडो डेवलपमेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष कुलदीप अरोड़ा और महासचिव अनिता मालव ने टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने मेहनत, अनुशासन और जज़्बे के बल पर यह सफलता हासिल की है। चित्तौड़गढ़ की ऐतिहासिक धरती पर आयोजित यह चैंपियनशिप सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार रही, जबकि झालावाड़ ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से नई पहचान कायम की।

मुंबई रैंप वॉक में साथ चलेंगे मेसी-सुआरेज

विश्व कप की यादगार चीजें नीलामी के लिए मांगी

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी इस महीने भारत दौरे पर आ रहे हैं। मेसी इस दौरान धर्मार्थ कार्य के लिए मुंबई में रैंप वॉक करेंगे। उनके साथ जोड़ीदार लुइ सुआरेज भी इसमें हिस्सा लेंगे। रैंप वॉक के आयोजकों ने उनसे 2022 फीफा विश्व कप जीत की कुछ खास यादगार चीजें नीलामी के लिए लाने को कहा है। जी.ओ.ए.टी। इंडिया टूर 2025 के प्रमोटेर सतादरू दत्ता ने बताया कि मेसी, सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल 14 दिसंबर की रात 45 मिनट के फैशन से जुड़े शो में हिस्सा लेंगे।

वानखेड़े स्टेडियम में होगा कार्यक्रम

दत्ता ने बताया कि यह धर्मार्थ फैशन शो होगा। इसके अलावा सुआरेज म्यूजिक शो का भी हिस्सा होंगे जबकि आयोजकों ने मेसी से औपचारिक रूप से आग्रह किया है कि वह दौरे के मुंबई चरण के दौरान नीलामी के लिए 2022 विश्व कप की कुछ यागदार चीजें लेकर आएं। मुंबई में कार्यक्रम शाम पांच बजे वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगा, जबकि इससे पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में साढ़े तीन बजे से पेडल कप होगा।

मेसी की प्रतिमा का होगा अनावरण

कोलकाता चरण में मेस की अब तक की सबसे बड़ी 70 फीट की प्रतिमा का अनावरण सुरक्षा कारणों से टीम होटल से वर्चुअली किया जाएगा। आठ बार के बेलोन डिओर विजेता मेसी अनावरण के लिए पहले स्वयं श्रीभूमि जाने वाले थे। कोलकाता पुलिस के सूत्र ने पुष्टि की है कि मेसी शनिवार तड़के डेढ़ बजे शहर में पहुंचेंगे और ईएम बाईपास पर एक पांच सितारा होटल में रुकेंगे। प्रायोजकों के लिए विशेष मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ से साढ़े 10 बजे तक बजे तक चलेगा। दुर्गा पूजा सत्र के लिए तैयार किया गया मेस्सी का 25 गुणा 20 फीट का भित्ति चित्र भी सॉल्ट लेक स्टेडियम में इस दिग्गज को सौंपा जाएगा। कोलकाता में होने वाले कार्यक्रम में 70 हजार से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।

नई दिल्ली में पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम के बाद मेसी सॉल्ट लेक स्टेडियम जाएंगे और दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद आयोजकों ने हैदराबाद को दौरे में शामिल किया है। मेसी शाम सात बजे हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में हैदराबाद जीओएटी कप के दौरान मौजूदगी रहेंगे जिसे तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का समर्थन हासिल है। मेस्सी सोमवार को नई दिल्ली मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलेंगे। मेसी के नई दिल्ली यात्रा के दौरान नौ सदस्यीय सेलीब्रिटी मैच भी होगा। वर्ष 2011 के बाद पहली बार भारत आ रहे मेसी के दौरे को 15 अगस्त को स्वीकृति मिली थी।

पलाश के साथ शादी टूटने के बाद पहली बार नजर आई स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत को लगाया गले

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना संगीतकार पलाश मुछाल के साथ शादी टूटने के बाद पहली बार नजर आईं। मंधाना को बुधवार को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में दिखीं जहां उन्होंने भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को गले लगाया। मंधाना और हरमनप्रीत फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी में एक निजी कंपनी के इवेंट में हिस्सा लेने के लिए आई हैं।

मंधाना ने सात दिसंबर को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये यह बताया था कि पलाश के साथ उनकी शादी रद्द हो गई है और वह अपने क्रिकेट करियर पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। इसके अगले ही दिन उनके भाई ने मंधाना की ट्रेनिंग में लौटने की फोटो शेयर की थी। मंधाना 21 दिसंबर से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलती नजर आएंगी।

मंधाना ने भारतीय महिला टीम की वनडे विश्व कप की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। मंधाना अब श्रीलंका के खिलाफ 21 से 30 दिसंबर तक पांच मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। इसके मुकाबले विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे। ये सीरीज अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए अहम है। मंधाना अगले साल की शुरुआत में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कमान भी संभालेंगी।

मंधाना और संगीतकार पलाश मुछाल का रिश्ता आखिरकार टूट गया। मंधाना और मुछाल ने लगभग एक ही समय में इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर शादी रद्द होने का आधिकारिक एलान रविवार को किया था। मंधाना और पलाश की शादी 23 नवंबर को महाराष्ट्र के सांगली में होनी थी और दो दिन पहले से शादी की रस्में शुरू हो गई थी।

।। श्री गणेशाय नमः ।। ।। श्री आईमाताय नमः ।।

सस्नेह निमंत्रण

सीरवी समाज एल.बी.नगर वेलफेयर एसोसिएशन हैदराबाद [तेलंगाना]

मतूगुड़ा-बंडलागुड़ा (एल.बी.नगर), हैदराबाद

श्री आईमाताजी मंदिर (वडेर)

प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव

शनिवार 6 दिसम्बर से शुक्रवार 12 दिसम्बर तक

पावन सानिध्य
श्री आईपंथ के धर्मगुरु परम श्रद्धेय
दीवान श्री माधवसिंहजी

** मांगलिक कार्यक्रम **

※ आज, गुरुवार 11 दिसम्बर ※

※ प्रातः 9.15 बजे से **हवन पुर्णाहुति**
※ दोपहर 1.15 बजे से **माताजी वैल का बधावा, गैर नृत्य, श्री आईपंथ के धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंहजी का बधावा एवं कलश यात्रा,**
※ रात्रि 8.15 बजे से **जागरण**
भजन गायकार :
महावीर साँखला, मनोज रिया एंड पार्टी

※ कल, शुक्रवार 12 दिसम्बर ※

※ प्रातः 5.15 बजे से **महामंगलकारी मूर्ति स्थापना, प्राण प्रतिष्ठा, पाट स्थापना, कलश स्थापना, ध्वजा, ईण्डा चढाना व अखण्ड ज्योत स्थापना एवं पुर्णाहुति**
※ प्रातः 10.15 बजे से **महाप्रसादी**
※ प्रातः 10.30 बजे से
धर्मसभा एवं दीवान श्री माधवसिंहजी के आर्शीवचन एवं अतिथि स्वागत

।। मुख्य अतिथि ।।

श्रीमती कोन्डा सुरेखा धर्मस्व विभाग मंत्री तेलंगाना	श्री पी.पी. चौधरी पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार, सांसद पाली	श्री के.टी.रामाराव राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.आर.एस.पार्टी, तेलंगाना
श्री ईटेला राजेन्द्र सांसद मल्काजगिरी	श्री मलरेड्डी रंगारेड्डी विधायक इब्राहिमपटनम	श्री केसाराम चौधरी विधायक मारवाड़ जंक्शन (पाली)
श्री चन्द्रशेखर भाजपा प्रभारी तेलंगाना	श्री टी.राजासिंह विधायक गौशामहल, तेलंगाना	श्री सुधीर रेड्डी विधायक एल.बी.नगर

।। सम्मानित अतिथि ।।

※ अखिल भारतीय महासभा तेलंगाना- अध्यक्ष हरजीरामजी काग, सचिव सोहनलालजी हाम्बड़,
※ सीरवी समाज ट्रस्ट पारसीगुट्टा- अध्यक्ष मोहनलालजी हाम्बड़, सचिव नारायणलालजी काग,
※ जीडिमेटला- अध्यक्ष रावतरामजी बर्फा, सचिव प्रेमकुमारजी पँवार,
※ शमशाबाद- अध्यक्ष आशारामजी गेहलोत, सचिव भोलारामजी पंवार,
※ अलमासगुड़ा (करमनघाट)- अध्यक्ष प्रकाशजी आगलेचा, सचिव पुकराजजी चोयल,
※ कोरुमुला (उप्पल)- अध्यक्ष कालुरामजी काग, सचिव डायारामजी लचेटा,
※ सँगारेड्डी- अध्यक्ष रुगारामजी परिहारिया, सचिव घीसारामजी काग,
※ शेरीलिंगमपल्ली- अध्यक्ष मनोजकुमारजी वरपा, सचिव माँगीलालजी सानपुरा,
※ आईलापुर- अध्यक्ष कन्हैयालालजी बर्फा, सचिव मोहनलालजी भायल,
※ शादनगर- अध्यक्ष कैलाशजी बर्फा, सचिव शिवजी सोलंकी,
※ तूपरान- अध्यक्ष लिकमारामजी मुलेवा, सचिव दीपचन्दजी गेहलोत,
※ गजवेल- अध्यक्ष देवारामजी राठौड़, सचिव अणदारामजी सीरवी
※ जनगाँव- अध्यक्ष धर्मारामजी राठौड़, सचिव सोहनलालजी हाम्बड़,
※ मल्लापुर- अध्यक्ष तुलसारामजी सिन्दड़ा, सचिव ओकारामजी पँवार,
※ बालाजीनगर- अध्यक्ष जयरामजी पँवार, सचिव हीरालालजी चोयल,
※ मनीकोन्डा- अध्यक्ष बाबुलालजी भायल, सचिव मोतीलालजी माधावत,
※ आईजी गौशाला बालाजीनगर- अध्यक्ष मँगलारामजी पँवार, सचिव हुकमारामजी सानपुरा,
※ आईजी सेवा संघ- अध्यक्ष भगारामजी मुलेवा, सचिव चेलारामजी भायल,
※ श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र- अध्यक्ष जीवारामजी हाम्बड़, सचिव लिकमारामजी मुलेवा

P.Solankey

सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालु भक्तों एवं स्वजातिय सीरवी बन्धुओं से निवेदन है इस शुभ अवसर पर आप सभी श्रद्धालु भक्तजन, इष्टमित्रों सहित सपरिवार पधारकर हमारा उत्साहवर्धन कर कार्यक्रम की शोभा बढावें एवं माताजी के दर्शन, भजनों, भोजन-प्रसादी का लाभ लेकर पुण्य के भागीदार बने।

।। जय श्री आईमाताजी की ।।

Scan for Location

YouTube LIVE PML SEERVI

Music HARI OM — HARI OM SOUND

निवेदक : सीरवी समाज एल.बी.नगर वेलफेयर एसोसिएशन हैदराबाद के पदाधिकारी एवं सदस्यगण

※ अध्यक्षः वेनाराम चोयल ※	※ सचिवः प्रकाश सेपटा ※	※ कोषाध्यक्षः लक्ष्मणराम परिहार ※
9989192142	9849039585	9849576477

उपाध्यक्षः धन्नाराम देवड़ा, चुन्नीलाल पंवार, छोगाराम गेहलोत, **सहसचिवः** मोहनलाल चोयल, **सहकोषाध्यक्षः** स्वरुपराम पंवार, **सलाहकार सदस्यः** जगदीश प्रसाद काग, देवाराम आगलेचा, खंगारराम सेपटा, डायाराम सोलंकी, **मनोनित सदस्यः** जुगराज सोलंकी, ताराराम पंवार, चेनाराम काग, चम्पालाल आगलेचा, चिमनाराम चोयल, वेनाराम पंवार, ताराराम चोयल, तिलोकराम पंवार, दयाराम परिहार, **खेल मंत्रीः** मांगीलाल चोयल, राजाराम मुलेवा, **मीडिया प्रभारीः** खंगारराम मुलेवा, **क्षेत्रिय सदस्यः** कानाराम चोयल (एल.बी.नगर), सोहनलाल चोयल (एन.टी.आर.नगर), रामलाल परिहार (संतोष नगर), मनाराम देवड़ा (अलकापुरी), केनाराम काग (साई नगर), लिकमाराम लचेटा (नागोल), रामलाल काग (मोहन नगर), अमराराम मुलेवा (बंडलागुड़ा), भंवरलाल मुलेवा (आनंद नगर), लकाराम भायल (वनस्थलीपुरम), शंकरलाल गेहलोत (मंसूराबाद), रमेश वरपा (हयातनगर), दुर्गाराम सिन्दड़ा (पेद्दाम्बरपेट मंगनूर), राजाराम चोयल (कुंटलूर), दोलाराम काग (अब्दुल्लापुरमेट), **अ.भा.सीरवी महासभा सदस्यः** भगाराम चोयल, हीरालाल लचेटा

With Best Compliments :

Formax®
WPC | PVC | PLY
www.fomax.co.in

WPC
WPC DOOR FRAMES
WPC DOORS
UV TEXTURED WPC DOORS
WPC WINDOW FRAMES
WPC BOARDS
WPC CNC ROUTED DOORS

PLYWOOD
Club Plywood
Platinum Plywood
Block Boards
Flush Doors

Dil se banaye, Formax se sajaye!

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.